MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 26 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-56

इजराइल का सर्वोच्च सम्मान, नेतन्याहू बोले

मोदी एशिया के शेर

तेल अवीव, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे। इस दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया।

इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया। इस दौरान उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। नेसेट को संबोधित करते हुए मोदी ने इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। उन्होंने कहा हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है। भारत इजराइल के साथ खड़ा है।

वहीं नेतन्याहू ने कहा, 'मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है।' उन्होंने मोदी को एशिया का शेर और दुनिया का सम्मानित नेता बताया।

मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे भी लगाए।

इस अवसर पर विदेश मंत्री डा एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और इजरायल में भारत के राजदूत जितेन्द्र पाल सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर नेसेट को भारतीय रंगों से सजाया गया था।

श्री मोदी ने भारत और इजरायल के संबंधों को दो हजार वर्ष से भी पुराना बताते हुए कहा कि उनका स्वयं भी इजरायल के साथ एक संयोग है। उन्होंने कहा मेरा जन्म 17 सितम्बर 1950 को उसी दिन हुआ था जिस दिन भारत ने औपचारिक रूप से इजरायल को मान्यता दी थी।

उन्होंने इजरायल में हमास के सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गये लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा मैं भारत के लोगों की तरफ से हर उस जान के लिए गहरी संवेदनाएं भी रखता हूं, जो 7 अक्टूबर को हमास के उस भयानक आतंकवादी हमले में गई और हर उस परिवार के लिए जिनकी दुनिया तबाह हो गई। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपके दुख में शामिल हैं। भारत इस समय और आगे भी, पूरी मज़बूती से और पूरे यकीन के साथ इज़राइल के साथ खड़ा है।

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी कारण से उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कोई भी वजह आम लोगों की हत्या को सही नहीं ठहरा सकती। कोई भी चीज़ आतंकवाद को सही नहीं ठहरा सकती। भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है। हमें 26/11 के मुंबई हमले और इज़राइली नागरिकों समेत मारे गए बेगुनाह लोगों की जान याद है। आपकी तरह, हमारी भी आतंकवाद के लिए ज़ीरो टॉलरेंस की एक जैसी और बिना किसी समझौते वाली पॉलिसी है, जिसमें कोई डबल स्टैंडर्ड नहीं है। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को पूरी दुनिया में शांति के लिए खतरा बताते हुए कहा आतंकवाद का मकसद समाज को अस्थिर करना, विकास को रोकना और भरोसा खत्म करना है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए लगातार और मिलकर दुनिया भर में कार्रवाई करने की ज़रूरत है, क्योंकि कहीं भी होने वाला आतंक हर जगह शांति के लिए खतरा है। इसीलिए, भारत उन सभी कोशिशों का समर्थन करता है जो टिकाऊ शांति और इलाके में स्थिरता लाने में मदद करती हैं।

पश्चिम एशिया की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले, जब आपने अब्राहम समझौते पूरे किए थे, तो हमने आपकी हिम्मत और सोच की तारीफ़ की थी। यह लंबे समय से परेशान इलाके के लिए नई उम्मीद का पल था। तब से, हालात काफी बदल गए हैं। रास्ता और भी मुश्किल है। फिर भी उस उम्मीद को बनाए रखना ज़रूरी है। गाजा शांति पहल का समर्थन करते हुए श्री मोदी ने उम्मीद जतायी कि इससे समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद दिखती है। उन्होंने कहा गाज़ा शांति पहल जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंज़ूरी दी थी, एक रास्ता दिखाता है। भारत ने इस पहल के लिए अपना पक्का समर्थन जताया है। हमारा मानना है कि यह इस इलाके के सभी लोगों के लिए एक सही और टिकाऊ शांति का वादा करता है, जिसमें फ़िलिस्तीन मुद्दे को सुलझाना भी शामिल है। हमारी सभी कोशिशें समझदारी, हिम्मत और इंसानियत से चलें। शांति का रास्ता हमेशा आसान नहीं होता। लेकिन भारत इस इलाके में बातचीत, शांति और स्थिरता के लिए आपके और दुनिया के साथ है।

धोखाधड़ी मामले में ईडी वसूली

अंबानी का घर अटैच

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. ईडी ने मुंबई स्थित 17 मंजिला आलीशान आवास अबोड को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है।

यह कार्रवाई अनिल अंबानी की ग्रुप कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है. इस संपत्ति की अनुमानित कीमत 3,716.83 करोड़ रुपये बताई गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित 66 मीटर ऊंची इस लग्जरी इमारत के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अस्थायी अटैचमेंट आदेश जारी किया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही मामले में अब तक कुर्क की गई कुल संपत्तियों का मूल्य लगभग 15,700 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

66 साल के अनिल अंबानी से इस मामले में दूसरी बार पूछताछ की तैयारी है। अगस्त 2025 में वे पहली बार ईडी के सामने पेश हुए थे, जहां पीएमएलए के तहत उनका बयान दर्ज किया गया था।

कथित आरकॉम फ्रॉड से जुड़ा मामला

यह अटैचमेंट आरकॉम में कथित वित्तीय अनियमितताओं और कर्ज की हेराफेरी से जुड़ी व्यापक जांच का हिस्सा है। ईडी की यह कार्रवाई सीबीआई द्वारा दर्ज दो एफआईआर के बाद हुई है। इन एफआईआर में रिलायंस अनिल अंबानी समूह की विभिन्न कंपनियों पर धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं।

पीएमएलए की धारा 17 के तहत समूह से जुड़े 35 से अधिक परिसरों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई 50 से अधिक कंपनियों तक फैली और मुंबई व दिल्ली में 25 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई।

सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से लिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के कर्ज को एक सुनियोजित तरीके से डायवर्ट किया गया. जांच एजेंसियां यह भी देख रही हैं कि क्या धनराशि को शेल कंपनियों के जरिए घुमाकर (राउंड ट्रिपिंग) वापस लाया गया. इसके अलावा बैक-डेटेड क्रेडिट अप्रूवल मेमोरेंडम, बिना जांच के कर्ज को मंजूरी देने और ▶10पर

जय श्री श्याम

निशान यात्रा पर कोर्ट का सहारा

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ई.वी. वेणुगोपाल ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वे श्री श्याम बाबा के भक्तों द्वारा प्रस्तावित धार्मिक जुलूस (निशान यात्रा) की अनुमति देने के आवेदन पर विचार करें। यह आदेश पूनम चंद शर्मा द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिका में तर्क दिया गया था कि श्री श्याम बाबा निशान यात्रा 27 फरवरी को लाल दरवाजा से शुरू होकर काचीगुडा स्थित श्री श्याम बाबा मंदिर पर समाप्त होनी है, जिसमें भक्त हाथों में ध्वज लेकर और भजन गाते हुए शामिल होंगे।

फाल्गुन एकादशी पर वार्षिक आयोजन का हवाला

याचिकाकर्ता ने अदालत को अवगत कराया कि यह यात्रा फाल्गुन एकादशी के अवसर पर आयोजित होने वाला एक वार्षिक धार्मिक जुलूस है, जिसमें लगभग 50 से 70

प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने इस याचिका का विरोध किया। सरकार की ओर से दलील दी गई कि इसी तरह के पिछले जुलूसों में नियमों का उल्लंघन हुआ था। साथ ही, 2025 में दर्ज एक आपराधिक मामले का हवाला दिया गया जो वर्तमान में विचाराधीन है। राज्य के वकील ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिलने वाली धार्मिक स्वतंत्रता, सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के अधीन है। न्यायाधीश ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे याचिकाकर्ता के आवेदन की बारीकी से जांच करें। अदालत ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि क्या याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज है। इसके साथ ही, इस बात का मूल्यांकन करने को कहा गया कि क्या अतीत में ऐसी घटनाओं के कारण कानून-व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न हुआ था।

संवैधानिक जनादेश के तहत त्वरित आदेश की मांग

न्यायालय ने पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया कि वे याचिकाकर्ता और संबंधित हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करें। अंत में, जज ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संवैधानिक जनादेशों के अनुरूप और पूरी पारदर्शिता के साथ इस मामले पर शीघ्र ही एक तर्कसंगत आदेश पारित करें।

▶10पर

1 अप्रैल से देशभर में अनिवार्य होगा 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल

नई दिल्ली, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

भारत सरकार ने स्वच्छ ईंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1 अप्रैल 2026 से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा 17 फरवरी को जारी अधिसूचना के अनुसार, तेल कंपनियों को अब कम से कम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर (आरओएन) वाला पेट्रोल बेचना होगा, जिसमें एथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत तक होगी। हालांकि, केंद्र सरकार विशेष स्थितियों और विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सीमित समय हेतु इसमें छूट दे सकती है।

एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ना, मक्का और अनाज से किया जाता है। यह एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है जो शुद्ध पेट्रोल की तुलना में कम प्रदूषण फैलाता है। सरकार के इस अनिवार्य कदम का मुख्य उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना और कार्बन उत्सर्जन में कटौती करना है। इसके साथ ही, गन्ने और मक्के की मांग बढ़ने से देश के किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014-15 से अब तक पेट्रोल प्रतिस्थापन के माध्यम से भारत ने 1.40 लाख करोड़ रुपये से ▶10पर

सुल्तान बाजार 'म्यूल' खाता

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना पुलिस की साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के खिलाफ चल रही जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हैदराबाद के सुल्तान बाजार से संचालित होने वाले मात्र एक बैंक खाते का संबंध देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज 496 शिकायतों से पाया गया है। इसी तरह, सूर्यापेट जिले की चार बैंक शाखाओं में 298 ऐसे खाते मिले हैं, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए किया जा रहा था।

इन खातों का पता तेलंगाना पुलिस के विशेष अभियान ऑपरेशन क्रैकडाउन के दौरान चला। बुधवार (25 फरवरी) को राज्य के 16 जिलों/इकाइयों में शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य लक्ष्य म्यूल बैंक अकाउंट (किराये के खाते) के नेटवर्क को ध्वस्त करना था। 512 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों वाली 137 टीमों ने राज्य भर की 137 बैंक शाखाओं का निरीक्षण किया और संदिग्ध खाताधारकों के केवाईसी (केवाईसी) विवरण एकत्र किए।

तेलंगाना में हजारों म्यूल अकाउंट सक्रिय

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजी-सीएसबी) द्वारा किए गए डेटा विश्लेषण से पता चला है कि वर्ष 2025 के दौरान राज्य में 4,775 म्यूल अकाउंट संचालित किए जा रहे थे। बुधवार की कार्रवाई के दौरान 1,888 संदिग्ध खातों की जांच की गई। ये खाते पूरे देश में 9,431 अपराध के मामलों से जुड़े हैं, जिनमें से 782 मामले अकेले तेलंगाना के हैं। वर्तमान में इन संदिग्ध खातों के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस को इस संगठित नेटवर्क में बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत का भी संदेह है। शुरुआती जांच में पाया गया कि कुछ शाखाओं में सैकड़ों की संख्या में म्यूल अकाउंट खुले हुए थे, जो बिना किसी आंतरिक सहायता के संभव नहीं है। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ छोटे बैंक, जिनके पास अपना आरटीजीएस सिस्टम नहीं है, वे राष्ट्रीय बैंकों के सिस्टम का उपयोग धन हस्तांतरण के लिए कर रहे हैं। इन बैंकों में खाता खोलने वालों के सत्यापन और प्रमाणीकरण में गंभीर चूक पाई गई है, जिसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं।

साइबर अपराधी समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर छात्रों और दिहाड़ी मजदूरों को अपना शिकार बनाते हैं। उन्हें मात्र 2,000 से 5,000 रुपये कमीशन का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए जाते हैं।

इन खातों का उपयोग चोरी के पैसे को तुरंत ठिकाने लगाने के लिए किया जाता है।

ठगी की गई राशि को कुछ ही मिनटों में कई खातों में घुमाया जाता है (लेयरिंग), जिससे पुलिस के लिए पैसे को ट्रैक करना और रिकवर करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

सिकंदराबाद स्टेशन तैयार मार्च अंत तक शुरू होगा संचालन

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

दक्षिण मध्य रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। आधुनिकीकरण के कार्यों के कारण पिछले कुछ समय से यहां से चलने वाली कई ट्रेनों को अन्य स्टेशनों पर स्थानांतरित किया गया था। अब फेस-1 का काम लगभग पूरा होने के साथ ही रेलवे ने स्टेशन को यात्रियों के लिए फिर से खोलने का मुहूर्त तय कर लिया है। बहुत जल्द सिकंदराबाद स्टेशन से रेल परिचालन अपनी पुरानी स्थिति में बहाल हो जाएगा। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का स्वरूप अब पूरी तरह बदल चुका है। आधुनिक सुविधाओं के साथ यह किसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसा नजर आ रहा है। यात्रियों के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा दी गई है, जिससे वे सीधे पहली मंजिल पर प्रवेश कर सकेंगे। ऊपरी मंजिल पर विशाल वेटिंग हॉल और दुकानें बनाई गई हैं, जबकि उनके नीचे रेलवे प्लेटफॉर्म स्थित हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन को सीधे बस स्टेशन से जोड़ने वाले स्काई-वॉक का निर्माण भी किया गया है, ▶10पर

ट्रंप ने पहले साल की गिनाईं उपलब्धियां कहा – यह अमेरिका का स्वर्णकाल

वाशिंगटन

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार रात स्टेट आफ द यूनियन को संबोधित किया । ट्रंप ने इस दौरान अपने एक साल के शासन की उपलब्धियां गिनाईं। भावी नीतियां और योजनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा, यह देश का स्वर्णकाल है। अब से पहले इतना बेहतर कभी नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की स्वतंत्रता को 250 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। दुनिया में कोई भी देश अमेरिका जैसा नहीं है। सीमाएं सुरक्षित की गई हैं। घुसपैठ पर रोक लगी है। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण के विरोध में सदन से वाकआउट किया। इसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की।

रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल का पहला आधिकारिक स्टेट आफ द यूनियन संबोधन अमेरिकी कैपिटल के हाउस चैंबर में किया। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका में अपराध घटा है। साल में पूरा देश बदल गया है। इससे पहले ऐसा किसी ने नहीं किया है। महंगाई पर अंकुश लगा है। लोगों की आय बढ़ने के साथ अर्थव्यवस्था की मजबूत हो रही है। दुश्मन घबराए हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ महीने में एक भी अवैध घुसपैठ की घटना नहीं हुई है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में खतरनाक फेंटानिल ड्रग की आमद में 56 प्रतिशत की कमी आई है। देश में हत्या दर में भी ऐतिहासिक कमी आई है और यह 125 साल में सबसे कम है। राष्ट्रपति ने कहा, बाइडन सरकार ने हमें खराब अर्थव्यवस्था दी थी, लेकिन हमने महंगाई को कम किया और पिछले पांच साल मे यह सबसे कम है। गैसोलीन की कीमतों में भी भारी कमी आई है और कई राज्यों में यह 2.30 डालर से भी कम है। मोर्गेज रेट भी बेहद कम है। राष्ट्रपति ने भाषण की शुरुआत में कहा, सिर्फ एक साल बाद मैं पूरे सम्मान और गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमने ऐसा बदलाव किया है जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा,और यह एक ऐसा बदलाव है जो सदियों के लिए है। हम कभी भी उस जगह वापस नहीं जाएंगे जहां हम कुछ समय पहले थे।

न्यूज ब्रीफ

ड्रग तस्कर एल मेंचो की मौत के बाद मेक्सिको का ड्रग नेटवर्क फिर चर्चा में

मेक्सिको सिटी। मोस्ट वांटेड ड्रग तस्कर नेमेसियो ओसेगेरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो के मारे जाने के बाद मेक्सिको का ड्रग नेटवर्क फिर चर्चा में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेक्सिको के अलग-अलग ड्रग कार्टेल्स को मिलाकर करीब 1,75,000 सक्रिय सदस्य इस नेटवर्क से जुड़े हैं। यह संख्या इसे देश के सबसे बड़े अनौपचारिक नियोक्ताओं में शामिल करती है। अनुमान है कि सीजेएनजी कुल नेटवर्क का करीब 18 फीसदी नियंत्रित करता है, जबकि सिनलोआ सेंटर से जुड़े गुट करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। ये कार्टेल अमेरिका पहुंचने वाली मेथामफेटामाइन, हेरोइन और फेंटेनिल की 70 से 90 फीसदी आपूर्ति को नियंत्रित करते हैं। रोजाना 400 से 650 करोड़ रुपये का खेल होता है। अवैध कारोबार का सटीक आंकड़ा निकालना मुश्किल है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के मुताबिक अमेरिकी बाजार में ड्रग बिक्री से मेक्सिकन कार्टेल्स को हर साल करीब 19 से 29 अरब डालर का लाभ होता है। इसे दैनिक आधार पर देखें तो करीब 50 से 80 मिलियन डालर यानी करीब 400 से 650 करोड़ रुपए प्रतिदिन इस नेटवर्क के जरिए घूमते हैं। कुछ आकलनों में सालाना कमाई 13.6 अरब से 49.4 अरब डालर के बीच बताई गई है। अकेले सिंथेटिक ड्रग फेंटेनिल से ही कार्टेल्स को हर साल 700 मिलियन से 1 अरब डालर तक का लाभ होने का अनुमान है। मेक्सिको की भौगोलिक स्थिति इसे दक्षिण अमेरिकी उत्पादक देशों और अमेरिका जैसे बड़े उपभोक्ता बाजार के बीच एक ट्रांजिट हब बनाती है।

ना बारूद, ना फाइटर जेट.....अदृश्य तरंगों से अमेरिका को मिट्टी में मिला देगा ईरान

तेहरान। मध्य पूर्व में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं लेकिन इस बार जंग सिर्फ बारूद और मिसाइलों की नहीं बल्कि अदृश्य तरंगों से होने वाली है। ईरान ने अपनी रक्षा पंक्ति में एक ऐसा हथियार शामिल किया है जो पेंटागन की रातों की नींद उड़ाने के लिए काफी है। इसका नाम है कोबरा वी8 है। यह ईरान का वहां स्वदेशी इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम है, इस विशेषज्ञों ने अदृश्य दीवार का नाम दिया है। दावा है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों और ड्रोन के झुंड को महज एक खिलौना बनाकर हवा में ही बेकार कर सकता है। कोबरा वी8 ईरान की इलेक्ट्रानिक इंटेलिजेंस और जैमिंग क्षमता का शिखर है। इस रूस के विख्यात क्रासुखा सिस्टम का ईरानी संस्करण माना जा रहा है। यह सिस्टम करीब 250 से 300 किलोमीटर के दायरे में दुश्मन के रडार, रेडियो सिग्नल और सैटेलाइट संचार को बाधित करने की क्षमता रखता है। कोबरा वी8 का मुख्य काम दुश्मन के अर्ली वार्निंग विमानों और लड़ाकू विमानों के रडार को अंधा करना है। जब यह सिस्टम सक्रिय होता है, तब दुश्मन के पायलट की स्क्रीन पर या कुछ नहीं दिखता या फिर हजारों फर्जी टारगेट नजर आने लगते हैं जिससे वे सही निशाना नहीं लगा पाते। आधुनिक युद्ध में ड्रोन स्वार्म (ड्रोन्स का झुंड) सबसे बड़ा खतरा है।

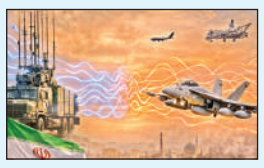

350 मिलियन वर्ष पुराना बेहद दुर्लभ जीवाश्म मिला

लंदन। शोधकर्ता वैज्ञानिकों को इंग्लैंड के होली इसलेंड पर 350 मिलियन वर्ष पुराना बेहद दुर्लभ जीवाश्म मिला है, जो देखने में मानो मुस्कुराते हुए नकली दांतों जैसा लगता है। इसकी पुष्टि ब्रिटिश ज्योलाजिकल सर्वे (बीजीएस) ने की है। उनके मुताबिक, कयह जीवाश्म दरअसल प्राचीन समुद्री जीव क्रिनोएड के तने का हिस्सा है, जिसे सी लिली भी कहा जाता है। इस अनोखे फासिल को खोजने वाली 64 वर्षीय क्रिस्टीन क्लार्क थीं, जो बाक्सिंग डे के दिन नार्थम्बरलैंड के समुद्र तट पर टहल रही थीं। रेत और कंकड़ों के बीच उन्हें एक छोटा-सा पत्थर दिखाई दिया जो बिल्कुल इंसान के नकली दांतों जैसा लग रहा था। क्रिस्टीन ने हंसते हुए कहा ऐसा लग रहा था जैसे वह मुझे देखकर मुस्कुरा रहा हो। उन्होंने इसकी तस्वीर एक फासिल आइडेंटिफिकेशन पेज पर शेयर की, जिसके बाद हजारों प्रतिक्रियाएं आईं और विशेषज्ञों ने तुरंत पहचान ली कि यह कोई साधारण पत्थर नहीं है। बीबीसी ने बताया कि पहचान के लिए बीजीएस के सीनियर पैलेन्टोलाजिस्ट डा. जान हेनिसन से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि क्रिनोइड्स पृथ्वी पर लगभग 50 करोड़ वर्ष पहले कैम्ब्रियन काल में प्रकट हुए थे और आज इन्हें पृथ्वी के सबसे पुराने जटिल समुद्री जीवों में गिना जाता है। हालांकि ये जानवर हैं, लेकिन फूल जैसे आकार की वजह से इन्हें सी लिली नाम दिया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार क्रिस्टीन को मिला यह जीवाश्म लगभग 35 करोड़ वर्ष पुराना है। डा. हेनिसन ने बताया कि क्रिनोइड के तने को ओसिकल्स नामक छोटी डिस्कें बनाती हैं।

भारत के इस दोस्त ने डोनाल्ड ट्रंप को दिखा दी आंखें.....अपने वादे पर कायम रहे अमेरिका

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह हफ्ता किसी बुरे सपने से कम नहीं साबित हो रहा है। पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उनकी टैरिफ वाली मनमानी पर लगाम लगाकर उन्हें करारी शिकस्त दी। अब भारत के दोस्त यूरोपियन यूनियन ने अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से झटका खाने के बाद बौखलाहट में जो नया टैरिफ बम फोड़ा है, इस बम ने यूरोप के सब्र का बांध तोड़ दिया है। यूरोपियन यूनियन से अब वाशिंगटन को सीधी और दो-टूक चेतावनी दे दी गई है, वादा तब वादा होता है, और हर हाल में निभाना पड़ेगा।

इस कहानी की शुरुआत अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस ऐतिहासिक फैसले से होती है, जिसमें ट्रंप के लाए गए ग्लोबल टैरिफ को गैरकानूनी बताया। अमेरिकी कोर्ट ने साफ कहा कि 1977 के इमरजेंसी कानून की आड़ में मनमाने टैक्स नहीं थोप सकते है। एक आम नेता शायद इस झटके के बाद शांत हो जाता, लेकिन ट्रंप अपनी ईगो पर लगी इस चोट से तिलमिला उठे और ट्रंप ने 1974 के एक पुराने ट्रेड एक्ट का सहारा लेकर दुनिया भर पर अचानक 15 प्रतिशत का नया बेसलाइन टैरिफ ठोक दिया। उनका यह दांव भले ही अमेरिका के अंदर उन्हें स्ट्रान्गमैन दिखा रहा हो, लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में इस टैक्स ने रायता फैला दिया है।

ट्रंप के इस नए 15 प्रतिशत वाले फरमान ने सबसे ज्यादा आग यूरोप में लगाई है। यूरोपियन कमीशन, ने अमेरिका को साफ अल्टीमेटम दे दिया है। यूरोप ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार किसी की मर्जी और सनक से नहीं, बल्कि नियमों और समझौतों से चलता है। पिछले ही साल अगस्त 2025 में अमेरिका और ईयू के बीच एक शानदार डील हुई थी। यह कोई छोटी-मोटी डील नहीं थी, 2024 में इन दोनों के बीच 1.7 ट्रिलियन यूरो का व्यापार हुआ था। यूरोपियन कमीशन ने अपना गुस्सा जाहिर कर बयान दिया है, उसका लब्बोलुआब यही है कि हमने जो डील की थी, हम उस पर कायम हैं। अब अमेरिका को तय करना है कि वह अपनी जुबान का पक्का है या नहीं।

ट्रंप जिस टर्नबेरी एग्रीमेंट को इतिहास की सबसे बड़ी व्यापारिक जीत बताकर सीना ठोकते थे, अब वही डील कूड़ेदान में जाने की कगार पर है। इस समझौते के तहत यूरोप ने अमेरिका को बहुत कुछ देने का वादा किया था। अमेरिका से 750 अरब डालर का तेल और गैस खरीदना। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 600 अरब डालर का भारी-भरकम निवेश। अमेरिकी सेना के हथियारों और डिफेंस इक्विपमेंट की बंपर खरीददारी करना।

लेकिन अब यूरोपीय संसद के बड़े नेता और व्यापार समिति के अध्यक्ष बर्नड लांगे ने ट्रंप की इस हरकत को टैरिफ की महा-अफरातफरी करार दिया है। लागे इतने गुस्से में हैं कि उन्होंने इस पूरी ट्रेड डील पर ही ब्रेक लगाने का प्रस्ताव दे दिया है। उनका कहना है कि जब अमेरिका ही अपने वादे पर नहीं टिक रहा, तब यूरोप अपनी तरफ से अरबों डालर क्यों लुटाए

अगर आपको लग रहा है कि यूरोप सिर्फ बयानबाजी कर रहा है, आप गलत हैं। यूरोपियन यूनियन के पास एक ऐसा कानूनी हथियार है, जो अमेरिकी कंपनियों की कमर तोड़ सकता है। इसके तहत अमेरिकी कंपनियों को यूरोप के किसी भी सरकारी टेंडर से ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है।अमेरिका से आने वाले फार्मास्यूटिकल्स, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और कारों पर यूरोप पाबंदी लगा सकता है। अमेरिका के लिए यूरोप के 45 करोड़ ग्राहकों वाले विशाल और अमीर बाजार के दरवाजे हमेशा के लिए बंद किए जा सकते हैं।

ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने जेडी वेंस और रूबियो में छिड़ी अंदरुनी जंग, कौन रहेगा आगे

पब्लिक में वेंस-रुबियो सपोर्ट-सपोर्ट का कर रहे दिखावा, ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं वेंस

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों मुश्किलों में घिरे हुए हैं। अमेरकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की टैरिफ नीति को अवैध करार देकर उन्हें बड़ा झटका दिया है। इस बीच वाशिंगटन में मिड-टर्म चुनाव की टेंशन भी है। इस गहमागहमी के बीच ट्रंप ने अपनी गद्दी सौंपने के संकेत दिए हैं। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने के लिए दो दिग्गज फाइट कर रहे हैं। ट्रंप की जगह लेने के लिए इंटर्नल फाइट मार्को रूबियो और जेडी वेंस के बीच में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के सलाहकारों का कहना है कि राष्ट्रपति की नजर में वेंस-रूबियो की जोड़ी एक ड्रीम टिकट है। ट्रंप फिलहाल जेडी वेंस को थोड़ा आगे मान रहे हैं क्योंकि वह उनके रनिंग मेट रहे हैं, लेकिन ट्रंप ये भी मान रहे हैं कि मार्को रूबियो की लोकप्रियता भी राकेट की रफ्तार से बढ़ रही है। वहीं जेडी वेंस का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। बताया जाता है कि वेंस ट्रंप की नीतियों के कट्टर समर्थक हैं और हर फैसले में बिना शर्त उनके साथ खड़े होते हैं। हालांकि इन सबके बावजूद भी वेंस की चमक रूबियो के आगे फीकी पड़ती नजर आ रही है।

सेक्रेटरी आफ स्टेट और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर के तौर मार्को रूबियो लाइम लाइट घसीटना खूब अच्छे से जानते हैं। मजाक में ही सही लेकिन ट्रंप ने माना है कि रूबियो के चर्चा में बने रहने के टैलेंट से उनकी भी छुट्टी हो सकती है। रूबियो की वेलवेट ग्लव वाली कूटनीति पार्टी के अंदर खूब पाप्युलर है। बाहर से विनम्र लहजा दिखाते हुए अपनी बात सख्ती से मनवाने वाली रणनीति को वेलवेट ग्लव कूटनीति कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक जहां एक तरफ दोनों के बीच में बवाल चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ रूबियो और वेंस एक दूसरे के लिए पब्लिक में सपोर्ट-सपोर्ट खेलते दिखाई दे रहे हैं। रूबियो का कहना है कि अगर वेंस मैदान में उतरते हैं, तो वह सबसे पहले उन्हें सपोर्ट करेंगे।

इज़रायल में नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत, तिरंगे की रोशनी में नहाई संसद

तेल अवीव। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक इज़रायल यात्रा से पहले पूरा देश भारतीय रंगों और उत्साह में डूबा नजर आ रहा है। बुधवार से शुरू होने वाले इस दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के सम्मान में इज़रायली संसद नेसेट को भारतीय तिरंगे के केसरिया, सफ़ेद और हरे रंगों की आकर्षक रोशनी से रोशन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को लेकर इज़रायल में जबरदस्त उत्साह है, जहाँ वह न केवल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, बल्कि इज़रायली संसद को संबोधित भी करेंगे। इस गौरवपूर्ण अवसर पर नेसेट के स्पीकर आमिर ओहाना ने सोशल मीडिया के माध्यम से संसद भवन की तिरंगे वाली तस्वीर साझा की। उन्होंने गर्मजोशी के साथ लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए नेसेट को भारतीय ध्वज के रंगों में रंगा गया है। स्वागत की यह भव्यता केवल सरकारी इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इज़रायल के प्रतिष्ठित मीडिया जगत में भी इसकी गूंज है। इज़रायल के प्रमुख समाचार पत्र ने अपने मुख्य पृष्ठ पर नमस्ते मोदी शीर्षक के साथ एक विस्तृत विशेष कवरेज प्रकाशित की है, जो दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ होते सांस्कृतिक और कूटनीतिक संबंधों को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 9 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इज़रायल की धरती पर कदम रख रहे हैं।

मोटापे के कारण प्यार में मिला धोखा तो युवती ने घटाया 39 किलो वजन

लंदन

मोटापे के कारण प्यार में मिले धोखे के बाद फिटनेस इंफ्लूएंसर शेरोन रोड्रिग्स ने खुद को नया रूप दिया। इसके बाद युवती ने 39 किलो वजन कम कर लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने न तो महंगा जिम जाइन किया और न ही किसी कड़े क्रैश डाइट का सहारा लिया। वह घर के साधारण खाने और कुछ बेसिक नियमों के सहारे फैट से फिट हुईं। शेरोन बताती हैं कि बढ़ते वजन और गलत खानपान से वह लंबे समय से परेशान थीं, लेकिन धोखे ने उनमें बदलाव की ताकत भर दी। उन्होंने वेट लास के लिए कोई जटिल प्लान नहीं अपनाया बल्कि सिर्फ पांच आसान गोल्डन रूल्स को फालो किया खाना बनाना आसान और स्वादिष्ट हो, हर मील में हाई प्रोटीन हो, भूख लगने पर ही खाएं, हमेशा हेल्दी स्नैक्स पास रखें और मील को पहले से प्लान करें ताकि गलती की गुंजाइश न रहे।

इन नियमों ने उन्हें लंबे समय तक कंसिस्टेंट रहने में मदद की। शेरोन की दिनचर्या भी बेहद संतुलित रही। वह सुबह की शुरुआत हल्की और हेल्दी चीज़ों से करती हैं। वह सबसे पहले हर्बल टी पीती हैं, जिसमें शहद, नींबू, अदरक, दालचीनी और गर्म पानी शामिल होता है। वर्कआउट से पहले प्री-वर्कआउट ड्रिंक और एक्सरसाइज के

बाद व्हे प्रोटीन शेक उनकी दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे उन्हें 24 से 25 ग्राम प्रोटीन मिलता है। दिनभर वह बिना चीनी वाली दो काफी भी पीती हैं।

इंटरमिटेंट फास्टिंग अपनाने वाली शेरोन दोपहर 12 बजे से पहले अपनी पहली मील नहीं लेतीं। उनका पसंदीदा नाश्ता ओवरनाइट प्रोटीन ओट्स है, जिसमें 40 ग्राम ओट्स, 150 ग्राम हाई-प्रोटीन योगर्ट, 80 ग्राम ब्लूबेरी और चिया-फ्लैक्स सीड्स शामिल होते हैं। लगभग 350 कैलोरी का यह मील उन्हें 4-5 घंटे तक भूख नहीं लगने देता।

दिल की धकड़न रुक जाने के बाद भी इंसान का दिमाग जिंदा रहता..... अमेरिकी शोधकर्ताओं का दावा

न्यूयार्क

सोचिए.....जब आपका दिल धड़कना बंद कर देता है। डाक्टर सीपीआर रोक देते हैं। इसके बाद इंसार को डेथ घोषित कर दिया जाता है, लेकिन आपका दिमाग अब भी जिंदा है, और आपको सब कुछ सुनाई दे रहा है। मौत आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य बनी हुई है। इंसान के साथ मौत के बाद क्या होता है और आखिरी क्षणों में उसका अनुभव कैसा होता है। इस पर बहुत कुछ कहा जा चुका है। इन विषयों पर कई रिसर्च भी हो चुके हैं, लेकिन हाल ही में आई एक नई रिसर्च ने सभी को चौंका दिया है।

इस नई रिसर्च में दावा किया गया है कि इंसान की मौत के बाद भी उसका दिमाग कुछ समय तक सक्रिय रहता है और वह अपने आसपास की आवाजें सुन सकता है। न्यूयार्क में एक डाक्टर ने ऐसा खुलासा किया है जिसने मौत की परिभाषा को बदल दिया है। दिल की धड़कन रुक जाने के बाद भी इंसानी दिमाग सक्रिय रहता है, और कई बार मरीज डाक्टरों द्वारा अपनी मौत की घोषणा तक सुन लेते हैं। यह दावा एक भयावह लेकिन महत्वपूर्ण स्टडी में किया गया है। इस स्टडी का नेतृत्व न्यूयार्क के डाक्टर ने किया।

उन्होंने उन मरीजों से बात की जिन्हें डाक्टरी भाषा में मृत घोषित कर दिया गया था। यानी जिनका दिल धड़कना बंद हो चुका था, लेकिन बाद में वे दोबारा जिंदा हो गए। चौंकाने वाली बात थी कि कई मरीजों ने अपने कमरे में हो रही घटनाओं को सटीक रूप से याद किया। शोधकर्ता डाक्टर के अनुसार, इन मरीजों की याददाश्त इतनी स्पष्ट इसलिए थी क्योंकि दिल रुकने के बाद भी लगभग एक घंटे तक दिमाग में सामान्य और करीब सामान्य ब्रेन गतिविधि मिली। उन्होंने बताया कि ये अनुभव न सपने जैसे होते हैं। इस शोध में अमेरिका और ब्रिटेन के 25 अस्पतालों में कार्डियक अरेस्ट से बचे 53 मरीजों की दिमागी गतिविधि और जागरूकता का अध्ययन किया। जिसमें पाया गया कि 40 फीसदी मरीजों ने यादें या सचेत विचार होने की बात कही।

शोधकर्ता के अनुसार, मौत के दौरान कई लोगों को लगता है कि वे अपने शरीर से अलग हो चुके हैं और कमरे में घूमकर चीजें देख-पहचान रहे हैं। इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम (ईईजी) से पता चला कि मरीजों में दिल रुकने के 35 से 60 मिनट बाद तक कई ब्रेन वेव्स मौजूद थीं, जो सोचने और जागरूकता से जुड़ी होती हैं। यह बताता है कि दिमाग दिल रुकने के बाद भी पूरी तरह बंद नहीं होता, बल्कि कभी-कभी उच्च स्तरीय गतिविधि दिखाता है, मानो कोई बंद कंप्यूटर अचानक रीबूट हो रहा हो। शोधकर्ता डाक्टर ने बताया कि पहले यह माना जाता था कि दिल रुकने के 10 मिनट बाद दिमाग स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो जाता है।

भीख मांगना गंभीर सामाजिक समस्या: न्यायमूर्ति सारंगी

नयी दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी ने भीख मांगने की प्रथा को समाप्त करने की वकालत करते हुए कहा कि यह एक सामाजिक बुराई है और देश में यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है।

न्यायमूर्ति सारंगी ने 'भिक्षावृत्ति पर पुनर्विचार: नीति, व्यवहार और गरिमा के बीच की खाई को पाटना' विषय पर हाइब्रिड मोड में खुली चर्चा की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भीख मांगना एक सामाजिक बुराई है और देश में यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत में भी भीख मांगने की समस्या का बने रहना एक गहरी संरचनात्मक और सामाजिक चुनौती को दर्शाता है, जिस पर तत्काल और निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने भीख मांगने को केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि एक सामाजिक बीमारी बताया जो समाज के कमजोर वर्गों की गरिमा और संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करती है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता के अधिकार का संवैधानिक वादा सभी नागरिकों के लिए सार्थक रूप से पूरा किया जाना चाहिए, जिसमें भीख मांगने वाले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित, संरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि कई राज्यों ने भीख मांगने की समस्या से निपटने के लिए कानून बनाए हैं। हालांकि, केवल कानूनी प्रावधानों का होना ही पर्याप्त नहीं है।

न्यायमूर्ति सारंगी ने कहा कि यह जांच करना आवश्यक है कि भीख मांगने में संलग्न गरीब, अशिक्षित बच्चों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के संरक्षण और पुनर्वास से संबंधित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सलाह (2024) और भारत सरकार की स्माइल-बी योजना (आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर रहने वाले लोगों को सहायता) के इच्छित उद्देश्यों से सार्थक परिवर्तन हुआ है या नहीं। उन्होंने इन उपायों की प्रगति की समीक्षा करने और कार्यान्वयन में कमियों की पहचान करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति को कम करने और अंततः समाप्त करने के लिए समानता, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के संवैधानिक मूल्यों पर आधारित अधिकार-आधारित और पुनर्वास-उन्मुख रणनीति की जरूरत है।

एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी ने भीख मांगने के संदर्भ में महिलाओं, बच्चों और श्रम से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए स्पष्ट समयसीमा

और जवाबदेही तंत्र के साथ एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की तत्काल जरूरत पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय पोर्टल विकसित करने और व्यापक डेटा सर्वेक्षण करने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विश्वसनीय डेटा के बिना प्रभावी नीति निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने भीख माफियाओं और मानव तस्करी नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया। साथ ही, इस बात पर जोर दिया कि अल्पकालिक, अस्थायी उपायों के बजाय दीर्घकालिक पुनर्वास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आयोग के महासचिव भरत लाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने सुदृढ़ कानूनी ढांचे और संवैधानिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, जो सभी नागरिकों के सम्मान और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी अधिकारी अकेले इस उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकते और उन्हें गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर काम करना होगा।

श्री लाल ने इस मुद्दे को एक अभियान के रूप में उठाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि समावेशी भारत में किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों से सरकारी कार्यालयों में आने की अपेक्षा करने के बजाय, आधार कार्ड जारी करने के लिए स्वयं पहल करनी चाहिए। उन्होंने भीख मांगने वाले लोगों की पहचान करने और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और उन पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार योगिता स्वरूप ने भीख मांगने वाले लोगों से संबंधित 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर प्रकाश डाला और उनके पुनर्वास, शिक्षा एवं कौशल विकास के उद्देश्य से शुरू की गई प्रमुख पहलों, जिनमें स्माइल योजना भी शामिल है, की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सभा को भीख मांगने से संबंधित मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन के बारे में जानकारी दी और गरिमा एवं सतत पुनर्एकीकरण पर केंद्रित ''भीख मुक्त भारत'' के दृष्टिकोण को दोहराया।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के उप महानिदेशक शैलेंद्र सिंह ने जरूरतमंद लोगों, विशेषकर बच्चों और दिव्यांगजनों को आधार कार्ड उपलब्ध कराने के लिए यूआईडीएआई की पहलों पर प्रकाश डाला, जिससे वे सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

उन्होंने नामांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के परामर्श से जारी की गई दो मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। उन्होंने आश्रय गृहों में यूआईडीएआई के आयोजित जागरूकता शिविरों के साथ-साथ इन प्रक्रियाओं के व्यापक प्रसार की जरूरत पर बल दिया।

मुख्यमंत्री योगी के जापान दौरे के पहले दिन करीब 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश को लेकर हुआ एमओयू

टोक्यो/लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश सरकार ने जापानी और सहयोगी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों से राज्य में औद्योगिक विकास, विनिर्माण क्षमता और रोजगार सृजन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

जिन प्रमुख कंपनियों के साथ करार हुआ है, उनमें कुबोता कॉरपोरेशन, मिंडा कॉरपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री (जेएई), नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओ एंड ओ ग्रुप, फूजी जापानीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। ये समझौते कृषि मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, जल एवं पर्यावरण समाधान, औद्योगिक प्रिंटिंग, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं।

कुबोता कॉरपोरेशन, जो कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान रखती है, उत्तर प्रदेश में विनिर्माण और कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में निवेश करेगी। वहीं मिंडा कॉरपोरेशन और जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के साथ सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड भी एडवांस्ड मैटेरियल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर काम करेगी।

इसके अलावा, सीको एडवांस औद्योगिक प्रिंटिंग और कोटिंग समाधान क्षेत्र में अपनी गतिविधियों का विस्तार करेगी, जबकि ओ एंड ओ ग्रुप ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। इन निवेश समझौतों से उत्तर प्रदेश को वैश्विक विनिर्माण और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के लगाये आरोप

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को यहां कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए उनके खिलाफ राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के आरोप लगाये।श्री नवीन ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि देश के इतिहास और वर्तमान राजनीति में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

दूसरी ओर श्री नवीन ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि भाजपा राष्ट्र प्रथम, पार्टी उसके बाद स्वयं को सबसे अंत में रखने के सिद्धांत पर आधारित है, जहां सिर्फ राष्ट्रहित सर्वोपरि है। जबकि कांग्रेस की राजनीति स्वयं को सबसे आगे, उसके बाद पार्टी और सबसे अंत में देश की सोच से संचालित रही है, जहां हमेशा से ही राष्ट्रहित से समझौता करते हुए व्यक्तिगत स्वार्थ को सर्वोपरि माना जाता रहा है। श्री नवीन ने पटना में कहा कि नेहरू-गांधी परिवार ने कई बार अपने हितों को देशहित से ऊपर रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 1954 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तिब्बत में भारत के अधिकार चीन को सौंप दिए थे।

श्री नवीन ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के चुनाव अभियान को लेकर अतीत में विदेशी फंडिंग (धन प्राप्ति) की बातें सामने आई थीं और उस दौर में भी राष्ट्रीय हित प्रभावित हुए। साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से जुड़े रक्षा सौदों को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि इन मुद्दों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ बयान देते हैं और विदेशी ताकतों के प्रभाव में राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी का आचरण विपक्ष की जिम्मेदार भूमिका के अनुरूप नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष ने 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय वास्तविक सत्ता संरचना पर भी प्रश्न उठे थे और राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से समानांतर व्यवस्था चलने की बात सामने आई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश के सामने अपने रुख को स्पष्ट करना चाहिए और ऐतिहासिक निर्णयों को लेकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इन मुद्दों को समझ रही है और आने वाले समय में राजनीतिक रूप से इसका असर दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि श्री नवीन का यह बयान कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों के बीच आया है और इसे दोनों दलों के बीच बढ़ते राजनीतिक टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस ने मोदी की इजरायल यात्रा की नैतिकता पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि गाज़ा की तबाही के लिए पूरी दुनिया इजरायल की आलोचना कर रही है और इस दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा को नैतिक नहीं कहा जा सकता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने श्री मोदी की इजरायल यात्रा पर बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पीड़ितों और निर्दोषों की पीड़ा पर भारत का नजरिया हमेशा संवेदनशील रहा है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि श्री मोदी प्रधानमंत्री इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समक्ष भी अपने परंपरागत भारतीय दृष्टिकोण को रखेंगे।

श्रीमती वाड्रा ने कहा मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जी इज़रायल की अपनी यात्रा के दौरान संसद को संबोधित करते हुए गाज़ा में हज़ारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार का ज़िक्र करेंगे और उनके लिए न्याय की मांग करेंगे। भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने पूरे इतिहास में सत्य का साथ दिया है, हमें दुनिया को सत्य, शांति और न्याय का प्रकाश दिखाते रहना चाहिए।

श्री रमेश ने प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा पर सवाल उठाते हुए लिखा भारत का फलस्तीन के प्रति ऐतिहासिक और नैतिक नज़रिया रहा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने फलस्तीन के साथ भारत ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू 20 मई 1960 को गाज़ा गए थे और वहां संयुक्तराष्ट्र आपातकालीन बल में तैनात भारतीय दल से मिले थे। फिर 29 नवंबर 1981 को भारत ने फलस्तीन के समर्थन में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया था जबकि 18 नवंबर 1988 को भारत ने औपचारिक रूप से फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता दी थी।''

श्री रमेश ने कहा वह एक अलग दौर था। अब ऐसे समय में जब गाज़ा में हालात को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है श्री मोदी का उनके 'प्रिय मित्र' इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ' निकटता प्रदर्शित करना नैतिक दृष्टि से सवाल खड़े करता है।

महाराष्ट्र सरकार ने अजित पवार के विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की

नयी दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र सरकार ने पिछले महीने एक विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करते हुए औपचारिक रूप से गृह मंत्री अमित शाह से संपर्क किया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा कि महायुति सरकार इस मामले में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इस दुखद घटना के संबंध में किसी भी सवाल का जवाब न छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि भाजपा और राकांपा के एक सहयोगी दल की ओर से सीबीआई जांच की मांग वाला पत्र प्राप्त हुआ था, जिस पर बाद में केंद्रीय गृह मंत्री के साथ चर्चा की गयी। इन चर्चाओं के बाद केंद्र

सरकार से इस मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया गया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजी-सीए) और राज्य सीआईडी की वर्तमान जांच के अलावा, अब विमान दुर्घटना की परिस्थितियों की गहन जांच के लिए एक सीबीआई जांच शुरू होने की संभावना है।

उच्चतम न्यायालय ने फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के खिलाफ याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने यादव जी की लव स्टोरी फिल्म पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका बुधवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि फिल्म का नाम यादव समुदाय की नकारात्मक छवि पेश नहीं करता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना एवं उज्जल भुयान की पीठ ने कहा कि फिल्म के नाम में कोई ऐसा विशेषण या शब्द नहीं था जिससे समुदाय की छवि धूमिल हो। यह याचिका अधिवक्ता आफ़ताब अली ख़ान के ज़रिए दायर की गयी थी।

शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिये तकनीक के उपयोग की दिशा में एआई एक परिवर्तनकारी कदम: प्रधान

नयी दिल्ली,25 फरवरी (एजेंसियां)।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने देश में शिक्षा परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट दिशा दी है और सरकार का ध्यान हर कदम पर शिक्षकों को सहयोग देने पर केंद्रित है। शिक्षकों को मौजूदा समय में गुणवत्तापूर्ण संसाधनों की आवश्यकता है जो प्रत्येक कक्षा स्तर पर प्रत्येक विद्यार्थी की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

श्री प्रधान ने मंगलवार को यहां भारती एयरटेल फाउंडेशन और वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था, सीके-12 फाउंडेशन, के एक साझेदारी कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज एआई अब विलासिता नहीं रहा, यह एक आवश्यकता है। यह पहल हमारे शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए तकनीक के उपयोग की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। वर्ष 2024 में 'द टीचर ऐप 'के लॉन्च का हिस्सा रहने के बाद अब इसका यह अगला चरण देखना प्रेरणादायक है, जो देश के स्कूलों में कक्षाओं में एआई के एकीकरण में सहयोग कर रहा है। देश की शिक्षा व्यवस्था में एआई को तेज गति से अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारती एयरटेल फाउंडेशन ने वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था, सीके-12 फाउंडेशन, के साथ साझेदारी की है ताकि के-12 के सभी शिक्षकों के लिए 45 से अधिक एआई-सक्षम शिक्षण साधनों को द टीचर ऐप में एकीकृत किया जा सके।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में लॉन्च के बाद मात्र 15 महीनों में 'द टीचर ऐप' ने दो लाख से अधिक शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री और शिक्षण अनुभवों से जोड़ा है, जो इस मांग को मजबूती से दर्शाता है। इसका नया एआई-सक्षम संस्करण शिक्षण प्रक्रिया में सीधे एक सहायक के तौर पर मदद करता है, जो रियल टाइम, कक्षा के अनुसार सहयोग प्रदान करता है और सभी कक्षाओं तथा सभी विषयों के लिए

जरूरी कंटेंट तक सहज पहुंच सुनिश्चित करता है।

इस साझेदारी पर भारती एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष और भारती एयरटेल फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष राकेश भारती मित्तल, ने कहा, ''शिक्षक भारत के भविष्य के निर्माता हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने उन्हें उचित रूप से हमारे राष्ट्र के शैक्षिक परिवर्तन के केंद्र में रखा है। आज सीके-12 के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हम शिक्षकों के संसाधनों का दायरा बढ़ा रहे हैं। हम इंटेलिजेंट क्लासरूम के संसाधनों को जोड़ रहे हैं, ताकि शिक्षक तैयारी में कम समय लगाएं और युवा विद्यार्थियों को प्रेरित करने में अधिक समय दे सकें। ऐसे समय में जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है, यह पहल दर्शाती है कि सुविचारित ढंग से एकीकृत एआई किस प्रकार शिक्षकों की हर शिक्षार्थी तक पहुंचने की क्षमता को सशक्त बना सकता है और देश के भविष्य-उन्मुख शिक्षा के लक्ष्य को आगे बढ़ा सकती है।'' शिक्षक प्रशिक्षण में एआई के महत्व को रेखांकित करते हुए सीके-12 की सह-संस्थापक और कार्यकारी निदेशक नीरू खोसला ने कहा कि शिक्षा में एआई अब वैकल्पिक नहीं रहा। आज शिक्षकों को ऐसे समझदार संसाधनों की जरूरत है जो बदलती कक्षा परिस्थितियों के अनुसार काम करें। यह साझेदारी हमें द टीचर ऐप के व्यापक स्तर को सीके-12 के प्रौद्योगिकी क्षमता के साथ जोड़ने का अवसर देती है, ताकि प्रत्येक शिक्षक को सार्थक और भविष्य के लिए तैयार सहयोग प्रदान किया जा सके।

तांत्रिक लुक में अक्षय कुमार, भूत बंगला ने बढ़ाया हॉरर-कॉमेडी का रोमांच

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' की घोषणा के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस हॉरर-कॉमेडी के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हिट जोड़ी करीब 16 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ लौट रही है। इससे पहले दोनों ने 'हेरा फेरी' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों में साथ काम किया था, जिन्हें आज भी पसंद किया जाता है। ऐसे में 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म की रिलीज डेट पहले ही घोषित की जा चुकी है, लेकिन अब अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया मोशन पोस्टर साझा किया है। इस मोशन पोस्टर में अक्षय कुमार का अंदाज बिल्कुल अलग और डरावना नजर आ रहा है। पोस्टर में वह एक खौफनाक सिंहासन पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस सिंहासन को खास तौर पर डरावना बनाने के लिए उस पर भूतों के सिर जैसी आकृतियां बनाई गई हैं। इस पर बैठे अक्षय ने आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है और गले के साथ-साथ हाथों में कई रुद्राक्ष और अन्य मालाएं पहनी हुई हैं। एक हाथ में वह माला जपते दिखाई देते हैं, जिससे उनका लुक किसी तांत्रिक जैसा लगता है। उन्होंने धोती पहनी हुई है।

बैकग्राउंड में हल्का अंधेरा और धुंधला माहौल है, जो इस सस्पेंस को बनाए रख रहा है।

इस पोस्टर को साझा करते हुए अक्षय कुमार ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, जिसने फैंस की जिज्ञासा को बढ़ा दिया है। कैप्शन में लिखा गया है, दस को देंगे दस्तक, इंतजार करो तब तक। मस्ती शुरू होने दो। 'भूत बंगला' फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

मोशन पोस्टर के सामने आते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में उत्साह जताना शुरू कर दिया। फैंस ने अक्षय और प्रियदर्शन की वापसी को लेकर खुशी जाहिर की।

एक फैन ने कमेंट में लिखा, ''यानी अब मुझे 'भूल भुलैया' जैसी कॉमेडी फिल्म फिर से देखने को मिलेगी।''

वहीं, दूसरे फैन ने लिखा, ''मैं रिलीज डेट को लेकर काउंटडाउन शुरू कर रहा हूं।''

अन्य फैंस ने अक्षय के इस नए लुक को 'खतरनाक' और 'एकदम अलग' बताया।

1,500 रुपए लेकर गजल सिंगर बनने मुंबई आए थे डैनी
लेकिन बन गए बॉलीवुड के सबसे खतरनाक विलेन

बॉलीवुड की दुनिया में कई सितारे ऐसे हैं, जिनकी किस्मत ने उन्हें उन राहों पर पहुंचाया, जिनके बारे में उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था। ऐसा ही कुछ हुआ अभिनेता डैनी डेन्जोंगपा के साथ। डैनी जेब में 1,500 रुपए लेकर मुंबई गजल सिंगर बनने के इरादे से आए थे, लेकिन उनकी किस्मत में कुछ और ही लिखा था। करियर में उनके ऐसा मोड़ आया कि वह बॉलीवुड के सबसे खतरनाक विलेन में से एक बन गए। डैनी का जन्म 25 फरवरी 1948 को सिक्किम के गंगटोक शहर में हुआ था। उनका असली नाम शेरिंग फिनसो था। बचपन से ही उन्हें संगीत और कला में रुचि थी। पढ़ाई-लिखाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग सीखने के लिए एफटीआईआई में दाखिला लिया और कोर्स पूरा करने के बाद मुंबई का रुख किया। मुंबई में डैनी के शुरुआती दिन आसान नहीं थे। उनके पास केवल 1,500 रुपए थे। वे गजल सिंगर के तौर पर लोकप्रियता हासिल करना चाहते थे, लेकिन फिल्मों की दुनिया में किस्मत ने उन्हें विलन का रोल दे दिया। शुरुआती दिनों में उन्हें फिल्मों के स्टूडियो और डायरेक्टर के घरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। एक बार जब वे डायरेक्टर मोहन कुमार के बंगले पहुंचे, तो उन्हें गार्ड की नौकरी ऑफर की गई। यह बात उन्हें बेहद बुरी लगी। उन्होंने ठान लिया कि एक दिन वे इतने बड़े स्टार बनेंगे कि उस डायरेक्टर के बंगले के पास उनका भी बंगला होगा, और सचमुच ऐसा हुआ।

डैनी ने अपना बॉलीवुड करियर 1971 में आई फिल्म 'मेरे अपने' से शुरू किया। इस फिल्म में उन्होंने पॉजिटिव रोल निभाया। लेकिन, उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने 1973 की फिल्म 'धुंध' में नेगेटिव कैरेक्टर निभाया। उनके विलेन रोल इतने दमदार थे कि वे दर्शकों के दिल में डर पैदा कर देते थे। इसके बाद उन्होंने कांचा चीना, बख्तावर, खुदा बख्श और कई यादगार किरदार निभाए, जो आज भी दर्शकों की यादों में ताजा हैं।

डैनी के करियर में सबसे दिलचस्प बात यह थी कि उन्हें 1975 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया, क्योंकि उनके पास डेट्स की कमी थी।

डैनी ने केवल हिंदी फिल्मों में ही नहीं बल्कि नेपाली, तमिल, तेलुगु और हॉलीवुड में भी काम किया। 2003 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'सेवन ईयर्स इन तिब्बत' में ब्रैड पिट के साथ अभिनय किया और दर्शकों से खूब सराहना पाई।

डैनी डेन्जोंगपा ने अपने अभिनय के लिए साल 2003 में भारत सरकार से पद्मश्री अवॉर्ड भी हासिल किया। उनकी पत्नी सिक्किम की राजकुमारी गावा डेन्जोंगपा हैं, जिनसे उन्होंने 1990 में शादी की।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।'' संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है।

संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। संदीपा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म में मेरे सीन कम थे और मेरा नैना का किरदार बेहद गहराई वाला था। सीमित सीन्स में किसी किरदार की पूरी मानसिक स्थिति दिखाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। नैना बाहर से एकदम परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से वह अकेली, उलझी और टूटी हुई है। इस दोहरेपन को पर्दे पर उतारना मेरे लिए किसी परीक्षा की तरह था।'' उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म में ब्रेकडाउन सीन मेरे लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि इसमें सिर्फ मैं ही थी और पूरा भावनात्मक बोझ मुझ पर ही था। मैं ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए हर टेक में असली इमोशन्स लाना शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। गर्मी में मुंबई की पीक समर के दौरान शूटिंग करना भी मुश्किलें बढ़ाता है, लेकिन जब पूरी टीम का साथ मिलता है, तो मुश्किलें भी यादगार बन जाती हैं।''

रियलिटी शो द 50 से बाहर आने के बाद मोनालिसा का दिखा ग्लैमरस अंदाज

भोजपुरी सिनेमा और हिंदी टीवी सीरियल्स की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा आज के समय में एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के अलावा शानदार डांस मूव्स के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने 125 से अधिक भोजपुरी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु मूवी में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। मोनालिसा हाल ही में देश के एक नए और यूनिक रियलिटी शो 'द 50' से बाहर आई हैं, जिसमें उन्होंने पहली बार अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ एक प्रतियोगी के रूप में भाग लिया था। 'द 50' शो के पैलेस से बाहर आने के बाद मोनालिसा का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम से कुछ बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कीं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, डोपामाइन... बेहद जरूरी।

मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है, जिनका जन्म 21 नवंबर 1982 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था। अभिनेत्री ने 17 जनवरी, 2017 को देश के सबसे बड़े टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस' हाउस में विक्रांत सिंह राजपूत के साथ शादी की, जो कि खुद एक प्रसिद्ध भोजपुरी फिल्म अभिनेता हैं।

मोनालिसा ने 'बिग बॉस 10' और टीवी सीरियल 'नजर' में मोहना राठौड़ के रूप में बड़ी पहचान बनाई। 'नजर' में उनके डायन के किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया था। इसी के साथ भोजपुरी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मशहूर हस्ती बना दिया।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड व स्टाइलिश तस्वीरों के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस भोजपुरी इंडस्ट्री की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनका नाम सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस में शामिल है। वहीं, मोनालिसा की भोजपुरी जर्नी की बात करें, तो उन्होंने इंडस्ट्री के सबसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जिनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी और निरहुआ जैसे सितारों के नाम शुमार हैं।

तारा सुतारिया ने खरीदा सपनों का आशियाना

अभिनेत्री तारा सुतारिया अपने काम से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों का हिस्सा रहती हैं। उन्होंने हाल ही में नया घर ले लिया है। सोमवार को अभिनेत्री ने इसकी कुछ झलक अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। तस्वीरों में वे अपने आलिशान घर में बैठी और शानदार अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने अपने घर के रंग से मैच करते हुए साड़ी पहन रखी है। अभिनेत्री ने लिखा, नई शुरुआत के नामअपने पहले घर में ढेर सारी हंसी और प्यार के साथ और साल 2026 का खुले दिल और बाहों के साथ स्वागत करते हुए। अभिनेत्री का पोस्ट सभी को पसंद आ रहा है। उनके फैंस और दोस्त कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कृष्णा श्रॉफ ने लिखा, ब्यूटिफुल।

अभिनेत्री का करियर काफी शानदार रहा है। भले ही तारा कम फिल्मों में नजर आई हैं, लेकिन वह अपनी मौजूदगी से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ती हैं। तारा अभिनेत्री होने के साथ कमाल की गायिका भी हैं। उन्होंने अपना करियर गायिकी से ही शुरू किया था। सबसे पहले वे एक टीवी शो में गायिकी के लिए नजर आई थीं और फिर 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' व 'ओए जस्सी' में अभिनय किया। फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के जरिए तारा ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसके लिए फिल्मफेयर ने उन्हें बेस्ट डेब्यूडेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। अभिनेत्री जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आई थी। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

इसी दिन रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' भी रिलीज होगी। दोनों फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म को अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में शूट किया गया है, लेकिन वैश्विक स्तर पर फिल्म को रिलीज करने के लिए हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब किया जाएगा।

कल आमलकी एकादशी

कल यानी 27 फरवरी को फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे आमलकी यानी आंवला एकादशी कहते हैं। फाल्गुन महीने में आने के कारण ये हिंदी कैलेंडर की आखिरी एकादशी होती है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा के साथ ही आंवले का दान करने का भी विधान है। जिससे कई यज्ञों का फल मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी का प्रारंभ 27 फरवरी 2026 को तड़के 12:33 से होगा। तिथि का समापन 27 फरवरी 2026 की रात 10:32 पर होगा। इसलिए आमलकी एकादशी 27 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु के साथ आंवले के पेड़ को भी खासतौर पूजा जाएगा। तभी ये एकादशी व्रत पूरा माना जाता है, क्योंकि आंवले के पेड़ को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। इस दिन आंवला खाने से बीमारियां खत्म होती हैं। एकादशी पर किए गए व्रत-उपवास और पूजन से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। ये व्रत भगवान विष्णु के लिए किया जाता है। आमलकी एकादशी पर विष्णु जी के साथ आंवले की और माता अन्नपूर्णा की पूजा करने की परंपरा है।

आमलकी एकादशी की शाम तुलसी के पास दीपक अनिवार्य रूप से जलाना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करते रहें। श्रीकृष्ण का अभिषेक करें और कृं कृष्णाय नम: मंत्र का जप करें। श्रीकृष्ण के साथ गौ माता की भी पूजा जरूर करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए दान-पुण्य करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री का सामान जैसे कुमकुम, चंदन, मिठाई, तेल-घी, हार-फूल, भगवान के वस्त्र आदि का दान करें। आमलकी एकादशी पर खाने में आंवले का सेवन जरूर करें। आंवले का रस भी पी सकते हैं। आंवले का दान भी करें। माता अन्न-पूर्णा अन्न की देवी है। इस तिथि पर देवी की पूजा करें और जरूरतमंद लोगों अन्न का दान करें।

शुभ योग

आमलकी एकादशी पर काफी शुभ योग बन रहे हैं। आमलकी एकादशी के दिन सर्वार्थ सिद्धि, रवि, आयुष्मान और सौभाग्य योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 6:48 से 11:08 तक रहेगा।

रंगभरी और आमलकी एकादशी

होली से चार दिन पहले आने से इसे रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन से बनारस में बाबा विश्वनाथ को होली खेलकर इस पर्व की शुरुआत की जाती है। ब्रह्मांड पुराण के मुताबिक इस दिन आंवले के पेड़ और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। इस दिन शुभ ग्रह योगों के प्रभाव से व्रत और पूजा का पुण्य और बढ़ जाएगा।

मिलता है यज्ञों का पुण्य

पद्म और विष्णु धर्मोत्तर पुराण का कहना है कि आंवले का वृक्ष भगवान विष्णु को बहुत प्रिय होता है। इस पेड़ में भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी निवास होता है। इस वजह से आमलकी एकादशी के दिन आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन आंवले के पेड़ को पूजन और आंवले का दान करने से समस्त यज्ञों और 1 हजार गायों के दान के बराबर फल मिलता है। आमलकी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को मोक्ष मिल जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

तिल, गंगाजल और आंवले से नहाने की परंपरा

इस एकादशी पर सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल की सात बूंद, एक चुटकी तिल और एक आंवला डालकर उस जल से नहाना चाहिए। इसे पवित्र या तीर्थ स्नान कहा जाता है। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इसके बाद दिनभर व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करना चाहिए। इससे एकादशी व्रत का पूरा पुण्य फल मिलता है।

सूर्यास्त के बाद जलाएं दीपक

विष्णु जी की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी के पत्तों के बिना विष्णु जी भोग स्वीकार नहीं करते हैं, इसलिए भोग के साथ ही तुलसी जरूर रखी जाती है। एकादशी विष्णु जी की तिथि है, लेकिन इस दिन विष्णु प्रिया तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श न करें। दीपक जलाकर दूर से ही परिक्रमा करें।

पूजा विधि

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि सुबह उठकर भगवान विष्णु का ध्यान कर व्रत का संकल्प करें। संकल्प लेने के बाद स्नान से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। दीपक जलाकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। पूजा के बाद आंवले के पेड़ के नीचे नवरत्न युक्त कलश स्थापित करें। आंवले के वृक्ष का धूप, दीप, चंदन, रोली, फूल और अक्षत से पूजन कर किसी गरीब या ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए। अगले दिन स्नान कर स्नान कर पूजन के बाद कलश, वस्त्र और आंवला का दान करना चाहिए। इसके बाद भोजन ग्रहण कर व्रत खोलना चाहिए।

क्यों मां दुर्गा के वस्त्र हैं लाल और मां सरस्वती के वस्त्र सफेद?

सफेद वस्त्र धारण करने वाली देवी सरस्वती जी हैं। सरस्वती जी के सफेद वस्त्र धारण करने का रहस्य यही है कि पूर्ण ज्ञान बिल्कुल श्वेत होता है और जिस समय व्यक्ति के अन्दर प्रज्ञा बुद्धि उत्पन्न होती है तो बिना सफेद वस्त्र पहने प्रज्ञा को धारण करना असंभव हो जाता है। मां सरस्वती जी इसलिए श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। सफेद वस्त्र धारण करने का विधान उन सबके लिए है जो शुद्ध सात्विक हैं तथा जो विमल बुद्धि प्राप्त करना चाहते हैं और प्रज्ञा बुद्धि के इच्छुक हैं। मां सरस्वती गायन, वादन, अभिनय, नृत्य की अधिष्ठात्री हैं।

लाल वस्त्र मां दुर्गा धारण करती हैं और भी समस्त देवियां लाल, पीला, गुलाबी वस्त्र धारण करती हैं। मां लक्ष्मी भी लाल वस्त्र धारण कर ही भाग्यानुसार जातकों को लक्ष्मी प्रदान करती हैं। लाल रंग शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि देवी मां दुर्गा शक्ति की देवी हैं, इसलिए उनका वस्त्र भी उसी शक्ति का रंग दर्शाता है।

मां दुर्गा असुरों का संहार करती हैं, लाल रंग वीरता और रणशक्ति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में लाल रंग शुभता के साथ वीरता को दर्शाता है, शुभ कार्य जैसे, विवाह में, पूजा में, सिंदूर में लाल रंग का प्रयोग सर्वाधिक होता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार कल्याण की देवी दुर्गा को लाल रंग अतिप्रिय है, गुड़हल का लाल पुष्प चढ़ाने से देवी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। लाल गुलाब आदि भी देवी पर चढ़ाए जाते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि भगवे वस्त्र ऋषि-महर्षि, मुनि, संत-महात्मा धारण करते हैं, बिना भगवे वस्त्र धारण किए ये उपासना नहीं करते हैं।

रंगों का चयन उनकी प्रकृति के अनुसार करने पर साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए बुध ग्रह के दान में हरी वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है, बृहस्पति ग्रह के दान में पीली वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए, इसी प्रकार अलग-अलग रंग के वस्त्र एवं उनसे संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ग्रहों के बलाबल के अनुसार करने की परम्परा है।

कंदरिया महादेव मंदिर : 800 से ज्यादा मूर्तियां, बड़े पत्थरों को काटकर बनाया गया है खुजराहो का ये मंदिर

देश के हर हिस्से में महादेव को समर्पित बड़े और विशाल मंदिर हैं, जहां अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए भक्त लंबे समय से आते रहे हैं। शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के प्रति हर भक्त की आस्था बड़ी है, लेकिन खजुराहो में भगवान शिव का ऐसा मंदिर है जो कला और संस्कृति के साथ मनोकामना पूर्ति के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हम बात कर रहे हैं कंदरिया महादेव मंदिर की, जिसका हर पत्थर महादेव का गुणगान करता है। मध्य भारत के खजुराहो मंदिर स्थल पर बचे हुए मंदिरों में सबसे बड़े और सबसे ऊंचे मंदिरों में शामिल कंदरिया महादेव मंदिर न सिर्फ आस्था की दृष्टि से, बल्कि कला और संस्कृति के नजरिए से भी खास है। मंदिर के बड़े गर्भगृह में भगवान शिव की लिंग स्वरूप पूजा की जाती है। मंदिर पर हुए आक्रमणों की वजह से भी मंदिर इतिहास के पन्नों में दर्ज है, लेकिन सबसे खास है मंदिर को बनाने की 'इंटरलॉकिंग तकनीक'। 'इंटरलॉकिंग तकनीक' से तात्पर्य मंदिर की आर्किटेक्चर से है, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि मंदिर पर उकेरी गई हर प्रतिमा एक दूसरे में उलझी हुई है। यह पता लगाना मुश्किल है कि कौन सी प्रतिमा कहां से शुरू होती है और कहां खत्म।

मंदिर होने के बावजूद भी मंदिर की दीवारों पर खजुराहो की संस्कृति भी देखने को मिलती है। मंदिर की दीवारों से मंदिर के भीतर 800 से ज्यादा प्रतिमाएं पत्थरों पर बारीकी से उकेरी गई हैं, और यही मंदिर की सबसे अद्भुत बात है। मंदिर पर उकेरी गई प्रतिमाओं को इतनी बारीकी से उकेरा गया है कि साड़ी की सिलवटें, नाखून और आभूषणों की चमक को देखा जा सकता है। यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है।

खास बात ये है कि मंदिर का निर्माण बलुआ पत्थर की चट्टान से किया गया है और देखने पर ऐसा लगता है कि मंदिर के निर्माण में एक ही विशाल चट्टान का इस्तेमाल किया गया है। कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजा विद्याधर ने महमूद गजनवी को दूसरी बार हराने के बाद किया था और इसे उनकी जीत का प्रतीक माना गया।

मंदिर इतना बड़ा और इस तरीके से बनाया गया है कि जब सुबह सूरज की पहली किरण मंदिर पर पड़ती है, तो मंदिर सोने की तरह चमक उठता है और एक दिव्य और शक्तिशाली ऊर्जा शरीर में महसूस होती है।

जानें क्या ज्योतिष अंतिम सत्य है या केवल एक संकेत

शोधकर्ता ज्योतिषी ने भविष्यकथन के लिए आए जिज्ञासु जातक को बताया कि, 'भविष्यवाणी को ब्रह्म वाक्य समझकर अंतिम सत्य न मानें, भविष्यवाणी की सत्यता व्यक्ति विशेष के कर्म, सोच और प्रयत्न पर निर्भर करती है, ज्योतिषी मार्ग दिखाता है, मंज़िल नहीं देता।'ज्योतिष के प्रसिद्ध ग्रंथ बृहद् पाराशर होरा शास्त्र में महर्षि पाराशर ने स्पष्ट किया है कि ग्रह कर्मफल के द्योतक हैं, कर्म के निर्माता नहीं। अर्थात् ग्रह परिस्थिति का वातावरण बनाते हैं, परंतु मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा और पुरुषार्थ को समाप्त नहीं करते। यदि ज्योतिष अंतिम और अपरिवर्तनीय सत्य होता, तो प्रयास, साधना और सुधार की कोई आवश्यकता ही न रहती। वर्तमान कर्म भविष्य की दिशा बदल सकता है। ज्योतिष केवल यह बताता है कि पूर्वकर्मों की धारा किस ओर बह रही है, लेकिन वर्तमान पुरुषार्थ उस धारा को मोड़ भी सकता है।

विभिन्न वेबसाइट और समाचार-पत्रों में प्रकाशित राशिफल करोड़ों लोगों के लिए एक ही राशि के आधार पर लिखा जाता है। जबकि प्रत्येक व्यक्ति की जन्मकुंडली में लग्न, नक्षत्र, दशा, अंतर्दशा और गोचर की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसे में एक समान भविष्यवाणी को अंतिम सत्य मान लेना तार्किक नहीं कहा जा सकता।

वैदिक दर्शन दैव यानी भाग्य और पुरुषार्थ रूपी प्रयास, दोनों को एक समान महत्व देता है। दैव यानी भाग्य केवल शुभाशुभ परिस्थिति निर्मित करता है, विजय उचित दिशा में पुरुषार्थ करने से मिलती है, यदि ऐसा न होता तो अर्जुन को युद्ध करने की आवश्यकता ही न पड़ती। जब व्यक्ति साधना, मंत्र, दान, तप, संयम और विवेक का आश्रय लेता है, तब वह ग्रहों के दुष्प्रभाव को भी कम कर सकता है। यदि ज्योतिषीय फलादेश अंतिम सत्य होता, तो उपाय की परंपरा का अस्तित्व ही न रहता। इसे और अधिक समझने के लिए क्रियमाण कर्म, प्रारब्ध कर्म और संचित कर्म का भेद जानना आवश्यक है। इसलिए कहा जाता है कि ज्योतिषी दिशा दिखाता है, गंतव्य तक पहुंचाना मनुष्य के स्वयं के प्रयास पर निर्भर करता है। जन्म कुण्डली को जीवन का मानचित्र मानिए, ज्योतिषी आपको भविष्य की घटनाओं का संकेत देता है, जैसे मानचित्र दिखाकर रास्ता बताता है, लेकिन यात्रा हमें स्वयं करनी होती है।

घर में पेड़-पौधे लगाने और गार्डन के लिए महत्वपूर्ण वास्तु नियम

ज्योतिषशास्त्र की तरह ही वास्तुशास्त्र का भी बहुत अधिक महत्व होता है। मान्यता है कि घर अगर वास्तु अनुसार बना हो तो वहां हमेशा सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। वहीं, लोग अपने घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए पेड़-पौधे लगाते हैं और गार्डन बनवाते हैं। वास्तु के अनुसार, पेड़-पौधे लगाते समय या गार्डन बनवाते समय कुछ महत्वपूर्ण नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। गलत स्थान या गलत प्रकार से घर में प्लांट लगाने से इसके प्रतिकूल प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें की वास्तु अनुसार घर में गार्डन और पेड़-पौधे कैसे होने चाहिए।

घर में पौधे लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार पेड़-पौधे लगाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखें की आप उसे कब लगा रहे हैं। मान्यता है की घर में पेड़ पौधों को हमेशा शुभ नक्षत्र में ही लगाना चाहिए। पूर्णिमा तिथि के दिन पौधे लगाना सबसे शुभ माना जाता है।

पौधे गार्डन में लगाने से पहले इस बात का ख्याल रखें कि उसे पहले गमले की मिट्टी में लगाना चाहिए। इसके बाद, जब पौधा अच्छी तरह ग्रो हो जाए तो उसे गार्डन की मिट्टी में लगा देना चाहिए। इससे पौधे हरे-भरे और अच्छी तरह बढ़ते हैं।

वास्तु के अनुसार घर में एक तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि इसे हमेशा घर की उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगाना चाहिए। तुलसी के पौधे को घर के सामने लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि, कोई भी पेड़ घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने नहीं लगाना चाहिए। इससे अशुभ माना जाता है।

घर में बड़े पेड़ को सम संख्या में लगाना शुभ माना जाता है।

घर के पास पेड़ लगाने के वास्तु नियम

वास्तुशास्त्र के अनुसार, पेड़ को घर की दक्षिण या पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। बडे.साइज के पेड़ को इन दिशाओं में लगाना अच्छा माना जाता है। साथ ही, घर के एक कोने की बजाए दोनों ओर पेड़ लगाना चाहिए।

बड़े पेड़-पौधों को कभी भी उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इन दिशाओं को हल्का रखने की मान्यता होती है। यही कारण है की इस स्थान पर भारी पेड़ लगाना वर्जित माना गया है।

घर के बहुत पास या ठीक सामने पेड़ को लगाना अच्छा नहीं माना जाता है क्योंकि, इससे घर में पड़ने वाली धूप की रोशनी बाधित हो सकती है। साथ ही, पेड़ की छांव भी घर के ऊपर नहीं पड़नी चाहिए।

वास्तु के अनुसार, बड़े पेड़ों को घर के पास इसलिए भी नहीं लगाना चाहिए क्योंकि इसकी जड़ें घर की दीवारों और नींव को नुकसान पहुंचा सकती हैं। साथ ही, बड़े पेड़ों की जड़ें धूप की रोशनी को जल्दी अब्जॉर्ब कल लेती हैं। जिससे इसकी सकारात्मक किरणें घर तक नहीं पहुंच पाती हैं।

गार्डन से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

ईंट-पत्थर से बना गार्डन हमेशा घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए क्योंकि, इस स्थान को भारी माना गया है। ऐसे में दक्षिण पश्चिम दिशा में भारी सामान रखा जा सकता है।

गार्डन में पौधे लगाते समय इस बात का ख्याल रखें की कांटेदार पौधों को कभी भी घर में या उसके आसपास नहीं लगाना चाहिए। अपने गार्डन में भूलकर भी कैक्टस का पौधा नहीं लगाना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

वास्तु के अनुसार, गार्डन में नीम, नारियल, चंदन, नींबू, अनानास, बादाम, अनार, आम, आंवला, बेलपत्र आदि पौधे लगाना शुभ माना जाता है। इससे सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है।

घर के पास पीपल या बरगद का पेड़ नहीं होना चाहिए। इस प्रकार के पौधों का मंदिर या किसी पवित्र स्थान के पास होना अच्छा माना जाता है।

बेल वाले पौधों को घर की दीवारों के सहारे नहीं लगाना चाहिए। साथ ही, गार्डन में भी इन्हें लगाते समय किसी दीवार के सहारे रखने की बजाए पौधे के लिए अलग से कोई लकड़ी वहां लगाना चाहिए।

पेड़ हटाने से पहले जरूर करें ये काम

अगर घर या गार्डन में कोई ऐसा पेड़ या पौधा लगा है जिसे घर में रखना शुभ नहीं माना जाता है तो उसे वहां से हटा देना चाहिए। ऐसा माघ और भाद्रपद के महीने में करना सही माना जाता है। साथ ही, पेड़ को हटाने से पहले उसकी पूजा करके क्षमा मांगनी चाहिए की इस पेड़ को यहां से हटाना आवश्यक है और आप इसकी जगह दूसरा पेड़ अवश्य लगाएं। ऐसा तीन महीनों के अंदर करना चाहिए। पेड़ काटते समय ख्याल रखें कि वह उत्तर या पूर्व दिशा में गिरना चाहिए। इसका दक्षिण या पश्चिम दिशा में गिरना शुभ नहीं माना जाता है।

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडक़ू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अद्र्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं। बुनियादी और मौजू सवाल, 'प्रहार' की घोषणा के बावजूद, यह है कि आतंकवाद की परिभाषा क्या है? संयुक्त राष्ट्र भी आज तक यह परिभाषा स्पष्ट नहीं कर सका है। यदि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है, तो आतंकवाद की परिभाषा भी स्पष्टतः बतानी चाहिए, क्योंकि देश को एक निश्चित 'सुरक्षा सिद्धांत' की जरूरत है। परिभाषा के अभाव में 'प्रहार' महज एक नीतिगत वक्तव्य से अधिक कुछ नहीं लगता। सवाल राष्ट्रीय नीति और उसकी स्वीकार्यता का है। देशवासी जानना चाहेंगे कि आतंकवाद का खतरा बाहर और भीतर से कितना है और सरकारी एजेंसियां किस तरह इन खतरों से निपट रही हैं।

खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडक़ू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अद्र्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है।

कुछ अलग

जाकी रही वासना जैसी

हे मेरे ताजे ताजे अशुभचिंतको! किसी की टांग खींचने से जीव प्रतिभावान नहीं बनता। अगर तुममें भी ऑरिजिनल प्रतिभा है तो जब तुम्हारी रिटायरमेंट होने को आए, तो जरा महीने दो महीने की भी एक्सटेंशन लेकर बताना। तब पता लगेगा, एक्सटेंशन के लिए कितनी टेंशन लेनी पड़ती है। उस दिन तुम्हें एक्सटेंशन मिलने पर मैं असली फूलों की माला लेकर तुम्हारी प्रतिभा को सलाम करने नाक रगड़ता हुआ आऊंगा दुखी मन से हंसता हुआ नहीं, प्रफुल्लित मन से नाचता हुआ। मित्रो! इस नौकरी में कुछ और पता चला हो या न, पर मुझे इस बात का पता जरूर चल गया कि मुझे मेरी कार्यकुशलता को देख मुझे एक्सटेंशन मिलने पर कल तक जिन जिन सज्जनों को मैं सज्जन मानता रहा, वे सब दुर्जन अपनी दुर्जनता से नहीं, मुझे मिली एक्सटेंशनता से दुखी हैं। हे मुझ जैसी तमाम प्रतिभाओं से एक्सटेंशन मिलने पर कदम कदम जलने वाले तथाकथित भद्रपुरुषो! किसी प्रतिभावान को एक्सटेंशन मिलने पर टेंशन लेना छोड़ उनकी एक्सटेंशन पार्टी में जरा नाचकर देखो तो पगलो! देखना उस वक्त धधकते दिल पर कितने फूल खिलेंगे सर्दियों में भी । अजीब साइकॉलाजि है इस समाज की भी। इस समाज का सब कुछ समझ आया, पर सच कहूं, इस समाज की साइकॉलाजि मेरी समझ में कतई नहीं आई। हे मेरी एक्सटेंशन से जलने वालो! मेरा तो तुमको बस, यही कहना है कि जलो मत, रीस करो। मेरी एक्सटेंशन से सीख ले अपनी एक्सटेंशन का जुगाड़ करो, अपनी एक्सटेंशन की राह सुधार करो। हे मेरे विरोधियो! ऐसा वैसा कुछ नहीं जैसा तुम समझ रहे हो। तुम मानो या न, असल में उन्होंने मेरी प्रतिभा का सम्मान किया है। वे सबकी प्रतिभा का सम्मान करते हैं। बस, उन तक अपनी प्रतिभा पहुंचाना आना चाहिए। हे मुझसे जलने वालो! तुच्छ से तुच्छ कर्मचारी में भी कोई न कोई हिडेन प्रतिभा होती है। पर उसे उसका उसी तरह पता नहीं चलता जिस तरह कस्तूरी मृग को पता नहीं चलता कि कस्तूरी उसकी नाभि में है। पर वह उसे ढूंढने को दर-दर भटकता रहता है। मुझे पता है कि मेरे भीतर कस्तूरी है। मेरे भीतर की उसी कस्तूरी ने ऊपर तक सबको सुवासित आह्लादित किया है। हे मेरे मित्रो! मुझमें प्रतिभा थी तो मुझे एक्सटेंशन मिली। एक्सटेंशन उनको मिलती है जिनको काम हराम होता है। जो कर्मठ नहीं, शठ होते हैं। सॉरी! जिनको आराम हराम होता है। जो शठ नहीं, कर्मठ होते है। मैं आरामी नहीं, कामी आत्मा हूं। शठी नहीं, कर्मठी आत्मा हूं। कामी कर्मठी प्रतिभाओं का सब जगह सम्मान होता है।

ताज महोत्सव (18 से 27 फरवरी) पर विशेष

ताज की छाया में संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं।

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है। सन्‌1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की

विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है। यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं। कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं। भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है। इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं। आगरा स्वयं भी अपने आप में इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में 'अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर जी की 60वीं पुण्यतिथि पर

वीर सावरकर के एक विचार ने हैदराबाद आर्य सत्याग्रह को गांधी और कांग्रेस के अधीन होने से बचाया

स्वातंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर जी की 60वीं पुण्यतिथि पर उनके जीवन, विचार और राष्ट्र के प्रति उनके अद्वितीय योगदान को स्मरण करना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। वैसे तो वीर सावरकर को कौन नहीं जानता ? सभी राष्ट्रवादी उनके जीवन से परिचित हैं और उनके आदर्शों पर चलने का प्रयत्न करते रहते हैं। यहां पर उनके जीवन की कुछ अनकही, अनसुनी और लुप्त हुई बातों को पाठकों तक पहुंचाना इस लेख का उद्देश्य है।

हैदराबाद मुक्ति संग्राम में आर्यसमाज का कार्य और भूमिका अभूतपूर्व रही है। हम बात करते हैं 1937 से 1939 की निज़ाम शासन ने हैदराबाद में हिंदुओं के साथ हो रही इन ज्यादतियों को न देख पाकर आर्यसमाज ने आर्य सत्याग्रह आरम्भ कैसे करें, इस पर विचार करने लगे।

हैदराबाद के स्थानीय क्रांतिकारी नेतागण, आर्यसमाज के केंद्रीय संस्थान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा कोई भी निर्णय लेने में विलम्ब को देखते हुए बड़े चिंतित थे। इसी बीच पंडित गंगाराम जी ने अपने साथियों से मिलकर (अऑूरप वशषशपलश श्रशरसींश) आर्य रक्षा समिति का गठन किया। इस संगठन में उनके प्रमुख साथी गण रहे श्री राजपाल, प्रताप नारायण, ए. बालरेड्डी, सोहनलाल, विश्वनाथ आदि।

यहां पर यह बताना आवश्यक है की क्रांतिकारी नवयुवक गंगाराम जी पहले निजाम शासन के विरुद्ध सीरियल बम विस्फोट, जहर कांड और प्रताप सिंह बम कांड आदि में जेल के अंदर बाहर होते रहे। यहां की हिंदू प्रजा को जागरूक करने के लिए ऐसे कदम उठाते रहे और उनके साथियों में भी श्री ए बाल रेड्डी, प्रताप नारायण, हरीचंद, राजपाल, सोहनलाल, विश्वनाथ

आदि रहे। आर्यन डिफेंस लीग (आर्य रक्षा समिति) ने पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील जी के साथ मिलकर आर्य सत्याग्रह का कार्यक्रम सोचा। पंडित दत्तात्रेय जी ने सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के विलम्ब के कारण कहा भाई आप सोचते रहो, हम तो सत्याग्रह शुरू कर देते हैं। आर्य रक्षा समिति ने हैदराबाद निजाम रियासत के स्तर पर सत्याग्रह शुरू कर दिया। निजाम प्रांतीय समिति के नेतृत्व में लगभग 22 जत्थों ने सत्याग्रह किया। इन जत्थों का नेतृत्व करने वाले सर्वाधिकारी – अधिनायक – डिक्टेटरों के कुछ नाम इस प्रकार हैं। सर्वश्री देवीलाल आर्य (हैदराबाद), सी. नरहरि (हैदराबाद), दत्तात्रय प्रसाद जी वकील (गुलबर्गा), शेषराव वाघमारे (निलंगा), दिगंबरराव शिवनगीकर (लातूर), शंकरराव पटेल (अंधोरी), शंकरदेव कापसे (वडवल नागनाथ), निवर्त्ति रेड्डी (अहमदपुर), गणपतराव कथले (कलम), पंडित बंसीलाल जी व्यास (हैदराबाद), एडवोकेट दिगंबरराव लाठकर (नांदेड़), श्री राम चौधरी (मुखेड़) आदि। निजाम रियासत के लगभग 5000 सत्याग्रहियों ने सत्याग्रह में भाग लिया।

आर्यसमाज का काम जोर – शोर से होने लगा था, आर्य सत्याग्रह का नेतृत्व में निजाम सरकार रियासत के क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर स्वामी स्वतंत्रतानंद महाराज और भाई बंसीलाल जी कर रहे थे तो उसको पूर्ण समर्थन देने वाली सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा का नेतृत्व श्री घनश्याम सिंह गुप्त और श्री लाल देशबंधु गुप्त कर रहे थे, घनश्याम सिंह जी और देशबंधु जी कांग्रेस के भी जाने-माने नेता थे।

कांग्रेस सत्याग्रह का नेतृत्व (प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप में) स्वयं महात्मा गांधी जी कर रहे थे, उन्होंने इन दोनों कांग्रेसी नेताओं श्री घनश्याम सिंह गुप्त एवं लाला देशबंधु गुप्त को परामर्श दिया कि आर्यसमाज अपना अलग से सत्याग्रह न करके कांग्रेस के झंडे तले आंदोलन जारी रखे, वरना आर्यसमाज को निज़ाम सरकार सांप्रदायिक बताकर कमजोर कर देगी और देश भर में हिंदू – मुस्लिम दंगे करवा देगी, आर्यसमाज से अहिंसक सत्याग्रह हो भी नहीं सकेगा आदि।

गांधी जी की यह बात इन दोनों नेताओं को जंची और उन्होंने आर्य सम्मेलन की विषय निर्वाचन समिति में इसे रखा। समिति के सभी सदस्य इसे स्वीकार करने का निर्णय लेने ही वाले थे कि कुंवर चांदकरण शारदा जी ने कहा कि हमने कुछ प्रमुख नेताओं जैसे वीर सावरकर आदि को भी आमंत्रित किया है, उनकी राय भी मालूम करना चाहिए, तब वीर सावरकर जी से पूछा गया, उन्होंने कहा : मैं समझता था कि यहां बैठे ये बड़े लोग दयानन्द के भक्त हैं। दयानन्द के समान सत्य के पुजारी हैं, दयानन्द के समान सत्य की रक्षा करने के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार हैं। पर मुझे तो एक भी ऐसा नहीं दीख रहा है आदि यह बातें सुनकर सबके विचार बदले और एकमत में सर्व सम्मति से निर्णय हुआ कि आर्य सत्याग्रह सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अधीन चालू रहेगा।

संदर्भ ग्रंथ : 1. जीवन संग्राम – क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी, 2. मासिक परोपकारी जून 2007

लेखक : **भक्त राम**
प्रधान – पंडित गंगाराम स्मारक मंच

आप का नज़रिया

बोह वैली की ट्राऊट

करिश्मे आकाश से नहीं उतरते, धरती पर आकाश खोजने की मशक्कत हैं ये। हिमाचल में प्रगति की नुमाइश में सरकारी धन का अपव्यय कोहराम मचा रहा है, लेकिन कुछ परिंदे विकास का जहान बदल देते हैं। प्रदेश में कई ऐसे उदाहरण हैं जहां पंचायत के प्रधानों ने अगली सदियां खोज लीं। नागरिक समाज ने अपनी आर्थिक हैसियत बता दी। तरक्की का खजाना एक निरंतर प्रयास है, जो सोच की असीमित क्षमता से बाहर आता है। कुछ दशक पूर्व तक लोग बीड़-बिलिंग का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन हैंग ग्लाइडिंग से शुरू हुआ सफर, आज विश्व पैराग्लाइडिंग का भविष्य लिख पा रहा है, तो इसे सियासी चातुर्य का ठिकाना कहना होगा। भले ही किन्हीं और कारणों से सुधीर शर्मा के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द धुंध दिखाई दे, लेकिन बीड़-बिलिंग को आर्थिक सत्ता की मंजिल बनाने में उनके योगदान को सदियां नहीं भूलेंगी। विकास केवल पत्थर नहीं और न ही सीमेंट-सरिए का ढेर, बल्कि अगली सदी को यथार्थ के पटल पर उतारने की प्रतिज्ञा है। कई प्रगतिशील किसानों ने हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों के बंद कक्षों के बाहर मिसालें पेश की हैं, तो इसलिए कि जज्बा आने वाले वर्षों की खातिर नए प्रयोग कर रहा था। सिरमौर में अगर स्ट्रॉबेरी के गांव उभर आए, तो उन किसानों को नमन। नगरोटा सूरियां के क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट के बागीचे संवर गए, तो प्रगति के इस नवाचार को सलाम। इसी परिप्रेक्ष्य में उम्मीदों के सफर की नई कहानियां उन मंजिलों को तलाश रही हैं, जहां हमारे प्रतिनिधि अपने कार्य की विविधता में जनता को जीना सिखा रहे हैं। ताजा उदाहरण शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया के प्रयत्नों से साकार होता दिखाई दे रहा है। एक विधायक अगर ग्रामीण आर्थिकी के सफर पर नई कसौटियां तय कर रहा है, तो छोटे कदम भी मंजिलों को मजबूत करते हैं। विधायक ने धारकंडी क्षेत्र के पिछड़ेपन में आर्थिक किश्तियां चली दी हैं। बोह वैली की चर्चा अब 'ट्राऊट हब' के रूप में हो रही है, तो इसके पीछे केवल सिंह पठानिया का निजी अनुसंधान, योजनाओं के करीब अपने क्षेत्र का विकास और संभावना के फलक पर आर्थिक पिछड़ेपन को चुनौती देता एहसास रहा। ठंडे पानी और उचित वातावरण में झांकते हुए विधायक ने ट्राऊट फार्मिंग को प्रोत्साहित किया ताकि जनभागीदारी से एक ऐसा संकल्प उभरे कि क्षेत्र की पहचान बदल जाए। ईको फ्रेंडली माहौल में आधारभूत अधोसंरचना, ज्ञान व हस्तक्षेप से आज वहां हैचरी के मार्फत बीज उपलब्ध कराने का अभियान भी शुरू हो चुका है। करीब दो दर्जन तालाबों में ट्राऊट फार्मिंग ने नए सफर की बुलंदी दर्ज की है, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र अनुकरणीय उदाहरण बन कर कई अन्य क्षेत्रों को भी सींच सकता है। सबसे बड़ी बात है आर्थिक संभावनाओं की नब्ज को पहचानना। हिमाचल के हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसा बहुत कुछ है कि आर्थिकी का सवेरा हो सकता है। सरकार ने डेयरी को संभावना से तौलने से पहले किसान को दूध का ऐसा समर्थन मूल्य दिया कि अब डोलू भर दूध भी घर की व्यवस्था में कमाने की हिम्मत देता है। लोग नींबू प्रजाति के पेड़ उगा कर वर्ष भर की मेहनत को सफल बना रहे हैं। इसी तरह हर विधानसभा क्षेत्र की मेहनत को विधायक अगर आर्थिक संबल से जोड़ दें, तो यकीनन करिश्मा होगा। पर्यटन की तस्वीर में हर विधानसभा क्षेत्र अगर कम से कम एक पर्यटन गांव चिन्हित कर पाए, तो ग्रामीण पर्यटन हिमाचल की आर्थिकी को नए मुकाम पर ले जाएगा, लेकिन एडीबी फंडिंग के मकबरे सजा कर नीति नियंता ग्रामीण संभावनाओं को पलीता लगा रहे हैं। अगर 68 विधानसभा क्षेत्रों में इतने ही पर्यटन गांवों की तासीर में सभी विभाग योगदान करें, तो कितने ही केरल, कर्नाटक, राजस्थान या गुजरात हिमाचल के गांवों में बस जाएंगे। उदाहरण के लिए सुजानपुर टीहरा को पर्यटक गांव की खास मंजिल बनाएं, तो रात्रि मनोरंजन की धरा पर चौगान स्वयं एक प्रस्तुति बन जाएगा। हिमाचल के कृषि-बागबानी, हस्तशिल्प तथा अन्य उत्पादों को अगर हाईवे स्थित पर्यटन गांवों का हाट बाजार मिल जाए, तो हर मंजिल पर आर्थिकी मुस्कराएगी। विधायक प्राथमिक योजनाएं अगर आर्थिक विकास को चित्रित करें, तो बोह वैली की ट्राऊट की तरह हर क्षेत्र का कोई साधारण उत्पाद भी असाधारण क्षमता धारण कर सकता है। बिलासपुर की कई डेयरी कोआपरेटिव सोसायटियां उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं, लेकिन नम्होल की कामधेनु मिल्क सोसायटी ने अपने प्रयासों से क्षेत्रीय ऊर्जा को खेत से बाजार की वस्तु बना दिया। इसी दृष्टि से अगर 68 विधायक नई आर्थिकी के अवसर खोज कर प्रयोग करें, तो ग्रामीण श्रम से हिमाचल की आर्थिकी का नया चेहरा सशक्त होगा।

प्रदेश में कई ऐसे उदाहरण हैं जहां पंचायत के प्रधानों ने अगली सदियां खोज लीं। नागरिक समाज ने अपनी आर्थिक हैसियत बता दी। तरक्की का खजाना एक निरंतर प्रयास है, जो सोच की असीमित क्षमता से बाहर आता है। कुछ दशक पूर्व तक लोग बीड़-बिलिंग का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन हैंग ग्लाइडिंग से शुरू हुआ सफर, आज विश्व पैराग्लाइडिंग का भविष्य लिख पा रहा है, तो इसे सियासी चातुर्य का ठिकाना कहना होगा। भले ही किन्हीं और कारणों से सुधीर शर्मा के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द धुंध दिखाई दे, लेकिन बीड़-बिलिंग को आर्थिक सत्ता की मंजिल बनाने में उनके योगदान को सदियां नहीं भूलेंगी। विकास केवल पत्थर नहीं और न ही सीमेंट-सरिए का ढेर, बल्कि अगली सदी को यथार्थ के पटल पर उतारने की प्रतिज्ञा है। कई प्रगतिशील किसानों ने हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों के बंद कक्षों के बाहर मिसालें पेश की हैं, तो इसलिए कि जज्बा आने वाले वर्षों की खातिर नए प्रयोग कर रहा था। सिरमौर में अगर स्ट्रॉबेरी के गांव उभर आए, तो उन किसानों को नमन। नगरोटा सूरियां के क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट के बागीचे संवर गए, तो प्रगति के इस नवाचार को सलाम।

दृष्टि कोण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियां

देश की राजधानी नई दिल्ली में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन गरमागरम चर्चा में है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वह प्रौद्योगिकी है जो कंप्यूटर सिस्टम को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे सीखना, तर्क करना, समस्या समाधान और निर्णय लेना। आज स्वास्थ्य, वित्त, कृषि से लेकर शासन तक हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने की अपार क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह कई गंभीर नैतिक, सामाजिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है जिन पर विचार करना अनिवार्य है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनियाभर में एक क्रांति लाने का काम किया है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अलावा हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मजबूती के साथ दाखिल हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी काम या प्रोसेस को बहुत आसानी से और बेहतर तरीके से किया जा सकता है। अगर हम शिक्षा क्षेत्र का ही उदाहरण लें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कोई भी छात्र किसी भी विषय को आसानी और आधुनिक तरीके से सीख सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कंप्यूटर ऐसे काम करने में सक्षम है जिस काम को करने के लिए अमूमन मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। लेकिन जिस तरह किसी टेक्नोलॉजी के फायदे होते हैं तो वहीं उसके नकारात्मक इस्तेमाल को भी नहीं नकारा जा सकता है। ठीक उसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अगर क्रांति लेकर

आया है तो उसके दुष्प्रभाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सीखने की जरूरतों और अलग-अलग क्षमताओं वाले छात्रों के लिए पढ़ाई को और आसान बनाया जा सकता है। एक डेटा को अलग-अलग तरीके से और छात्रों के अनुरूप उसे प्रस्तुत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा सकती है। साथ ही विकलांग, सीखने में अंतर या भाषा की बाधाओं जैसी दिक्कतों को भी इसकी मदद से दूर किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पेपर ग्रेडिंग और पाठ योजनाएं बनाने जैसे कार्यों में भी किया जा सकता है, जिससे शिक्षकों का समय अधिक महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में लगेगा। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद किसी एक जानकारी से और अधिक जानकारी निकालने में भी ली जा सकती है। एआई की मदद से नई जानकारियों को आसानी से बनाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह छात्रों की मानसिक क्षमता और सीखने में बाधा उत्पन्न कर सकती है। छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपने सवालों के जवाब आसानी से ढूंढ सकते हैं। जिससे वो खुद से किसी सवाल के जवाब ढूंढने में पीछे रह सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एआई का उपयोग जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित कई और चुनौतियों को जन्म देता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कई और नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि एआई चैटबॉट काफी कम समय में आपको किसी टॉपिक के बारे में लंबी-चौड़ी डिटेल बता देते हैं। इनसानों के मुकाबले इस काम में एआई की स्पीड बहुत तेज होती है। एआई का यह फीचर दुनियाभर में चल रही फेक न्यूज, गलत जानकारी जैसे मामलों में खतरनाक हो सकता है। हैकर्स इसका फायदा उठाकर गलत जानकारी फैला सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पड़ेगा। इसके अलावा कुछ एआई प्लेटफॉर्म फोटो और वीडियो भी जनरेट कर सकते हैं। फेक न्यूज फैलाने के लिए इनका काफी शातिर तरीके से इस्तेमाल हो सकता है। एआई की वजह से जो अगली समस्या आएगी, वो है बेरोजगारी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में ख़राब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 फरवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 12:36 तक
नक्षत्र : मृगशिरा दोपहर 12:12 तक
योग : प्रीति रात्रि 10:33 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:39 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : होलाष्टक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

दो से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायतीराज और नगरपालिका चुनाव

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा सचिवालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने, राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कैबिनेट बैठक के बाद विधानसभा में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-19 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा-24 में संशोधन कर राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इससे जिन व्यक्तियों के दो से अधिक संतान हैं वे पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि दो से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने का प्रतिबंध उस समय लागू किया गया था, जब जनसंख्या विस्फोट पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता थी। वर्ष 1991-94 के बीच प्रजनन दर 3.6 थी, जो वर्तमान में घटकर 2 रह गई है। ऐसे में इन प्रावधानों का प्रत्यक्ष प्रभाव अब कम होता जा रहा है।

पटेल ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनुपालना में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 24 में संशोधन कर धारा 2 को संशोधित करते हुए शब्द कुष्ठ रोग को खतरनाक रोग की श्रेणी से हटाया गया है। जिससे नगरपालिका के आगामी चुनाव में सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने का समान अवसर मिल सकेगा और कुष्ठ रोगियों का सम्मान भी सुनिश्चित हो सकेगा।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि आर्थिक अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध

निदेशालय के गठन का निर्णय मंत्रिमण्डल में किया गया। उन्होंने बताया कि इससे रियल एस्टेट में धोखाधड़ी, बैंक-बीमा-एनबीएफसी एवं शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय अपराध, मल्टी लेवल मार्केटिंग ठगी, झूठा दिवालियापन, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी तथा फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से नौकरी या प्रवेश से संबंधित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई हो सकेगी। साथ ही, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा या विक्रय, स्टाम्प एवं पंजीयन अनियमितताएं, फर्जी कंपनियों का गठन, सहकारी समितियों में घोटाले जैसे आर्थिक अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सकेगा और अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि यह निदेशालय वाणिज्यिक कर, आबकारी, परिवहन, पंजीयन एवं मुद्रांक, खनिज सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर राजस्व लीकेज पर निगरानी रखेगा तथा टैक्स चोरी को रोकेगा। इससे राजस्व संबंधी सूचनाओं और आर्थिक अपराधों की जांच का कार्य एकीकृत रूप से किया जा सकेगा।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने बताया औद्योगिक विकास को नई गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति, 2026 लाई जाएगी। इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए मॉडल-ए (पूर्णतः रीको द्वारा आवंटित भूमि पर विकास), मॉडल-बी (80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा अधिग्रहण एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर), मॉडल-सी (संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था) तथा मॉडल-डी (पीपीपी मॉडल) निर्धारित किए हैं। उन्होंने बताया कि इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी। राज्य सरकार औद्योगिक पार्क के लिए सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान भी देगी। इसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ तक के पार्क हेतु 20 करोड़ रुपए, 100 से 250 एकड़ हेतु 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल हेतु 40 करोड़ रुपए होगी। साथ ही, हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपए प्रति पार्क) का प्रावधान भी किया गया है।

शासन सचिवालय में राजीविका रंगोत्सव (होली मेला) का भव्य शुभारंभ

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विपणन एवं ब्रांडिंग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आयोजित राजीविका रंगोत्सव का सचिवालय परिसर में भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग एवं नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने महिला स्वयं सहायता समूहों की सराहना करते हुए कहा कि राजीविका द्वारा आयोजित ऐसे विपणन मंच महिला उद्यमिता को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं अतिरिक्त मुख्य सचिव ने महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को गुणवत्ता, नवाचार और पारंपरिक कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने राजीविका के स्टॉलस् का अवलोकन किया तथा महिला उद्यमियों से संवाद कर उनके उत्पादों, पैकेजिंग एवं विपणन रणनीतियों की जानकारी ली। राजीविका की राज्य मिशन निदेशक ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से स्वयं सहायता समूहों को प्रत्यक्ष बाजार उपलब्ध होता है, जिससे उन्हें ग्राहकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने एवं अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने का अवसर मिलता है।

राजीविका रंगोत्सव शासन सचिवालय में 25 से 27 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान के 13 जिलों से 15 स्वयं सहायता समूह भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में कुल 10 स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉल पर हर्बल गुलाल, पारंपरिक खाद्य सामग्री, गुजिया, ठंडाई उत्पाद, हर्बल उत्पाद, उपहार एवं सजावटी सामग्री, सॉफ्ट टॉयज, लकड़ी एवं क्रोशिया उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है।

जोधपुर में धुलंडी पर युवक का श्रंगार होगा

माली समाज 633 साल पुरानी परंपरा निभाएगा, चंग की थाप पर होगा नृत्य

जोधपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में धुलंडी के अवसर पर निकलने वाली ऐतिहासिक 'रावजी की गैर' एक बार फिर शहर की फिज़ा में रंग और परंपरा की गूंज भरने को तैयार है। चंग की थाप पर सामूहिक नृत्य और उत्साह से सराबोर यह आयोजन बीते 633 वर्षों से माली समाज की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। हर वर्ष हजारों लोग मिलकर 'राव' का स्वरूप गढ़ते हैं और परंपरा, श्रद्धा व सामूहिकता का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं, जो धुलंडी को जोधपुर की खास पहचान बना देता है। इस बार भी माली समाज की ओर से होली के दूसरे दिन धूलंडी के मौके पर मंडोर क्षेत्र में रावजी की गैर धूमधाम से निकाली जाएगी। इसको लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रावजी की गैर को लेकर माली समाज के लोगों में उत्साह है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के लोग शामिल होते हैं। 633 सालों से निकाली जा रही 'रावजी की गैर

जुगल किशोर गहलोत ने बताया कि 633 सालों से ये गैर निकाली जा रही है, जो बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से निकाली जाती है। इस बार भी रावजी की गैर मंडावता बेरा मंदिर चौक से पूजा अर्चना कर खोखरिया बेरा पहुंचती है। यहां से गैर को साथ लेकर मंडावता चौराहा होते हुए भिंयाली बेरा, गोपी का बेरा होते हुए फतेहबाग आएगी।इस तरह से बनता राव बहादुर सिंह गहलोत ने बताया गैर में एक ओर विशेष परंपरा है, जिसके अनुसार ऐसे युवक को राव बनाया जाता है, जो नवविवाहित हो और अच्छी कद-काठी के साथ-साथ नाचने में भी माहिर हो।

हरियाणा में कैसे चलेंगे स्मार्ट क्लासरूम, आज भी सरकारी स्कूलों में नहीं हैं इंटरनेट कनेक्शन : सैलजा

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन पढ़ाई के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हजारों सरकारी स्कूल आज भी इंटरनेट कनेक्शन से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि कई स्कूलों में कंप्यूटर लैब और स्मार्ट बोर्ड तो स्थापित कर दिए गए हैं, लेकिन इंटरनेट कनेक्टिविटी के अभाव में वे धूल फांक रहे हैं। ऐसे में डिजिटल शिक्षा के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा से पीछे रह जा रहे हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि सभी सरकारी स्कूलों में तत्काल भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए और डिजिटल ढांचे की वास्तविक समीक्षा कर उसे पूरी तरह कार्यशील बनाया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में दिखावे की बजाय ठोस कदम उठाना समय की मांग है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र के डबवाली शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर बने रेलवे ओवरब्रिज पर पैदल यात्रियों के लिए सीढ़ियां न होना गंभीर समस्या बना हुआ है। छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच लंबा रास्ता तय करना पड़ता है या जलभराव और जाम वाले अंडरब्रिज से गुजरना पड़ता है, जो सुरक्षा की दृष्टि से जोखिमपूर्ण है। इस मुद्दे पर सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर ओवरब्रिज के दोनों ओर शीघ्र पैदल सीढ़ियां बनाने की मांग की है, ताकि स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सके।

कांग्रेस को प्रदर्शन मर्यादा में रहकर करना चाहिए : गौरव गौतम

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार में मंत्री गौरव गौतम ने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि उनको प्रदर्शन मर्यादा में रहकर करना चाहिए। मंत्री गौरव गौतम का यह बयान उस वक्त आया है, जब हाल ही में एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शर्टलेस होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी भी हुई है। इस मामले में कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमलावर है। बुधवार को हरियाणा कांग्रेस की ओर से विधानसभा घेराव का ऐलान भी किया गया। चंडीगढ़ में मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत और राज्यों में हो रही अच्छी चीजों का विरोध किया है। कांग्रेस का प्रदर्शन एक तरह से अराजक होता जा रहा है। मर्यादा में रहकर प्रदर्शन करना चाहिए, जनता के मुद्दे उठाने चाहिए, न कि अपनी स्वार्थ की राजनीति करनी चाहिए और मीडिया में सुर्खियों में रहने के लिए प्रोटेस्ट नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का शर्मनाक प्रदर्शन कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली के एआई समिट में किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। भारत की छवि को धूमिल करने की यह शर्मनाक हरकत थी। मुझे लगता है कि प्रदेश में भी इसी तरह कांग्रेस काम करती है, क्योंकि ऊपर से जो स्क्रिप्ट आती है, वह नीचे कांग्रेस उतारती है।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि अब कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन रोकने हेतु हरियाणा की भाजपा सरकार की मदद में चंडीगढ़ पुलिस भी आ खड़ी हुई है।

मनरेगा योजना खत्म कर मजदूर-गरीब पर बड़ा प्रहार किया गया है : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। आज जब HPSC पर हरियाणा विधानसभा में HPSC की कार्यप्रणाली पर काम रोको प्रस्ताव आया, तो उस समय विधानसभा की वीआईपी गैलरी में सांसद दीपेन्द्र हुड्डा समेत चार कांग्रेस सांसद जय प्रकाश, सांसद वरुण चौधरी, सांसद सत्यपाल ब्रह्मचारी उपस्थित थे। विधानसभा से बाहर आकर सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में 'नॉट फाउंड सूटेबल' सरकार है। हरियाणा के युवा यूपीएससी, IIT, NET, JRF एवं अन्य बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉप कर लेते हैं लेकिन, HPSC सोची-समझी साजिश के तहत अपनी परीक्षाओं में इन्हें अयोग्य ठहरा रहा है। हर भर्ती में हरियाणवी युवाओं की उपेक्षा हो रही है और गैर-हरियाणवियों को नौकरी में प्राथमिकता दी जा रही है। हरियाणा में या तो ज्यादातर पद नॉट फाउंड सूटेबल का ठप्पा लगाकर खाली रखे जा रहे हैं या तो हरियाणा से बाहर के युवा लगाये जा रहे हैं।

गुरुग्राम इफको चौक से फरीदाबाद-नोएडा तक जुड़ेगी रैपिड मेट्रो लाइन: नायब सिंह

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन बुधवार को भी सदन में हंगामा देखने को मिला। प्रश्नकाल में सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायकों ने सरकार से 20 सवालों के जवाब मांगे। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हाउस अरेस्ट कर सरकार तानाशाही का काम कर रही है, जिस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जवाब दिया कि हमारी पुलिस ने किसी को हाउस अरेस्ट नहीं किया है और न ही हमारे पास कोई ऐसी जानकारी है। मैंने कल भी कहा था कि चंडीगढ़ प्रशासन ने सेक्टर 25 का मैदान तय किया है। आप वहां जाकर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सदन में बताया कि 24 फरवरी को एक बैठक हुई थी, जिसमें गुरुग्राम से फरीदाबाद और

नोएडा के बीच बनने वाले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर के अंतिम एलाइनमेंट को स्वीकृति दी गई। इस कॉरिडोर का 52 किलोमीटर का भाग हरियाणा में होगा। ये गुरुग्राम के इफको चौक से शुरू होकर फरीदाबाद और नोएडा को जोड़ेगा, जिससे ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलेगी। ये गुरुग्राम की मेट्रो लाइन से भी जुड़ेगा और फरीदाबाद में 16 किलोमीटर का इंटीग्रेटेड सेक्शन जुड़ेगा। इसकी जल्द ही जानकारी प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर काम पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर संयुक्त सचिवालय बनाया गया है, ताकि अंतर्राज्यीय तस्करी पर रोक लगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और मानस पोर्टल के माध्यम से सूचना मिलने पर पुलिस गुप्त पहचान रखते हुए कार्रवाई करती है। संतों और खाप प्रतिनिधियों को भी नशा रोकने के अभियान में शामिल किया गया है, फिर भी कुछ मामलों में बाहर से नशा पहुंचने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

उन्होंने कहा, 1887 से अब तक सरकार के पास मालिकाना हक रहा। पूरा शहर सरकारी भूमि पर बसा है, ये गैर-मुमकिन आबादी के रूप में विकसित है। यहां सैकड़ों परिवार कई पीढ़ियों से रह रहे हैं, 2020 तक इन संपत्तियों की रजिस्ट्री होती रही, इसमें लोगों का विश्वास और अधिकार जुड़े रहे। तकनीकी आधार पर इन लोगों को असुरक्षित नहीं रखा जा सकता।

शुभ लाभ DAILY

मंचेरियाल प्रवासियों की मांग अनसुनी, नेताओं और रेल प्रशासन के चक्कर काटने को मजबूर

मंचेरियाल, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंचेरियाल जिले में निवास कर रहे राजस्थानी प्रवासियों के लिए अपने गृह राज्य जाना आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। उचित रेल सुविधाओं के अभाव में प्रवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि मंत्री, विधायक और सांसद तक गुहार लगाने के बावजूद अब तक कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है।

वर्तमान में मंचेरियाल में व्यापार कर रहे प्रवासियों को राजस्थान जाने के लिए बल्लारशाह, कागजनगर या नागपुर जैसे दूरस्थ रेलवे स्टेशनों का सहारा लेना पड़ता है। प्रवासियों की मांग है कि हाल ही में शुरू हुई चेन्नई-भगत की कोठी (20626/20625) ट्रेन का मंचेरियाल स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए।

अपनी मांग को लेकर प्रवासियों ने एक लंबी कानूनी और प्रशासनिक लड़ाई लड़ी है:

स्टेशन मास्टर से जीएम कार्यालय तक: प्रवासियों ने मंचेरियाल स्टेशन मास्टर से लेकर सिकंदराबाद स्थित रेलवे जीएम कार्यालय तक कई बार ज्ञापन सौंपे। हर बार उन्हें केवल प्रक्रिया चल रही है का रटा-रटाया जवाब मिला।

सांसद का हस्तक्षेप: रेलवे प्रशासन की सलाह पर प्रवासियों ने स्थानीय सांसद जी. वामसी कृष्णा से मुलाकात की। सांसद ने पत्र जारी कर मदद का आश्वासन भी दिया, लेकिन जीएम कार्यालय में उस पत्र पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नेताओं के चक्कर: अंततः प्रवासियों ने भाजपा नेता वेराबेली रघुनाथ से भी मदद की गुहार लगाई, जहाँ से भी केवल आश्वासन ही प्राप्त हुआ।

नेताओं और अधिकारियों के ढुलमुल रवैये से नाराज प्रवासियों का कहना है कि चुनाव के समय नेता वोट मांगने तो आ जाते हैं, लेकिन जब जनता को उनकी जरूरत होती है, तो फाइलों और प्रक्रियाओं के नाम पर उन्हें दौड़ाया जाता है। प्रवासियों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सांसद, मंत्री और विधायक केवल झूठे वादे कर रहे हैं।

इस अवसर पर मंचेरियाल प्रवासी कृष्णा सोलंकी, शांतिलाल माली, अशोक परमार, डूंगर राम देवासी, जेनाराम, पुखराज गहलोत, राजू माली सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आरटीओ अधिकारी व होम गार्ड पर जबरन वसूली के आरोप!, पीड़ित ने मीडिया का सहारा लिया

मंचेरियाल, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंचेरियाल में आरटीओ कार्यालय से जुड़ी कथित वसूली के यह आरोप सामने आए हैं कि दिल्ली पंजीकरण वाली कार को जब्त कर छुड़ाने के लिए आरटीओ कर्मियों ने वसूली और रिश्वत की मांग की। पीड़ित ने मीडिया से संपर्क कर बताया कि रविवार को श्रीरामपुर पुलिस थाना के सामने वाहन निरीक्षण के दौरान आरटीओ अधिकारियों ने एक कार रोकी और ऑनलाइन जांच में उस पर दो लाख रुपये का जुर्माना दिखने पर जुर्माना भरने के लिए कहा।

पीड़ित ने बताया कि उसने अपने परिचित के माध्यम से मामला सुलझाकर कार वापस ली, परंतु एक घंटे बाद आरटीओ कार्यालय से जुड़े एक होम गार्ड ने गुडीपेट के पास पेट्रोल पंप के पास उसे रोका और 20 हजार रुपये की मांग की। दोनों के बीच कहासुनी और मारपीट भी हुई। पीड़ित का दावा है कि होम गार्ड ने उसे हड़पने की कोशिश की और बाद में लगातार पैसे की मांग जारी रखी।

आरटीओ से जब मामले पर जवाब मांगा गया तो आरटीओ अधिकारी गोपीकृष्णा ने इन आरोपों

को खारिज करते हुए कहा कि विवाद नहीं हुआ और पीड़ित ने उनसे फोन पर कहा था कि वह कल कार्यालय आकर शिकायत पत्र देगा। आरटीओ द्वारा बताया गया कि मीडियाकर्मियों के पहुंचने से पहले ही दोनों पक्ष वहां से चले गए।

सूत्रों के अनुसार, यही होम गार्ड पहले भी आरटीओ कार्यालय में अनुशासनहीनता के कारण निलंबित होकर दूसरे क्षेत्र में तबादला किए जाने की बात सामने आ चुकी है। पीड़ित के मीडिया का सहारा लेने और घटनास्थल से भागने की खबर ने इस मामले को गर्मा दिया है। अधिकारियों से स्पष्टीकरण और जांच की मांग उठ रही है।

आईटीडीए परियोजना अधिकारी ने आश्रम विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व पोषण पर जोर दिया

आसिफाबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

आईटीडीए परियोजना अधिकारी युवराज मर्मोट ने आश्रम विद्यालयों के छात्रों को बेहतर शिक्षा और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। परियोजना अधिकारी ने मंगलवार को आदिवासी आश्रम विद्यालय (बालिका) मारलावई, आसिफाबाद जिला केन्द्र ई.एन.आर.एस. कॉलेज (बालूर) सिरपुर तथा आदिवासी आश्रम शाला (बालक) कागजनगर का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान उन्होंने शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और अन्य कर्मचारियों से छात्रों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन से संबंधित जानकारी ली। विद्यार्थियों से संवाद कर भोजन की समयबद्धता, मेन्यू और स्वाद के बारे में पूछा गया। परियोजना अधिकारी ने कहा कि इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पर ही सीमित नहीं रहना चाहिए; सक्षम और इच्छुक विद्यार्थियों को आईआईटी, जेईई मेन जैसे उच्च शिक्षा के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए। साथ ही यदि पल्स ऐप या अन्य तकनीकी मामलों में कोई समस्या हो तो उसे तत्काल बताया जाए।

युवराज मर्मोट ने विषयवार गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई पर बल दिया और कहा कि प्रत्येक छात्र को पढ़ना-लिखना अवश्य आना चाहिए। उन्होंने वार्डन, रसोइयों, स्वच्छता एवं बहुउद्देश्यीय कार्यकर्ताओं को किचन, स्टोर रूम, पीने के पानी तथा शौचालय की दैनिक सफाई रखने और छात्रावास के आसपास नियमित स्वच्छता कार्यक्रम संचालित कर मच्छरों से होने वाली बीमारियों (जैसे डेंगू व मलेरिया) के नियंत्रण के निर्देश दिए। दौरे के अंत में विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाया गया और विषयवार प्रश्न पूछकर उनके शैक्षिक स्तर का आकलन भी किया गया। कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र व अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

भटकता हुआ बाघ कावल टाइगर रिजर्व की ओर बढ़ा

मंचेरियाल, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

पिछले दो महीनों से स्थान-स्थान भटक रहा एक बाघ अब कावल टाइगर रिजर्व की ओर बढ़ने के संकेत दे रहा है। तेलंगाना के जगतियाल जिले के कोडिमियाल मंडल में बाघ की गतिविधि देखी जाने पर वन विभाग ने आसपास के गांवों को सतर्क कर दिया है।

धम्मयापेटा गांव के किसानों ने खेतों में बाघ के पदचिह्न देखकर वन अधिकारियों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे वन और पुलिस अधिकारी इलाके की जांच के बाद बाघ की मौजूदगी की पुष्टि कर चुके हैं। सन्द्रलपल्ली, तिरुमलपुर, चिंतलपल्ले, पोथाराम और आसपास के गांवों को अलर्ट पर रखा गया है। ग्रामीणों से अनुरोध किया गया है कि वे खेतों में जाते समय समूह में रहें, सुबह जल्दी खेतों में न जाएं और शाम को समय पर घर लौटें। ये गांव वन क्षेत्र के पास स्थित हैं जहाँ तेंदुआ और भालू जैसे जंगली जानवरों का आनाजाना आम है, जबकि बाघ का दिखना अपेक्षाकृत दुर्लभ है।

वन अधिकारियों के अनुसार यह बाघ लगभग दो महीने पहले महाराष्ट्र से तेलंगाना में आया था। जनवरी के मध्य में यह यदाद्री भुवनगिरी मंडल पहुंचा और फिर सिद्दिपेट, जंगांव व सिरसिल्ला के आसपास देखा गया। अब वह फिर जगतियाल की ओर आया और कोडिमियाल से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित कावल रिजर्व फॉरेस्ट की ओर लौटने की आशंका है। अधिकारियों का अनुमान है कि क्षेत्र में उपयुक्त निवास या साथी न मिलने के कारण बाघ वापस महाराष्ट्र की ओर जा रहा हो सकता है। वन विभाग स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध दिखाई देने पर तुरंत वन अधिकारियों/पुलिस को सूचना देने का आग्रह कर रहा है।

रायथु भरोसा वितरण में देरी पर हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर हमला किया

सिद्दिपेट, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने रायथु भरोसा वित्तीय सहायता के वितरण में देरी के लिए कांग्रेस सरकार की तीखी आलोचना की और सरकार से किसानों के साथ किए गए वादों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनावी दिनों में किए गए वादों को निभाने में विफल रहने वाली सरकार किसानों के भरोसे को चोट पहुँचा रही है और ऐसी सरकार टिक नहीं सकती।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने 4 फरवरी को मिरयालगुडा की जनसभा में कहा था कि आवंटन हो चुका है और नगर पालिका चुनाव के तुरंत बाद राशि किसानों के खातों में चली जाएगी, पर चुनाव आचार संहिता हटने के कई दिनों बाद भी राशि जारी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा हाल की कैबिनेट बैठक में भी नहीं उठाया गया। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव से पहले प्रति एकड़ 15,000 रुपये का वादा कर किसानों को भटका देने और दो सीज़न तक सहायता नहीं देने का आरोप लगाया। हरीश राव ने यह भी प्रश्न उठाए कि सरकार के बड़े बुनियादी ढांचे और

परियोजनाओं के लिए पैसा कहां से आ रहा है जबकि किसानों को सहायता दे पाने में कमी दिखाई जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री के शिविर कार्यालय से जुड़ी महंगी सुविधाओं और अन्य खर्चों की निंदा करते हुए कहा कि ऐसी फिजूलखर्ची उस समय स्वीकार्य नहीं जब किसान सहायता का इंतजार कर रहे हैं।

जगतगिरीगुट्टा: सेंधमार गिरफ्तार, 14 तोला सोना बरामद

जगतगिरीगुट्टा, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जगतगिरीगुट्टा पुलिस ने बुधवार को एक शातिर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जिसने दो दिन पहले एक घर में सेंध लगाकर कीमती गहनों पर हाथ साफ किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 14 तोला सोना बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान पी. शंकर (36) के रूप में हुई है, जो जगतगिरीगुट्टा के येल्लम्माबंदा इलाके का निवासी है। घटना 23 फरवरी की है, जब आरोपी ने राखापल्ली लक्ष्मी नामक महिला के बंद घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखा 14 तोला सोना चोरी कर लिया था।पीड़ित महिला अपने किसी रिश्तेदार के घर गई हुई थी। जब वह वापस लौटी, तो घर का ताला टूटा हुआ देख उसके होश उड़ गए। घर के अंदर का सामान और जेवरात गायब थे, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जगतगिरीगुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। स्थानीय पूछताछ और छानबीन के बाद पुलिस ने शंकर को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और चोरी किए गए गहनों की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है।

मंचेरियाल नगर निगम के मेयर, डिप्टी मेयर ने जिला कलेक्टर से की शिष्टाचार मुलाकात

मंचेरियाल, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

धरणी मधुकर और सल्ला रम्या, जो दूसरे आम नगर निगम चुनाव में मंचेरियाल नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर चुने गए. उन्होंने बुधवार जिले के नसपुर मे स्थित कलेक्टर के चैंबर में जिला कलेक्टर कुमार दीपक से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें पौधे भेंट किए।

जिला कलेक्टर ने मुख्य योजना अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया

कोमारामभीम-आसिफाबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने मंगलवार सुबह एकीकृत कलक्ट्रेट भवन स्थित मुख्य योजना अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने उपस्थित कर्मचारियों की हाजिरी रजिस्टर देखी और मुख्य योजना अधिकारी से कार्यालय में कर्मचारियों के समय पालन तथा कार्यनिष्ठा के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर कलेक्टर हरिता ने कर्मचारियों को समय प्रबंधन का पालन करने और जनता को बेहतर व शीघ्र सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश दिया। निरीक्षण में कार्यालयीन स्टाफ और अन्य कर्मियों ने भाग लिया। यह जानकारी जिला नागरिक संबंध अधिकारी द्वारा जारी की गई।

डोंगली में राष्ट्रसंत शिवलिंग शिवाचार्य माऊली का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

डोंगली, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

डोंगली के स्थानिक महादेव मंदिर परिसर में राष्ट्रसंत डॉ. शिवलिंग शिवाचार्य महाराज (अहमदपूरकर) के 110वें जन्मदिन एवं शिवलिंग स्थापना की 24वीं वर्षगांठ पर भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ जन्मोत्सव मनाया। आयोजन के अंतर्गत 18 फरवरी से 25 फरवरी तक अखंड शिवनाम सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ सद्गुरु 108 मल्लिकार्जुन स्वामी खतगांवकर ने किया।

भक्तों ने बताया कि अखंड शिवनाम सप्ताह के दौरान प्रतिदिन कलाकीरतन तथा भजन-कीर्तन आयोजित किए गए। 25 फरवरी को जन्मोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में गुरु माऊली की प्रतिमा पर पुष्पार्पण कर

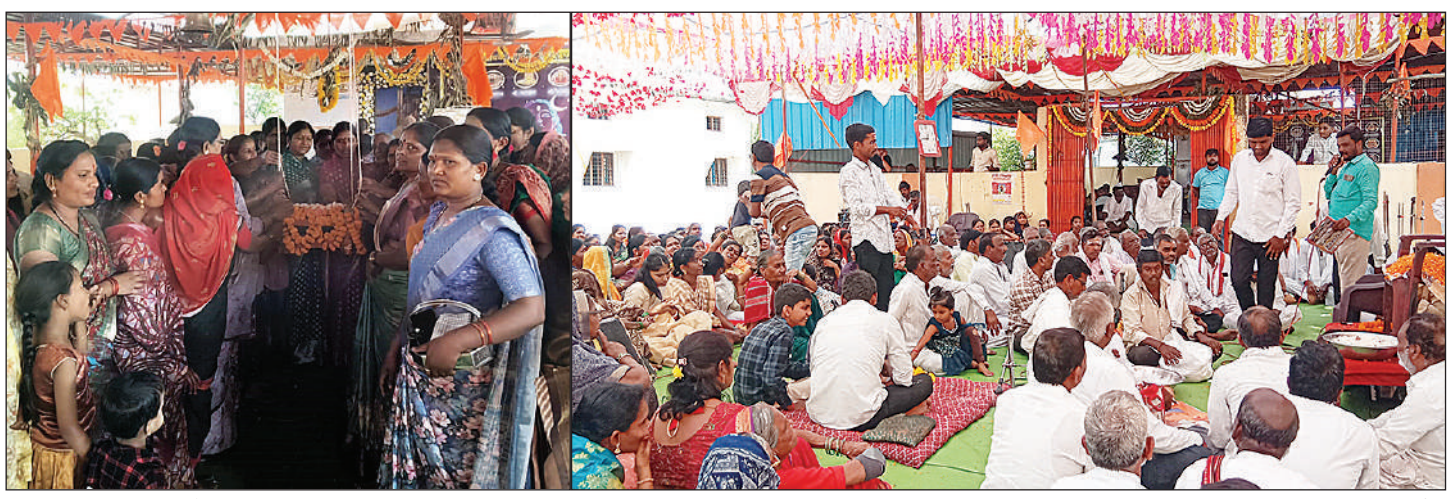

उन्हें नमन किया गया और दिवंगत राष्ट्रसंत शिवलिंग शिवाचार्य गुरु माऊली को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने समग्र आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित नागरिकों को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन समाज में धार्मिक भावनाओं और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखने का प्रयास था।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भविष्य पर ईसीबी की सफाई, द हंड्रेड में भेदभाव से किया इनकार

नई दिल्ली

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड टूर्नामेंट की चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को यह स्पष्ट किया। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि भारत के स्वामित्व वाली कुछ फ्रेंचाइज़ियां राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर सकती हैं।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में शामिल चार भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइज़ियां — मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, साउदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स — अगले महीने होने वाली नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर विचार नहीं कर रही हैं।

द हंड्रेड के आगामी सीज़न के लिए कुल 67 पाकिस्तानी खिलाड़ियों (63 पुरुष और 4 महिला) ने अपना नाम चयन हेतु पंजीकृत कराया है। ईसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड तथा द हंड्रेड की सभी आठ फ्रेंचाइज़ियां इस बात की पुन: पुष्टि करती हैं कि यह प्रतियोगिता समावेशी, स्वागतयोग्य और सभी के लिए खुली रहेगी। सभी टीमें चयन केवल क्रिकेट प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरतों के आधार पर करेंगी।

गौरतलब है कि कूटनीतिक तनाव के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ी वर्ष 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा नहीं ले पाए हैं। अब जब आईपीएल मालिक विभिन्न देशों की लीगों में भी टीमों के मालिक हैं, तो आशंका जताई जा रही थी कि अन्य टूर्नामेंटों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के अवसर सीमित हो सकते हैं। द हंड्रेड की नीलामी 11 और 12 मार्च को लंदन में आयोजित की जाएगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान भी उन लोगों में शामिल रहे जिन्होंने इन अफवाहों के बाद ईसीबी से हस्तक्षेप की मांग की थी। वान ने कहा, वे इस लीग के मालिक हैं और ऐसा होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यदि क्रिकेट को देश का सबसे समावेशी खेल बनाना है, तो इस तरह की स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती।

न्यूज ब्रीफ

जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में पहुंची आकर्षी कश्यप

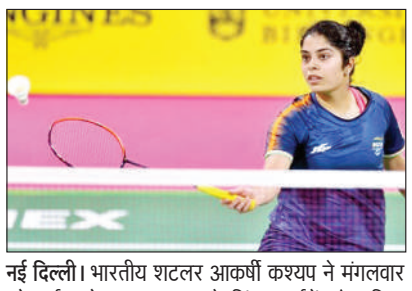

नई दिल्ली। भारतीय शटलर आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज आकर्षी कश्यप ने क्वालीफायर मुकाबले में चीनी ताइपे की ली यू-हसुआन को 21-10, 21-15 से एकतरफा अंदाज में हराया। मुकाबला पूरी तरह आकर्षी के नियंत्रण में रहा। अब मुख्य ड्रा में उनका सामना एक अन्य चीनी ताइपे खिलाड़ी हुआंग यू-हसुन से होगा। इस 2,50,000 अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में भारत के दिग्गज शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी भाग ले रहे हैं। मुकाबले की शुरुआत ली यू-हसुआन ने सकारात्मक अंदाज में की, लेकिन 4-4 की बराबरी के बाद आकर्षी कश्यप ने लगातार अंक जुटाते हुए 9-4 और फिर 16-8 की बढ़त बना ली। उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में ली यू-हसुआन ने थोड़ी चुनौती पेश की और 8-14 से पिछड़ने के बाद स्कोर 12-14 तक पहुंचाया, लेकिन आकर्षी कश्यप ने उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया और मुकाबला सीधे गेमों में जीतकर मुख्य ड्रा में जगह पक्की कर ली।

आस्ट्रेलिया-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज़ 2026: डार्विन और मैके में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला होगी, जो वर्ष 2003 के बाद पहली बार बांग्लादेश टीम का आस्ट्रेलिया में टेस्ट दौरा होगा। इस बार क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने पारंपरिक टेस्ट केंद्रों से हटकर मुकाबलों के लिए नए स्थानों का चयन किया है। पहला टेस्ट क्रिकेट आस्ट्रेलिया द्वारा माराना स्टेडियम, डार्विन में आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैके में खेला जाएगा। डार्विन को वर्ष 2004 के बाद पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी का अवसर मिलेगा। इससे पहले 2003 में डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश भी शामिल था। वहीं मैके स्थित ग्रेट बैरियर रीफ एरिना पहली बार किसी पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। अब तक इस मैदान पर पुरुष वर्ग के केवल तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं—1992 में भारत और श्रीलंका के बीच एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जबकि पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मुकाबले आयोजित हुए थे। इसके अलावा यहां तीन महिला एकदिवसीय और दो महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ कई ए श्रेणी के मुकाबले भी खेले जा चुके हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाड ग्रीनबर्ग ने कहा, हम उत्तरी आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लेकर आने को लेकर उत्साहित हैं और बांग्लादेश के खिलाफ शानदार श्रृंखला की उम्मीद कर रहे हैं।

फरहान बन सकते हैं विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

कोलंबो। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अबतक जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए एक शतक और दो अर्धशतकों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में अपना स्थान बनाया है। फरहान ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए सुपर-8 मुकाबले में भी 63 रनों की पारी खेली। इस 63 रनों की पारी के साथ ही उनके नाम इस टूर्नामेंट की पांच पारियों में कुल 283 रन हो गए हैं। अब फरहान को विश्वकप में सबसे अधिक रनों के विराट कोहली के रिकार्ड को तोड़ने के के लिए केवल 37 रनों की जरुरत है। विराट ने 2014 टी20 विश्वक कप में सबसे अधिक 319 रन बनाये थे। अब पाक को सुपर-8 का अंतिम मैच श्रीलंका से खेलना है जिसमें फरहान के पास विराट का रिकार्ड तोड़ने का मौका है। विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज 319 - विराट कोहली (2014), 317 - तिलकरत्ने दिलशान (2009), 303 - बाबर आजम (2021), 302 - महेला जयवर्धने (2010), 296 - विराट कोहली (2022), 295 - तमीम इकबाल (2016), 289 - डेविड वार्नर (2021), 283 - साहिबजादा फरहान (2026), 281 - मोहम्मद रिजवान (2021), 281 - आर गुरबाज (2024), 273 - विराट कोहली (2016)।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

श्रीलंका की टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर

न्यूजीलैंड ने 61 रन से रौंदा, पाकिस्तान की टेंशन भी बढ़ी

कोलंबो: न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को सुपर 8 मुकाबले में 61 रन से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका की टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो चुकी है। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने 86 रन पर 6 विकेट खोने के बाद बोर्ड पर 7 विकेट खोकर 168 रन बोर्ड पर लगा दिए, जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम सिर्फ 8 विकेट खोकर सिर्फ 107 रन पर सिमट गई। इससे पहले श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड की टीम के 3 अंक हो चुके हैं और वे इंग्लैंड (4) के बाद ग्रुप 2 में दूसरे नंबर पर है। जबकि पाकिस्तान की टीम 1 अंक के साथ तीसरे नंबर पर है और उसका सेमीफाइनल में पहुंच पाना बेहद मुश्किल है।

श्रीलंका के बल्लेबाज भी रहे फेल

श्रीलंका की टीम की बल्लेबाजी इस मैच में भी फेल रही। पारी की पहली ही गेंद पर मैट हेनरी ने फॉर्म में चल रहे पथुम निसांका को बोल्ड कर दिया। इसके बाद श्रीलंकाई टीम के विकेट का सिलसिला जारी रहा और टीम ने 46 रन पर 5 विकेट खो दिए। कुसल मेंडिस 11, चरिथ असलंका 5, पवन रतनायके 10 और दासुन शनाका 3 रन बनाकर आउट हो गए। कमिंदु मेंडिस ने हालांकि 31 रन बनाकर थोड़ा सा जोर जरूर दिखाया। लेकिन बाकी कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका। अंत में श्रीलंका की टीम 8 विकेट खोकर 107 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 4 विकेट लिए।

महीश तीक्षणा ने झटके 3 विकेट

श्रीलंकाई ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा के 3 झटकों ने न्यूजीलैंड को पटरी से उतारने की कोशिश की लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मैककांकी (नाबाद 31 रन) ने शानदार वापसी करते हुए बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के सुपर आठ मैच में टीम को सात विकेट पर 168 रन तक पहुंचा दिया।

न्यूजीलैंड ने 9.3 और 12.1 ओवर के बीच में 9 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिसमें तीक्षणा (30 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में मैच का रूख पलट दिया। लेकिन मैककांकी ने अंत में मोर्चा संभाला जबकि सैंटनर ने महत्वपूर्ण समय पर सात विकेट के लिए महज 47 गेंद में 84 रन की अहम साझेदारी की।

सैंटनर की तेज तर्रार पारी

सैंटनर ने 26 गेंद की पारी के दौरान चार छक्के और दो चौके लगाए। वह आखिरी गेंद पर आउट हुए जबकि मैककांकी ने 23 गेंद में तीन चौके और दो छक्के जमाए। न्यूजीलैंड का स्कोर 16 ओवर के बाद छह विकेट पर 98 रन था। तब मैककांकी ने दुष्मंता चामीरा (38 रन देकर तीन विकेट) पर दो छक्के और एक चौका जड़कर 18 रन बटोरे। इसके बाद सैंटनर ने श्रीलंका के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तीक्षणा पर 18वें ओवर में एक चौका और दो छक्के मारे जिससे 21 रन बने। इन दोनों की बदौलत न्यूजीलैंड की टीम ने अंतिम चार ओवरों में 70 रन जुटाए। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन अंतिम ओवरों में गलत लाइन एवं लेंथ के कारण लड़खड़ा गए। श्रीलंका के टॉस जीतकर गेंदबाजी करने के फैसले के बाद ऑफ स्पिनर तीक्षणा और तेज गेंदबाज चामीरा ने मिलकर 6 विकेट लेकर न्यूजीलैंड पर लगाम कसी।ग्रुप दो से इंग्लैंड पहले ही अगले दौर में पहुंच चुका है इसलिए सेमीफाइनल के एक स्थान के लिए न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के पास मौका है। न्यूजीलैंड ने नौ ओवर में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। फिन एलन ने 13 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 23 रन बनाए जबकि रचिन रविंद्र ने 22 गेंदों पर 32 रन (तीन चौके, एक छक्का) बनाए।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से हिली इटली की क्रिकेट, महिला समन्वयक निलंबित

नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक पदार्पण के कुछ ही दिनों बाद इटली क्रिकेट में उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब महिला टीम की एक खिलाड़ी ने महिला क्रिकेट समन्वयक प्रभात एकनेलिगोड़ा पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। इन आरोपों के बाद इटली क्रिकेट बोर्ड फेडेराज़ियोने क्रिकेट इटालियाना (एफसीआरआई) ने प्रभात एकनेलिगोड़ा को निलंबित कर दिया है।

एफसीआरआई द्वारा मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इन आरोपों की जांच संघीय अभियोजक कार्यालय द्वारा की जा रही है।

बयान के अनुसार, वर्ष 2025 के दौरान महासंघ की अध्यक्ष ने अपने संस्थागत दायित्वों के तहत संबंधित अधिकारी को सभी संघीय जिम्मेदारियों और गतिविधियों से तत्काल प्रभाव से एहतियातन निलंबित करने का आदेश दिया।

बयान में कहा गया, यह निर्णय परिस्थितियों की विस्तृत और अंतिम समीक्षा तक एहतियाती कदम के रूप में लिया गया है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार की अटकलों को रोकना, खेल वातावरण की गरिमा बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि तथ्यों की जांच उचित मंच पर व्यक्तिगत सम्मान, विधिक प्रक्रिया और निर्दोषता की धारणा के साथ हो।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभात एकनेलिगोड़ा के वकील ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि इन आरोपों के पीछे अन्य उद्देश्य हो सकते हैं।

बोर्ड के मीडिया प्रबंधक रकबीर हसन ने पुष्टि की कि टी-20 विश्व कप के दौरान प्रभात एकनेलिगोड़ा, बोर्ड अध्यक्ष मारिया लोरेना हाज़ पाज़ के साथ भारत और श्रीलंका की यात्रा पर गए थे, हालांकि उनके पास कोई आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं थी।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि संघीय अभियोजक कार्यालय के समक्ष कार्यवाही जारी है और खेल नियमों के तहत आवश्यक जांच और मूल्यांकन की प्रक्रिया चल रही है।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हाकी टीम आजकल मुख्य कोच शार्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं। वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

चैंपियंस लीग: बोडो/ग्लिम्ट ने इंटर मिलान को चौंकाया, पहली बार अंतिम-16 में प्रवेश

मिलान

नार्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने मंगलवार को सैन सिरो स्टेडियम में खेले गए प्लेआफ के दूसरे चरण में पिछले सत्र के उपविजेता इंटर मिलान को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट ने कुल 5-2 के अंतर से मुकाबला अपने नाम करते हुए पहली बार चैंपियंस लीग के अंतिम-16 चरण में जगह बना ली।

पहले चरण में बोडो में 3-1 की जीत से बढ़त बनाने वाली नार्वेजियन टीम ने दूसरे चरण में भी दबदबा बनाए रखा। मैच के 58वें मिनट में येन्स पेट्टर हाउगे ने गोलकीपर द्वारा रोके गए शाट पर रिबाउंड को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके 14 मिनट बाद हाकान एवजेन ने सटीक दाएं पैर के शाट से स्कोर 2-0 कर मुकाबला लगभग तय कर दिया।

आर्कटिक सर्कल क्षेत्र से आने वाली इस टीम की इस सत्र में परीकथा जैसी यात्रा रही है। लीग चरण के अंतिम दो मुकाबलों में मैनचेस्टर सिटी और एटलेटिको मैड्रिड पर शानदार जीत दर्ज कर टीम प्लेआफ में पहुंची थी। इंटर के खिलाफ पहले चरण की जीत के

बाद बोडो/ग्लिम्ट ने लगातार तीसरी जीत हासिल की और वही शुरुआती एकादश दूसरे चरण में भी उतारी। शुरुआत में इंटर का दबदबा इंटर मिलान ने आक्रामक शुरुआत की। पियो एस्पोसिटो ने शुरुआती मिनटों में हेडर से मौका बनाया, जबकि 15वें मिनट में मार्कस थुराम का कर्व शाट गोल के करीब से बाहर गया। घरेलू टीम ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ में भी इंटर ने दबाव बनाए रखा। हैंडबाल की अपील पर रेफरी ने पेनल्टी नहीं दी और वीडियो सहायक रेफरी ने भी निर्णय बरकरार रखा। 58वें मिनट में ओले डिड्रिक ब्लोमबर्ग ने इंटर के क्षेत्र में ढीली पास पर कब्जा जमाया और गोल की ओर बढ़े। यान सोमर ने उनका शाट रोक दिया, लेकिन हाउगे ने तेजी दिखाते हुए रिबाउंड को गोल में बदल दिया। 72वें मिनट में एवजेन ने सटीक शाट लगाकर परिणाम लगभग तय कर दिया।

आईआईएस दंगल चैंपियनशिप का शानदार अंदाज में समापन, निशु और यश का रहा जलवा

हिसार (हरियाणा)

इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट (आईआईएस) दंगल चैंपियनशिप 2026 का समापन शानदार अंदाज में हुआ, जहां अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता निशु और यश ने अपने-अपने भार वर्ग में खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं।

आईआईएस द्वारा पारले-जी के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में रिकार्ड 300 से अधिक प्रविष्टियां मिलीं, जबकि करीब 240 पहलवानों ने नौ भार वर्गों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन शहीद मदन लाल धींगरा बहुउद्देशीय हाल, गिरी सेंटर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में किया गया।

53 किलोग्राम वर्ग की पहलवान निशु, जिन्होंने हाल ही में सर्बिया के नोवी साद में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आईं और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे यश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। निशु को 31,000 रुपये और यश को 51,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

यश ने जीत के बाद कहा, यह मेरे लिए बेहतरीन अवसर था, जहां मुझे उच्च स्तरीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मुकाबला करने का मौका मिला। खिताब जीतना हमेशा खास होता है। उम्मीद है कि भविष्य में ऐसे और आयोजन होंगे।

2025 में पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के बाद दूसरे संस्करण में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। लगभग 20 प्रतिशत प्रविष्टियां हरियाणा के बाहर से आईं। पुरुष वर्ग में करीब 250 और महिला वर्ग में 50 से अधिक प्रविष्टियां दर्ज की गईं।

प्रतियोगिता में आईआईएस के कई प्रमुख पहलवानों ने भी भाग लिया, जिनमें काजल (+62 किग्रा), निशु (53 किग्रा), सूरज (60 किग्रा

ग्रीको-रोमन, अंडर-17 विश्व स्वर्ण पदक विजेता), सुमित (60 किग्रा ग्रीको-रोमन, अंडर-20 विश्व कांस्य पदक विजेता) और सुमित मलिक (57 किग्रा फ्रीस्टाइल, अंडर-20 विश्व कांस्य पदक विजेता) शामिल रहे।

पूरी चैंपियनशिप एक ही दिन में तीन मैट पर समानांतर मुकाबलों के साथ आयोजित की गई, जिससे दर्शकों और खिलाड़ियों को लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। महिला कोच कोसेई अकाइशी और उच्च प्रदर्शन निदेशक गैरी हाल भी प्रतिभाओं को परखने के लिए मौजूद रहे।

साई-आईआईएस हिसार केंद्र के संचालन प्रमुख सत्य प्रकाश ने कहा, यह आयोजन उभरते सितारों के लिए बेहतरीन मंच है। राष्ट्रीय शिविर के बीच आयोजन चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इससे नई पीढ़ी को वरिष्ठ स्तर पर खेलने का अवसर मिला।

वहीं उच्च प्रदर्शन निदेशक गैरी हाल ने कहा, यह दंगल युवा पहलवानों के लिए खुद को परखने और निखारने का शानदार अवसर है।

प्रमुख परिणाम (वरिष्ठ वर्ग)

फ्रीस्टाइल

- 57 किग्रा: स्वर्ण - सतेंद्र (हरियाणा), रजत - रोहित (हरियाणा)
- 74 किग्रा: स्वर्ण - यश (दिल्ली), रजत - अंकित जसमेर (हरियाणा)
- 125 किग्रा: स्वर्ण - रोहित (हरियाणा), रजत - दीपक (हरियाणा)

ग्रीको-रोमन

- 60 किग्रा: स्वर्ण - सूरज (हरियाणा)
- 77 किग्रा: स्वर्ण - विकास (हरियाणा)
- 130 किग्रा: स्वर्ण - विपिन (दिल्ली)

महिला कुश्ती

- 53 किग्रा: स्वर्ण - निशु (हरियाणा)
- 62 किग्रा: स्वर्ण - अंजलि (हरियाणा)
- 76 किग्रा: स्वर्ण - चंचल (हरियाणा)

आईआईएस दंगल चैंपियनशिप भविष्य में उभरते पहलवानों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रही है, जहां उन्हें वरिष्ठ स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिल रहा है।

एशिया बन रहा वैश्विक आर्थिक वृद्धि का नया केंद्र, भारत और चीन सबसे आगे : रिपोर्ट

2026 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि 3.3 फीसदी और 2027 में 3.2 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई

जनवरी 2026 में इंटरनेशनल मोंटेसरी फंड (आईएमएफ) द्वारा जारी ग्लोबल इकोनामिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आर्थिक वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान चीन का है, जो 26.6 फीसदी रहा। भारत 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों देशों का संयुक्त योगदान 43.6 फीसदी तक पहुंच गया है। इसके बाद अमेरिका 9.9 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य देशों में इंडोनेशिया (3.8 फीसदी), तुर्की (2.2 फीसदी), सऊदी अरब (1.7 फीसदी), वियतनाम (1.6 फीसदी), नाइजीरिया (1.5 फीसदी) और ब्राजील (1.5 फीसदी) शामिल हैं। जर्मनी का योगदान सबसे कम, केवल 0.9 फीसदी रहा। रिपोर्ट में 2026 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि 3.3 फीसदी और 2027 में 3.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। इस वृद्धि के लिए तकनीकी निवेश, वित्तीय सहायता और अनुकूल मौद्रिक नीतियां महत्वपूर्ण मानी गई हैं।

आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद, बढ़ता कर्ज और राजकोषीय घाटा वैश्विक विकास पर दबाव डाल सकते हैं। मेरिका में मुद्रास्फीति धीरे-धीरे लक्ष्य स्तर की ओर लौट रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक महंगाई में भी नरमी आने की संभावना है। यह संकेत देता है कि सही आर्थिक नीतियों के माध्यम से स्थिरता बनाए रखना संभव है। रिपोर्ट को एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, पावर बैलेंस शिफ्ट हो रहा है। मस्क ने शीर्ष 10 देशों की सूची साझा की, जिसमें चीन और भारत सबसे आगे हैं। हाल के महीनों में मस्क ने पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, जो भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को रेखांकित करती है। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक केंद्र अब पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहे हैं। भारत की तेज विकास दर, बड़ी युवा आबादी और बढ़ते निवेश इसे मजबूत आधार दे रहे हैं, जबकि चीन अपनी विशाल अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक वृद्धि में बड़ा योगदान दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कावासाकी निंजा 650 पर फरवरी में ही मिलेगा कैशबैक का लाभ

नई दिल्ली। लोकप्रिय मिडिलवेट बाइक कावासाकी निंजा 650 पर 27,000 रुपये का कैशबैक आफर बढ़ा दिया है। यह जबर्दस्त आफर 28 फरवरी 2026 तक वैध रहेगा। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत पहले 7.91 लाख रुपये थी, लेकिन डिस्काउंट के बाद इसकी प्रभावी कीमत घटकर करीब 7.64 लाख रुपये रह जाती है। यह वाउचर सीधे एक्स-शोरूम प्राइस पर रिडीम किया जा सकता है, जिससे खरीदारों को वास्तविक रूप से फायदा मिलता है। कंपनी ने यह डिस्काउंट इसलिए पेश किया है क्योंकि हाल ही में निंजा 650 का 2026 माडल लान्च किया गया है, और पुराने स्टाक को क्लियर करने की रणनीति के तहत यह आफर जारी है। ऐसे में ग्राहकों को कम कीमत में एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सुनहरा मौका मिल रहा है। निंजा 650 में 649सीसी का पैरलल-ट्विन इंजन मिलता है, जो 67 बीएचपी की पावर और 64 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड गियरबाक्स दिया गया है। यह इंजन स्मूदनेस, विश्वसनीयता और हाईवे पर स्थिर परफार्मेंस के लिए जाना जाता है, जिससे यह शहर और हाईवे दोनों परिस्थितियों में बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो 600सीसीसेगमेंट में कदम रखना चाहते हैं और स्पोर्टी लुक के साथ कम्फर्ट का संतुलन भी चाहते हैं। ट्रैक राइडिंग और टूरिंग दोनों का मजा लेने वालों के लिए यह एक मजबूत विकल्प है।

जीडीपी माप का तरीका बदलेगा, 27 फरवरी को आएंगे तीसरी तिमाही के आंकड़े

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े 27 फरवरी को जारी किए जाएंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अब नई सीरीज के आधार पर जीडीपी का आंकड़े जारी करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि केंद्र सरकार 27 फरवरी से जीडीपी गणना का नया तरीका लागू कर रही है। केंद्र सरकार ने बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है, जिसके तहत जीडीपी के आंकड़े जारी होंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई के बाद जीडीपी आंकड़े के लिए बेस ईयर 2022-23 होगा, जिसमें सटीकता के लिए डबल डिफ्लेशन और 500-600 आइटम्स का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान 27 फरवरी को जारी कर सकता है। इनमें नए आंकड़े और संशोधन शामिल होंगे। इसलिए पहले और दूसरी तिमाही के सभी पुराने आंकड़े भी नए आधार वर्ष 2022-23 के अनुसार बदल सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक जीडपी में 7.4 फीसदी की वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी थी।

चांदी की कीमतों में 6600 रुपये का उछाल, सोना 1.61 लाख रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। एमसीक्स पर चांदी की कीमत 3764 रुपये गिरकर 2.61 लाख रुपये पर आ गई। वहीं सोना 1590 रुपये की गिरावट के साथ 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी का हाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। स्पाट गोल्ड करीब 0.48प्रतिशत बढ़कर 5,202 डालर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि स्पाट सिल्वर लगभग 0.96प्रतिशत चढ़कर 88.25 डालर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों कीमती धातुओं ने मंगलवार को अपनी चार दिन की तेजी का सिलसिला तोड़ते हुए करीब 1.6प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की थी। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। बोस्टन फेड की अध्यक्ष सुसान कालिन्स ने संकेत दिया है कि मजबूत श्रम बाजार के चलते फेड कुछ समय तक ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। जनवरी की फेड बैठक के मिनट्स में भी यह सामने आया कि अधिकारी दरों में कटौती को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं।

मनी मार्केट फंड : 6 से 12 महीने के निवेशकों का भरोसेमंद साथी

ठीकठाक रिटर्न, तेज वृद्धि नहीं, स्थिर आय और पूंजी सुरक्षा, छोटी अवधि में आसानी से निवेश

नई दिल्ली

जिन निवेशकों को अपने पैसों की पूंजी सुरक्षा और ठीकठाक आय चाहिए, उनके लिए मनी मार्केट फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। पिछले एक साल में इन फंडों ने निवेशकों को लगभग 6.97 फीसदी रिटर्न दिया है। मनी मार्केट फंड उन योजनाओं में निवेश करते हैं जो मुद्रा बाजार में एक साल से कम अवधि में परिपक्व होती हैं यानी निवेशकों को जल्दी लिक्विडिटी मिलती है। श्रीराम एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक सीनियर फंड मैनेजर के अनुसार मनी मार्केट फंड कम अवधि वाले डेट फंड हैं, जो जोखिम कम रखते हुए निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए हैं, जो अपने अतिरिक्त पैसे को कुछ हफ्तों से कुछ महीनों तक निवेश करना चाहते हैं और तेज वृद्धि से ज्यादा पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न को प्राथमिकता देते हैं।

एसोसिएशन आफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़े बताते हैं कि 31 जनवरी 2025 तक मनी मार्केट फंड दूसरी सबसे बड़ी डेट फंड श्रेणी बन चुके थे, और इनके पास लगभग 3.32 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इस श्रेणी में केवल लिक्विड फंड आगे हैं, जिनके पास 5.37 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति थी। मनी मार्केट फंड आमतौर पर कमर्शल पेपर, सर्टिफिकेट आफ डिपाजिट और सरकारी बान्ड में निवेश करते हैं। निवेश औसतन 3 से 9 महीने में परिपक्व होता है और पोर्टफोलियो में विभिन्न योजनाएं होती हैं। एडलवाइज म्युचुअल फंड के एक प्रमुख निवेश अधिकारी बताते हैं कि 6-9 महीने की औसत परिपक्वता वाले मनी मार्केट फंड पर वर्तमान में सालाना 7.2-7.5 फीसदी रिटर्न मिल सकता है। यह ओवरनाइट फंड की तुलना में लगभग 200 आधार अंक ज्यादा है। कम से कम तीन महीने के लिए निवेश करने वालों के लिए यह बहुत अच्छा विकल्प है।

जानकारों का कहना है कि रीपो रेट के मुकाबले अधिक रिटर्न होने के कारण निवेशकों को मनी मार्केट फंड से आकर्षक लाभ मिलते हैं। मनी मार्केट फंड कम अवधि वाले निवेश करते हैं, इसलिए इन पर ब्याज दर का उतना असर नहीं पड़ता जितना लंबी अवधि वाले डेट फंड पर पड़ता है। कम मियाद वाली योजनाओं में निवेश होने के कारण ब्याज दर का जोखिम भी कम होता है। इसलिए ये फंड उन निवेशकों और कंपनियों के लिए उपयुक्त हैं, जो थोड़े समय के लिए नकदी निवेश करना चाहते हैं। हालांकि मनी मार्केट फंड अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं, लेकिन ये पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं हैं। ये फंड बाजार से जुड़े होते हैं और रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती। इनमें ब्याज दर, लिक्विडिटी और क्रेडिट का जोखिम होता है। कभी-कभी फंड मैनेजर को कम रिटर्न वाले निवेश करना पड़ता है, जिससे भविष्य में रिटर्न घट सकता है। मनी मार्केट के विशेषज्ञ कहते हैं कि डीफाल्ट का खतरा हमेशा रहता है, लेकिन फंड कंपनियां आमतौर पर अच्छे पोर्टफोलियो का प्रबंधन करती हैं और इनसे अन्य डेट फंड की तुलना में कम जोखिम के साथ संतोषजनक रिटर्न मिलते हैं। उनके मुताबिक मनी मार्केट फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो पूंजी की सुरक्षा और लिक्विडिटी चाहते हैं, 3-12 महीने के लिए निवेश करना चाहते हैं और कम जोखिम झेलने और स्थिर रिटर्न स्वीकार करने वाले हैं। निवेशकों को फंड की परिपक्वता अवधि के अनुसार निवेश करना चाहिए और कम एक्सपेंस रेश्यो वाले फंड को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एयरटेल ने डिजिटल एनबीएफसी प्लेटफार्म के लिए 20,000 करोड़ के निवेश का किया ऐलान; बैंकिंग क्षेत्र में मचेगी हलचल

नई दिल्ली। देश की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इकाई एयरटेल मनी लिमिटेड के माध्यम से भारत के डिजिटल वित्तीय बाजार में एक ऐतिहासिक निवेश की घोषणा की है। कंपनी अगले कुछ वर्षों में इस इकाई को 20,000 करोड़ रुपये की विशाल पूंजी से सशक्त करेगी। इस निवेश में भारती एयरटेल 70 प्रतिशत और प्रमोटर समूह की कंपनी भारती एंटरप्राइजेज लिमिटेड 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाएगी। यह कदम एयरटेल को भारत के सबसे बड़े और भरोसेमंद डिजिटल वित्तीय प्लेटफार्म के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। एयरटेल ने पिछले दो वर्षों में अपने डिजिटल प्लेटफार्म और एकीकृत चैनलों के माध्यम से एक उच्च क्षमता वाला क्रेडिट इंजन विकसित किया है। कंपनी के पास 500 से अधिक डेटा वैज्ञानिकों द्वारा संचालित एक व्यापक डेटा एनालिटिक्स इंजन है, जो ऋण वितरण की प्रक्रिया को आसान, सुरक्षित और पारदर्शी बनाएगा। वर्तमान में एयरटेल का लेंडिंग सर्विस प्रोवाइडर (एसएसपी) माडल पहले ही 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित कर चुका है। सख्त जोखिम निगरानी और रियल-टाइम डेटा प्रबंधन के कारण कंपनी का एनपीए (लोन न चुकाने की दर) उद्योग के न्यूनतम मानकों पर नियंत्रित रहा है।

2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा का डिजाइन फाइनल

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में 2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा जल्द ही कदम रखने वाली है। हाल ही में पहली बार बिना कैमोपलाज के इसकी तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे साफ हो गया है कि मिड-साइकिल फेसलिफ्ट का डिजाइन लगभग फाइनल हो चुका है। एक्सटीरियर में बड़े बदलाव न होते हुए भी कुछ कास्मेटिक अपडेट इसे मौजूदा माडल से ज़्यादा प्रीमियम और आक्रामक बनाते हैं।

स्पाई शाट्स में रिवाइज्ड फ्रंट बंपर, नया ग्रिल, अपडेटेड अलाय व्हील्स, पतली साइड क्लैडिंग और रियर में फेसलिफ्टेड टेललाइट्स व बंपर देखे जा चुके हैं। ओवरआल बाक्सी सिल्हूट बरकरार रहेगा, लेकिन नई ब्रेजा का लुक ज्यादा स्पोर्टी महसूस होगा। इंटीरियर में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा 10.25-इंच या 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा। नया डैशबोर्ड लेआउट, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, अपडेटेड डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बेहतर मैटेरियल क्वालिटी के साथ केबिन पहले से अधिक माडर्न लगेगा। मौजूदा फीचर्स जैसे हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग और कनेक्टेड कार टेक जरूर जारी रहेंगे।

सीएनजी वेरिएंट में अंडरबाडी टैंक मिलने से बूट स्पेस में बढ़ोतरी होगी। नए फीचर्स में 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स शामिल होना सबसे बड़ा अपग्रेड होगा, जो मारुति पहली बार ब्रेजा में दे सकती है। इसके अलावा बड़ा टचस्क्रीन, अडास लेवल-1, क्रूज कंट्रोल, वायरलेस एंड्रायड आटो-एप्पल कारप्ले और सिंगल-पेन सनरूफ जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं। सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग्स, श्वस्क और हिल होल्ड कंट्रोल पहले की तरह स्टैंडर्ड मिलने की उम्मीद है। इंजन लाइनअप में मौजूदा 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन (103 पीएस, 137 एनएम) और उसका सीएनजी विकल्प जारी रहेगा। हालांकि सबसे बड़ा अपडेट संभावित नया टर्बो-पेट्रोल इंजन होगा, जो 1.0-लीटर या 1.2-लीटर का हो सकता है और 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ आएगा।

फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए 108एमपी कैमरा वाले कई फोन उपलब्ध

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए 108 मेगापिक्सल मेन कैमरा वाले कुछ बेहतरीन स्मार्टफोन्स बढ़िया विकल्प साबित हो सकते हैं। इन फोन्स में आपको हाई-क्वालिटी मेन कैमरा, बड़ा और स्मूद डिस्प्ले, दमदार बैटरी और पावरफुल प्रोसेसर जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। सबसे पहले बात पोको एम6 प्लस 5जी की करें तो इसका 8जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाला वेरिएंट फ्लिपकार्ट पर 12,566 रुपये में उपलब्ध है। इस फोन में फोटोग्राफी के लिए 108 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और 2 मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा मिलता है। सेल्फी लवर्स के लिए इसमें 13 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। बड़ा 6.79 इंच का डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आता है, जो स्मूद विजुअल अनुभव देता है। फोन में स्नैपड्रैगन 4 जेन 2 एई प्रोसेसर है और 5030एमएएच की बैटरी 33वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ मिलती है। यह माडल एंड्रायड 14-बेस्ड हायपरओएस पर काम करता है। दूसरा विकल्प रेडमी नोट 15 5जी है, जो अमेजन इंडिया पर 8जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट के साथ 22,998 रुपये में उपलब्ध है। इसमें 108 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड एंगल कैमरा दिया गया है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से दबाव में भारतीय आईटी सेक्टर

फरवरी 2026 के पहले पखवाड़े में ही विदेशी निवेशकों ने आईटी शेयरों से करीब 10,965 करोड़ निकाले

मुंबई

भारतीय आईटी सेक्टर इन दिनों निवेशकों के नजरिए में दबाव का सामना कर रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई/एफपीआई) ने शीर्ष आईटी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। केवल फरवरी 2026 के पहले पखवाड़े में ही उन्होंने आईटी शेयरों से करीब 10,965 करोड़ रुपए निकाले। नेशनल डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के अनुसार यह हाल के समय की सबसे बड़ी बिकवाली में से एक है। एक अग्रणी वैश्विक स्वतंत्र निवेश बैंकिंग और पूंजी बाजार फर्म के अनुसार एफआईआई की बिकवाली के दो मुख्य कारण हैं। पहला, 2024 के अंत में चीन का शेयर बाजार आकर्षक वैल्यूएशन (करीब सात गुना अर्निंग्स) पर पहुंच गया था। इससे निवेशकों ने भारत में मुनाफा निकालकर चीन में निवेश बढ़ाया।

दूसरा, कई वैश्विक निवेशकों ने ताइवान और दक्षिण कोरिया में ओवरवेट पोजीशन ले रखी थी। पोर्टफोलियो संतुलन के लिए उन्हें अन्य बाजारों, खासकर भारत, से आंशिक निकासी करनी पड़ी। एआई क्षेत्र में चीन की मजबूत स्थिति और ओपन-सोर्स माडल ने भारत की तुलना में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसे बढ़त दी है। फर्म का मानना है कि जब तक बड़ी टेक कंपनियां एआई पर भारी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) करती रहेंगी, भारतीय बाजार तुलनात्मक रूप से कमजोर प्रदर्शन कर सकता है। अमेरिकी बाजार में इस साल यह बहस भी तेज हो सकती है कि बड़ी टेक कंपनियों द्वारा एआई में किया गया निवेश वास्तव में लाभदायक साबित हो रहा है या नहीं। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय आईटी कंपनियों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा। वैश्विक पूंजी प्रवाह में बदलाव, चीन की आकर्षक वैल्यूएशन और एआई से जुड़ी अनिश्चितताओं ने सेक्टर पर दबाव बढ़ा दिया है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कंपनियां एआइ और डिजिटल ट्रांसफार्मेशन में कैसे निवेश करती हैं और वैश्विक निवेशकों का भरोसा फिर से कैसे हासिल करती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंबानी का...

औपचारिक मंजूरी से पहले ही राशि जारी करने जैसे गंभीर आरोपों की भी पड़ताल हो रही है।सूत्रों के अनुसार, संभावित क्विड-प्रो-क्वो (लेन-देन आधारित सौदेबाजी) की भी जांच हो रही है। आरोप है कि कर्ज वितरण से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों से जुड़ी संस्थाओं को धन प्राप्त हुआ।

इस जांच में नेशनल हाउसिंग बैंक, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी), नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित कई एजेंसियों ने इनपुट साझा किए हैं।

रिलायंस होम फाइनेंस भी जांच के घेरे में है। सेबी ने वित्त वर्ष 2017-18 में 3,742.60 करोड़ रुपये से बढ़कर 2018-19 में 8,670.80 करोड़ रुपये तक कॉरपोरेट लोन वितरण में तेज उछाल को लेकर सवाल उठाए हैं।ईडी यह जांच कर रही है कि क्या यह वृद्धि कथित कर्ज डायवर्जन योजना से जुड़ी थी, साथ ही संबंधित पक्षों को तेजी से मंजूरी देकर कर्ज देने के आरोपों की भी पड़ताल हो रही है।

इस कार्रवाई से पहले एसबीआई ने आरकॉम और इसके प्रमोटर अनिल अंबानी को भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत फ्रॉड घोषित किया था। एसबीआई का एक्सपोजर 2,227.64 करोड़ रुपये के फंड-आधारित कर्ज और 786.52 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी का है. मामले की सूचना आरबीआई को दे दी गई है और बैंक सीबीआई में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है।

जय श्री...

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य के सरकारी डायलिसिस केंद्रों में उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने इस मामले में विस्तृत जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के निर्देश देने पर विचार करने को कहा है।

सिकंदराबाद स्टेशन...

ताकि लोग बिना किसी परेशानी के आवाजाही कर सकें। स्टेशन के विकास कार्य अब अपने अंतिम चरण में हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 10 की ओर चल रहे पहले चरण का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। दक्षिण मध्य रेलवे इसे मार्च के अंत तक यात्रियों के लिए खोलने की तैयारी कर रहा है। चार मंजिलों में फैला यह 'आइकॉनिक स्टेशन भवन' 22,516 वर्ग मीटर के क्षेत्र में निर्मित है, जो यात्रियों को एक विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेगा।

1 अप्रैल से देशभर...

अधिक की विदेशी मुद्रा बचाई है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2023-2025 के बाद भारत में निर्मित अधिकांश वाहन ई20 ईंधन के अनुकूल डिजाइन किए गए हैं, इसलिए नए वाहनों में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। हालांकि, पुराने वाहनों के मामले में कुछ चुनौतियाँ हो सकती हैं ।माइलेज में कमी: पुराने वाहनों के माइलेज में 3 से 7 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी जा सकती है।

पुर्जों पर प्रभाव: रबर और प्लास्टिक के कुछ पुर्जों में घिसाव की संभावना हो सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 26 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी अनुसंधान एवं विकास केंद्र और आईआईटी हैदराबाद के बीच समझौता सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज और धातु क्षेत्र के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (आईआईटीएच) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक (आरएंडडी) संजीव साही और आईआईटी हैदराबाद के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श) ने आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी. एस. मूर्ति की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह साझेदारी फील्ड की विशेषज्ञता और अकादमिक उत्कृष्टता के बीच एक मजबूत सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है। एनएमडीसी और आईआईटी हैदराबाद एक साथ मिलकर लौह अयस्क बेनीफिशिएशन और एग्लोमेरेशन, हरित इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकियों, स्वदेशी कच्चे माल का उपयोग करके वैकल्पिक लौह निर्माण, और खनन और धातुकर्म प्रक्रियाओं के उन्नत मॉडलिंग और सिमुलेशन में अनुसंधान को आगे बढ़ाएंगे। यह सहयोग प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों से महत्व-पूर्ण और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उत्खनन में नए रास्ते भी बनाएगा, जिससे भारत की खनिज सुरक्षा और संसाधन उपलब्धता सुदृढ होगी।

खनन क्षेत्र में तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन के साथ सरेखित, एमओयू स्वायत्त वाहन चालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), माइनिंग 4.0 फ्रेमवर्क और ड्रोन-सक्षम सर्वेक्षण और निगरानी में अनुसंधान और पायलट पहलों को चलाएगा। परिचालन शक्ति को अनुसंधान-संचालित नवाचार के साथ एकीकृत करके, गठजोड़ का उद्देश्य टिकाऊ, प्रौद्योगिकी-चालित समाधान प्रदान करना है जो भारत के विकासशील खनिज परिदृश्य में दक्षता, उत्पादकता और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ाता है।

अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने समझौता ज्ञापन संपन्न होने के अवसर पर कहा, आईआईटी हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन उद्योग-अकादमिक गठजोड़ नवाचार के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। आईआईटी हैदराबाद की अनुसंधान उत्कृष्टता और एनएमडीसी की डोमेन विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, यह साझेदारी खनन, खनिज प्रसंस्करण और उभरते क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाएगी, जो सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत के विजन में योगदान देगी।

यह साझेदारी नवाचार-संचालित विकास के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता और अनुसंधान को प्रभावशाली औद्योगिक अनुप्रयोगों में बदलने में आईआईटी हैदराबाद की भूमिका को रेखांकित करती है। दोनो संस्थान साथ मिलकर आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विज़न में योगदान देंगे। विशेष रूप से, यह सहयोग एक ऐतिहासिक क्षण में आया है क्योंकि एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज विकास के इतिहास में समर्पित योगदान के 50 वर्ष पूरे किए हैं, जो अनुसंधान में उत्कृष्टता की अपनी विरासत और तकनीकी उन्नति के अपने निरंतर प्रयासों को और अधिक मजबूती प्रदान करता है।

श्री श्याम मन्दिर में 'फाल्गुन एकादशी महोत्सव' कल

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री काँची कामकोटि पीठम् के अधीन श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में काचीगुड़ा, वीरन्नागुट्टा स्थित श्री श्याम मन्दिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी फाल्गुन सुदी 11 एकादशी के उपलक्ष्य में शुक्रवार, 27 फरवरी को 'फाल्गुन एकादशी महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी समिति के मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

निशान शोभा यात्राओं का होगा भव्य स्वागत

विज्ञप्ति के अनुसार, श्री श्याम फाल्गुन उत्सव के अंतर्गत प्रातः 8 बजे से नगर की विभिन्न श्याम संस्थाओं द्वारा अलग-अलग स्थानों से निकाली जाने वाली भव्य निशान शोभा यात्राओं का मंदिर परिसर में स्वागत किया जाएगा।अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया और संवारा जाएगा। छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा तथा बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। निशान यात्राओं के साथ पधारे भक्तों के लिए मंदिर परिसर में अल्पाहार एवं जल की व्यवस्था भी की जाएगी।

10 मार्च को भजन संध्या का आयोजन

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव के अंतर्गत सोमवार, 10 मार्च को रात्रि 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। प्रभुदयाल पंच परिवार, टिबा बसईवाले द्वारा करने वाला श्याम – कराने वाले श्याम शीर्षक से भजन प्रस्तुति दी जाएगी।इसके अतिरिक्त मुम्बई के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी, रांची की तत्शा गुप्ता तथा वृंदावन के ध्रुव शास्त्री बाबा श्यामजी के सुमधुर भजन प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर श्री श्याम बाबा का अद्भुत एवं आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा।

फाल्गुन सुदी 11 एकादशी, 27 फरवरी को मंदिर प्रातः 6 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक तथा सायं 4 बजे से मध्यरात्रि तक भक्तों के दर्शनार्थ खुला रहेगा।श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति ने सभी भक्तों एवं सदस्यों से अपील की है कि वे फाल्गुन सुदी ग्यारस के उपलक्ष्य में आयोजित फाल्गुन एकादशी महोत्सव में मंदिर पधारकर बाबा के अलौकिक श्रृंगार एवं दर्शन कर श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

अग्रसेन जी महाराज की तपोस्थली अग्रोहा धाम में राधे राधे ग्रुप का प्रतिनिधिमंडल

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना के सहमंत्री जगतनारायण अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को हरियाणा स्थित भगवान अग्रसेन जी महाराज की तपोस्थली अग्रोहा धाम में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक दर्शन-वंदन किए।

अग्रोहा धाम पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का वहां के पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं सेवा कार्यों के विस्तार पर चर्चा की गई। जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतसमानता, सहयोग और सेवाआज भी समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राधे राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान एवं अन्य सामाजिक सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है और भविष्य में भी सेवा कार्यों को गति देता रहेगा।

प्रतिनिधिमंडल में जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, कमल अग्रवाल, लता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा देवी अग्रवाल, संतोष अग्रवाल एवं भूमिका अग्रवाल शामिल रहे। सभी सदस्यों ने समाज की सुख-समृद्धि और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना की।

एकल अभियान, दक्षिण भारत प्रभाग–09 का संरक्षक प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वनबंधु परिषद तेलंगाना चैप्टर के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, एकल अभियान दक्षिण भारत प्रभाग–09 के अंतर्गत भाग्यनगर (हैदराबाद) में प्रभाग एवं संभाग संरक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 23 फरवरी 2026, सोमवार को बशीर बाग, हैदराबाद स्थित बिकानेर वाला के बैंक्वेट हॉल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य उद्देश्य नगर संगठन, ग्राम संगठन एवं सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के मध्य प्रेम सेतु का निर्माण कर आपसी समन्वय को सुदृढ़ एवं सुनिश्चित करना रहा। साथ ही संरक्षकों एवं ग्राम संगठन समिति के सेवाव्रती कार्यकर्ताओं को संगठन की संरचना, लक्ष्य एवं उद्देश्य स्पष्ट रूप से समझाए गए।

कार्यक्रम में संरक्षकों की भूमिका, संगठन की उनसे अपेक्षाएँ तथा दायित्व-बोध जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। लगभग तीन घंटे तक प्रशिक्षण, संवाद, चर्चा एवं मार्गदर्शन का सत्र चला, जिसका दूरगामी सकारात्मक प्रभाव भविष्य में संगठन की कार्यशैली एवं समन्वय में परिलक्षित होने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

प्रशिक्षण वर्ग में केंद्रीय स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों का सानिध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनमें प्रमुख रूप से रमेश सरावगी (एकल कोर टीम सदस्य एवं वनबंधु परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), अतुल शाह (राष्ट्रीय अध्यक्ष, एकल ग्राम संगठन), श्रीमती रूपा अग्रवाल (राष्ट्रीय महामंत्री, वनबंधु परिषद), विनोद अग्रवाल (उपाध्यक्ष, वनबंधु परिषद दक्षिण भारत) और श्रीमती नीता बंसल (उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी – एकल अभियान) आदि उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त तेलंगाना के दोनों चैप्टरों के पदाधिकारी, एफटीएस युवा समिति सदस्य, संभाग समिति, प्रभाग एवं संभाग प्रमुख, चैप्टर समन्वयक तथा फील्ड समन्वयक पूर्ण समय उपस्थित रहे।

इस प्रशिक्षण वर्ग में कुल लगभग 45 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। संगठनात्मक दृष्टि से यह प्रशिक्षण वर्ग अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ। सहभागी कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के सुदृढ़ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पहाड़ी श्याम मन्दिर में 'श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव' आज से

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फाल्गुन मास ग्यारस के उपलक्ष्य में महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मन्दिर में 26 से 28 फरवरी तक 'श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में पधारने हेतु माल्काजगिरी के डीसीपी चि. श्रीधर (आईपीएस), एडिशनल डीसीपी माल्काजगिरी रामकुमार, एडिशनल डीसीपी टास्क फोर्स ए. श्रीनिवास तथा सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से विधायक नारायण श्रीगणेश को औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर पहाड़ी श्याम मन्दिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल एवं लड्डू महाराज ने अतिथियों को महोत्सव में सपरिवार उपस्थित होकर बाबा श्याम के दर्शन करने का आमंत्रण दिया।

मंदिर समिति के अनुसार, तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

हिम्मताराम भांभू का भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अलमासगुडा स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर भवन, कान्हा शांति वनम, हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा जैव विविधता सम्मेलन के सम्मान में पद्मश्री से अलंकृत पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में तेलंगाना की वन एवं पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजस्थान के प्रख्यात पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू को पद्मश्री सम्मान प्राप्त होने पर विशेष अभिनंदन किया गया। समारोह के दौरान उन्हें राजस्थानी साफा पहनाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जाट समाज ट्रस्ट मंदिर भवन, अलमासगुडा के अध्यक्ष दुदाराम बाबल, संरक्षक सोहनलाल बागड़, बाबूलाल पुनिया, कोषाध्यक्ष लिकमाराम खोखर, धर्माराम ढाका, कैलाश सारण, गौतम पुनिया, बुधाराम ढाका, विदाराम, थानाराम ढाका, बुधाराम, बुधाराम पुनिया, श्रवण जाखड़, रमेश भाड़िया, दोल-राम कड़वा, चिमनाराम मुदियाड़ा, मोहन ढाका सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एडोब के सीईओ रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन पर चर्चा की

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार, 25 फरवरी को इस बात पर जोर दिया कि प्रतिष्ठित वैश्विक कंपनियों से निवेश आकर्षित करने और राज्य को विनिर्माण केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक योजनाओं की परिकल्पना करने की आवश्यकता है।नारायण और रेड्डी ने वैश्विक रुझानों और निवेश के अवसरों को लेकर राज्य सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की।

उन्होंने वैश्विक विनिर्माण, हरित ऊर्जा और नौकरियों, कौशल विकास और पुनर्कौशल विकास पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव पर अपने विचार साझा किए ।

मुख्यमंत्री ने नारायण से अर्थव्यवस्था पर एआई क्रांति के प्रभाव और आने वाले दिनों में एआई के प्रभावी उपयोग के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने तेलंगाना को विकास के पथ पर आगे ले जाने और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बोर्ड सदस्य से और अधिक सहयोग मांगा।

तेलंगाना में तहसीलदार, आरडीओ कार्यालयों के लिए अब और किराए की इमारतें नहीं : पोंगुलूटी

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार, 25 फरवरी को कहा कि सरकार ने जनता के लिए कुशल, पारदर्शी और सुलभ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना भर में तहसीलदार और राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण का निर्णय लिया है।

मंत्री ने घोषणा की कि पहले चरण में, किराए के परिसरों से संचालित हो रहे 60 तहसीलदार कार्यालयों और पांच आरडीओ कार्यालयों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्थायी भवनों का निर्माण किया जाएगा।

दूसरे चरण में, जर्जर इमारतों में चल रहे 170 तहसीलदार और आरडीओ कार्यालयों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य भर में सभी नए भवनों का डिज़ाइन एक समान होगा ताकि सुगमता, कार्यकुशलता और जनसुविधा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से परामर्श के बाद डिजाइन को अंतिम रूप दिया जाएगा और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करते हुए निर्माण कार्य लागत प्रभावी तरीके से किया जाएगा।

मंत्री ने सचिवालय में राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की , जिसके दौरान किराए के परिसरों से संचालित तहसीलदार और आरडीओ कार्यालयों की संख्या के साथ-साथ संरचनात्मक रूप से कमजोर या अनुपयुक्त भवनों से संचालित होने वाले कार्यालयों की संख्या के बारे में जानकारी जुटाई गई।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि जनता की सेवा करने वाले सरकारी कार्यालयों को अस्थायी या किराए के परिसरों के बजाय गरिमापूर्ण और स्थायी बुनियादी ढांचे से संचालित होना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के गठन से पहले और बाद में भी, कई राजस्व कार्यालय पर्याप्त बुनियादी ढांचे के बिना और ज्यादातर किराए की इमारतों से काम करते रहे, जिससे जनता को असुविधा हुई।

उन्होंने पूर्व सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उसने उचित योजना के बिना मंडलों का पुनर्गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मंडल कई जिला अधिकार क्षेत्रों के अंतर्गत आ गए।

उन्होंने कहा कि अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और कई कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी के कारण नागरिकों को राजस्व सेवाओं तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

मंत्री ने कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद, वर्तमान सरकार ने नवगठित मंडलों के लिए आवश्यक पदों को मंजूरी दी और सेवा वितरण में सुधार के लिए प्रशासनिक प्रणालियों को मजबूत किया।

उन्होंने पूर्व प्रशासन की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उसने कुछ कलेक्ट्रेट भवनों का निर्माण दूरस्थ स्थानों पर किया और उनके प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में विफल रहा।

स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस एकीकृत कार्यालय परिसरों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आउटर रिंग रोड की सीमा के भीतर, हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मल्काजगिरि और संगारेड्डी जिलों में स्थित 39 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को एकीकृत सुविधाओं के निर्माण के लिए 12 समूहों में बांटा गया है।

गाचीबौली, मेडचल-मलकाजगिरि और पाटनचेरु में आधारशिला रखी जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि गाचीबौली स्थित संयंत्र का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और आने वाले महीनों में इसके चालू होने की उम्मीद है।

होली की भीड़ को देखते हुए राजकोट और महबूबनगर के बीच विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (एस-सीआर) होली के कारण मार्च में यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए राजकोट और महबूबनगर के बीच विशेष ट्रेन सेवाओं का विस्तार करेगा, बोर्ड द्वारा बुधवार, 25 फरवरी को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

ट्रेन संख्या 09575 राजकोट से महबूबनगर के लिए सोमवार को यानी 2, 9, 16, 23 और 30 मार्च को चलेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 09576 महबूबनगर से राजकोट के लिए मंगलवार को यानी 3, 10, 17, 24 और 31 मार्च को चलेगी।

होली के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए एससीआर कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच दो विशेष ट्रेनें भी चलाएगी। ट्रेन नंबर 01927 कानपुर सेंट्रल से मदुरै के बीच 25 फरवरी से 25 मार्च तक हर बुधवार को चलेगी।

ट्रेन नंबर 09128 मदुरै से कानपुर सेंट्रल तक 27 फरवरी से 27 मार्च तक हर शुक्रवार को चलेगी।

मार्ग पर प्रमुख पड़ावों में झाँसी, भोपाल, नागपुर, बल्हारशाह, रामागुंडम, वारंगल, विजयवाड़ा, नेल्लोर, काटपाडी, सलेम, करूर और डिंडीगुल शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन ट्रेनों में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और सेकंड क्लास के कोच उपलब्ध हैं।

इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट होने के बाद यूट्यूबर अन्वेश के खिलाफ अलर्ट जारी किया गया

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर अन्वेश के इंस्टाग्राम अकाउंट ना अन्वेशना को डिलीट किए जाने के कुछ दिनों बाद, पंजागुट्टा पुलिस ने बुधवार, 25 फरवरी को उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया।

यह नोटिस तेलुगु अभिनेत्री और हास्य कलाकार कराटे कल्याणी की शिकायत के आधार पर जारी किया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि अन्वेश ने अतीत में एक वीडियो में हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दस लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के डिलीट होने के बाद, अन्वेश ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि वह दो इंस्टाग्राम अकाउंट और दो यूट्यूब चैनल चलाता है।

चल रही जांच के तहत पुलिस द्वारा इंस्टाग्राम और यूट्यूब से भी उसके खातों की जानकारी प्राप्त करने की संभावना है। उससे पूछताछ के लिए उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करने और संबंधित डिजिटल साक्ष्यों की जांच करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दमरे ने भारत का पहला रेल पार्सल डिजिटल मार्केटप्लेस लॉन्च किया

आईआईएम बैंगलोर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने मंगलवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में आयोजित रेल पार्सल लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव में रेल-आधारित पार्सल सेवाओं के लिए भारत के पहले डिजिटल ई-मार्केटप्लेस, अगली पीढ़ी के रेल पार्सल एप्लिकेशन का अनावरण किया।

वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने औपचारिक रूप से इस एप्लिकेशन का शुभारंभ किया । इस पहल को डिजिटल परिवर्तन में एक बड़ी छलांग बताते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐप घर-घर पार्सल बुकिंग और डिलीवरी को सुगम बनाता है , जिससे कागजी कार्रवाई और पार्सल कार्यालयों में लंबी कतारों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि रेल पार्सल एप्लिकेशन वास्तविक समय में शिपमेंट ट्रैकिंग , स्वचालित अलर्ट, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं का पारदर्शी चयन और सुरक्षित डिजिटल भुगतान विकल्प प्रदान करता है , जिससे पार्सल की आवाजाही तेज, अधिक विश्वसनीय और ग्राहक-अनुकूल हो जाती है।

अपने प्रायोगिक चरण में, इस एप्लिकेशन को हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, राजमुंद्री, विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और चेन्नई सहित प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है।

इसी अवसर पर, एससीआर ने दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में माल ढुलाई लॉजिस्टिक्स बाजार का व्यापक अध्ययन करने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बैंगलोर (आईआईएमबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के तहत, आईआईएमबी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन सप्लाई चेन मैनेजमेंट मांग का पूर्वानुमान लगाएगा, प्रतिस्पर्धात्मकता का विश्लेषण करेगा, उद्योग जगत से परामर्श करेगा, बुनियादी ढांचे की कमियों का आकलन करेगा और माल ढुलाई में वृद्धि और रेल आधारित लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करेगा।एससीआर के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और विभिन्न विभागों के प्रमुख शामिल थे, इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेलंगाना सीआईडी ने 792 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में फाल्कन के पूर्व सीओओ को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 25 फरवरी

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने फाल्कन ग्रुप के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) विकास कुमार सखारे को एक बड़े निवेश धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है, जिसमें कथित तौर पर हजारों जमाकर्ताओं को धोखा दिया गया था।

सीआईडी के अनुसार, कंपनी ने अपने फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग ऐप के माध्यम से 7,056 जमाकर्ताओं से 4,215 करोड़ रुपये एकत्र किए। इनमें से 4,065 निवेशकों को अल्पकालिक निवेश योजनाओं के माध्यम से उच्च रिटर्न का वादा करके कथित तौर पर 792 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया।

40 वर्षीय सखारे को हैदराबाद के हैदरशकोट स्थित लक्ष्मी नगर कॉलोनी में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। उन्हें न्यायिक हिरासत के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन उनसे जब्त किया गया है।

जांचकर्ताओं ने बताया कि फाल्कन ग्रुप के अंतर्गत काम करने वाली कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड ने फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग ऐप विकसित किया और गूगल, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसका आक्रामक रूप से प्रचार किया। आरोप है कि टेलीकॉल करने वालों ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम पर फर्जी व्यापारिक सौदे बनाकर निवेशकों को लुभाया और जमा के रूप में बड़ी रकम एकत्र की, इनवॉइस रसीदें और समझौते जारी किए और फिर भुगतान में विफल रहे। सीआईडी ने आरोप लगाया कि सखारे ने योगेंद्र सिंह के साथ मिलकर मुख्य आरोपी, फाल्कन ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रबंध निदेशक अमर दीप कुमार और अन्य लोगों के साथ निवेशकों को आकर्षित करने और धोखाधड़ी को अंजाम देने की साजिश रची। पीड़ितों की शिकायतों के बाद यह घोटाला सामने आया। साइबरबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2), 318(4) और 61(2) तथा तेलंगाना वित्तीय प्रतिष्ठानों के जमाकर्ताओं के संरक्षण अधिनियम (टीएसपीडीएफई) अधिनियम, 1999 की धारा 5 के तहत तीन मामले दर्ज किए गए थे।

बाद में इन मामलों को आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया। इसके अतिरिक्त, कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ देशभर में 10 संबंधित मामले दर्ज किए गए हैं।

एक सलाह में, सीआईडी ने जनता से आग्रह किया कि वे अवास्तविक रिटर्न का वादा करने वाली ऑनलाइन निवेश योजनाओं के झांसे में न आएं और निवेशकों को अपनी मेहनत की कमाई का निवेश करने से पहले प्रमाण-पत्रों की पुष्टि करने की चेतावनी दी।

नागरकुर्नूल शिशु की मौत; केटीआर ने अपराधियों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाने की मांग की

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार, 25 फरवरी को तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में कुम्मेरा मल्लन्ना जतारा के दौरान दो महीने के शिशु की हत्या की कड़ी निंदा की और पार्टी संबद्धता की परवाह किए बिना दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।उन्होंने कहा कि इस अमानवीय त्रासदी पर पूरा तेलंगाना समाज शोक और पीड़ा से सिर झुकाए खड़ा है, और उन्होंने जोर देकर कहा कि जो कोई भी इस निर्दोष बच्चे के हत्यारों का साथ देता है, वह निस्संदेह दोषी है।

केटीआर ने नागरकुर्नूल जिले के कुम्मेरा गांव का दौरा किया और मृतक बच्चे के परिवार को सांत्वना दी।

उन्होंने न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विभिन्न वर्गों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पीड़ित परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

यह घटना 18 फरवरी को घटी जब ओबीसी समुदाय से संबंधित परिवार को कथित तौर पर मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया गया और कुछ लोगों ने

उन पर हमला कर दिया।

बच्चे को गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 21 फरवरी को उसकी मृत्यु हो गई।

बीआरएस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हों, स्थानीय विधायक हों या स्थानीय सांसद हों, किसी के लिए भी बच्चे की जान लेने वालों का समर्थन करना सरासर गलत है।

कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए केटीआर ने कहा कि अपराधी चाहे कोई भी हो या किसी भी पार्टी से संबंधित हो, उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए।

उन्होंने विशेष रूप से मांग की कि हमले में शामिल आठों आरोपियों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाया जाए और उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

केटीआर ने राज्य सरकार से मृतक के परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की भी मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि हत्यारों को दंडित और कैद किया जाना चाहिए, और यदि आवश्यक हो तो उन्हें मृत्युदंड दिया जाना चाहिए, लेकिन किसी भी परिस्थिति में उन्हें बरी नहीं किया जाना चाहिए।

राज्य सरकार की चुप्पी की आलोचना करते हुए, केटीआर ने आरोप लगाया कि सरकार अपने अधिकार का दुरुपयोग करके और पुलिस को प्रभावित करके जांच को गुमराह करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने सरकार की निष्क्रियता और मुख्यमंत्री की इस बर्बर घटना पर चुप्पी को क्षमाहीन बताया।

केटीआर ने कहा कि वे एक राजनीतिक नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक पिता और समाज के सदस्य के रूप में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े होने आए हैं। उन्होंने मासूम बच्ची की मृत्यु के तरीके को एक अवर्णनीय त्रासदी बताया।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि न्याय मिलने तक लड़ाई लड़ने की जिम्मेदारी मीडिया, राजनीतिक नेताओं और जनता, सभी की है।

घटना की पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए केटीआर ने कहा कि जब चंद्रकला का परिवार मल्लन्ना स्वामी जतारा में प्रार्थना करने का अवसर तलाश रहा था, तब उन पर बेरहमी से हमला किया गया, जिससे मानवता कलंकित हुई।उन्होंने कहा कि कुम्मेरा की घटना ने पूरे तेलंगाना समाज को पीड़ा और दुख से भर दिया है।केटीआर ने चिंता व्यक्त की कि 21वीं सदी में भी जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव और हिंसा जारी है। उन्होंने इसे शर्मनाक बताया कि राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल करके हत्यारों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि 20-25 लोगों ने गणेश के परिवार पर भीड़ द्वारा हमला किया और बच्चे को बख्शने की गुहार के बावजूद, हमलावरों ने शिशु को अत्यंत बर्बर तरीके से पीट-पीटकर मार डाला।

सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूट्स द्वारा

दादाश्री महाराज को 'ग्लोबल लाइफ टाइम अचीवमेंट' एवं 'ग्लोबल पीस एम्बेसडर' सम्मान

पुणे, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वैश्विक स्तर पर प्रेम, मैत्री, करुणा, अध्यात्म और मानसिक शांति का संदेश देते हुए मानवीय मूल्यों के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रेमावतार मैत्रीबोध दादाश्री महाराज को सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूट्स, पुणे की ओर से वर्ष 2026 के दो प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए गए।

उन्हें 'ग्लोबल लाइफ टाइम अचीवमेंट' एवं 'ग्लोबल पीस एम्बेसडर अवॉर्ड–2026' से सम्मानित किया गया। यह समारोह सूर्यदत्त समूह के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया एवं उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

दादाश्री के आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें सूर्यदत्त समूह की सर्वोच्च विशेष उपाधि 'सूर्यरत्न – द मॉडर्न संत ऑफ इंडिया' से भी विभूषित किया गया।

सूर्यरत्न उपाधि पूर्व में देश–विदेश की अनेक आध्यात्मिक विभूतियों को प्रदान की जा चुकी है। इस गौरवशाली परंपरा में दादाश्री का समावेश सूर्यदत्त समूह के लिए गर्व का विषय बताया गया।

सूर्यदत्त समूह की यात्रा में यह आयोजन विशेष महत्व का सिद्ध हुआ। कार्यक्रम केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित न रहकर अध्यात्म और आधुनिक विचारधारा के समन्वय का प्रतीक बना। पहली बार प्रदान किए गए 'ग्लोबल पीस एम्बेसडर अवॉर्ड–2026' ने इस सम्मान की गरिमा को और सुदृढ़ किया।

अपने उद्बोधन में प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने कहा कि वर्तमान युग में भौतिक प्रगति तो हो रही है, किंतु मानसिक शांति पीछे छूटती जा रही है। ऐसे समय में प्रेम, मैत्री और करुणा का संदेश देने वाला दादाश्री का कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

पुरस्कार स्वीकार करते हुए दादाश्री ने कहा कि सूर्यदत्त जैसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था से प्राप्त यह सम्मान उनके लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को ज्ञान के साथ–साथ प्रेम, शांति और मानवीय मूल्यों की भी आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मैत्रीबोध और सूर्यदत्त दोनों संस्थाएँ मानव एकता और वैश्विक शांति के उद्देश्य से कार्य कर रही हैं।

समारोह के दौरान संपूर्ण सभागार सकारात्मक ऊर्जा और शांत वातावरण से परिपूर्ण रहा, जिसने कार्यक्रम को प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया।

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का आयोजन साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड्डा चौरस्ता, अतापुर, हैदराबाद में संपन्न होगा।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी धर्मावलंबी बंधुओं को कार्यक्रम में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि कथा वाचक बाल व्यास सुश्री हरि प्रिया वैष्णवी अपनी अमृतमयी एवं मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगी। कथा के दौरान मुख्य यजमान, सह–यजमान, सात दिवसीय दैनिक यजमान, कलश यात्रा यजमान, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव यजमान तथा श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह उत्सव यजमान बनने का अवसर भी रहेगा।

समिति ने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया है कि वे समिति अध्यक्ष के पास अपना एवं अपने परिवार का नाम पंजीकृत कराकर कार्यक्रम के सहयोगी बनें और पुण्य के भागीदार बनें।

इसी संदर्भ में रविवार, 8 मार्च को प्रातः 11 बजे साईं बाबा मंदिर, एन.एम. गुड्डा, अतापुर में एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज के धार्मिक बंधुओं को आमंत्रित किया गया है। समिति का विश्वास है कि सभी के सुझावों और सहयोग से कार्यक्रम को भव्य रूप दिया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा के दौरान प्रतिदिन सायं आरती के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। सभी धर्मावलंबी बंधुओं से महाप्रसादी में सहयोग कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया गया है।समिति ने सभी श्रद्धालुओं से सहपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा श्रवण कर जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया है। अन्य जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल समाज रामनगर शाखा का होली मिलन 3 मार्च को

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि शाखा द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मीडिया प्रवक्ता दीपक गुप्ता, मानद सचिव, अग्रवाल समाज रामनगर शाखा ने बताया कि होली के पावन अवसर पर फूलों की होली अपनों के संग... थीम के साथ विशेष उत्सव का आयोजन किया जाएगा। फूलों की बौछार और उमंग–उत्साह से भरपूर इस आयोजन में सदस्यगण अपने परिवार एवं मित्रों के साथ शामिल होकर होली की आनंदमयी संध्या का हिस्सा बनेंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत लाइव संगीत एवं गायकों की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी। होली के रंगों के साथ संगीत और नृत्य का समन्वय उपस्थित जनों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेगा।

यह कार्यक्रम दि. 3 मार्च को रात्रि 8 बजे से अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल, पैराडाइज, सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगाशाखा ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे इस आयोजन में उपस्थित होकर आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ होली की भावना का उत्सव मनाएं, यादगार पल साझा करें और खुशियों को बांटें।

निस्वार्थ सेवा अनुपम उदाहरण राधे–राधे ग्रुप : ई. जगन

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265–ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ई जगन (चम्पापेट) ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा की जा रही निस्वार्थ सेवा वास्तव में अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंदों को अन्नदान करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। ऐसे सेवा कार्यों से न केवल भूखों को भोजन मिलता है, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता की भावना भी मजबूत होती है।

ई जगन ने आगे कहा कि इस प्रकार के नियमित कार्यक्रम समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा देते हैं कि वे भी सेवा के मार्ग पर चलें और अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें। राधे–राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इस सेवा कार्य में भाग ले रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गोयल, किरण गोयल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, ई–जगन (चम्पापेट), मनीष अग्रवाल एवं भगतराम गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज सोमाजी गुड़ा–बेगमपेट की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज सोमाजी गुड़ा–बेगमपेट की मासिक बैठक बेगमपेट स्थित पर्यटक भवन में आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा–अर्चना से किया गया। शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने सभा में पधारे सभी सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उनका स्वागत किया।

सभा के दौरान केंद्रीय समिति सदस्य सुमन गुप्ता ने आगामी होली महोत्सव के अवसर पर आत्म गौरव भवन में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शाखा की महिला सदस्यों से सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया।इस अवसर पर शाखा सचिव प्रीति अग्रवाल ने आगामी माह की 15 तारीख को आयोजित होने वाले शाखा के होली मिलन समारोह में सभी सदस्यों को सपरिवार सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

बैठक में शाखा पदाधिकारी कविता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शशि गुप्ता, सुमन गुप्ता सहित अन्य सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बैठक का समापन आपसी संवाद एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ हुआ।

ऑल इंडिया ऑल टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने टीटीडी ईओ से की मुलाकात

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया ऑल टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर.के. जैन ने बुधवार को अमरावती में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) मुद्ददा रविचंद्र, आईएएस से सीएमओ कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान श्री जैन ने देशभर के प्राचीन एवं बंद पड़े मंदिरों को पुनः प्रारंभ करने के ट्रस्ट के मिशन एवं विज़न की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से तेलुगु राज्यों में पुराने मंदिरों के पुनरुद्धार (रेस्टोरेशन) कार्यों के लिए सहयोग एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। ट्रस्ट द्वारा पहले चरण (फर्स्ट फेज़) के अंतर्गत प्रारंभिक कार्य शुरू किए जाने की जानकारी भी दी गई।

टीटीडी के ईओ मुद्ददा रविचंद्र ने ट्रस्ट की पहल की सराहना करते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और मंदिरों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्टी जितेंद्र सिंह एवं बाबूलाल जैन भी उपस्थित रहे।

माँ बनभौरी वाली जी की दूसरी निशान यात्रा 25 अप्रैल को

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां बनभौरी परिवार भाग्यनगर के संस्थापक श्री सुशील मित्तल ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 25 अप्रैल, शनिवार को हरियाणा के उचाना मंडी से मां बनभौरी वाली जी के धाम बनभौरी धाम तक दूसरी पैदल निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

माँ बनभौरी परिवार भाग्यनगर के तत्वावधान में आयोजित इस पावन यात्रा में भक्तजन लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करेंगे। श्रद्धालु माता जी का निशान लेकर भक्ति भाव से नाचते–गाते एवं झूमते हुए धाम तक पहुंचेंगे। परिवार की ओर से सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में इस पावन यात्रा में भाग लेने की अपील की गई है। जो भी श्रद्धालु इस यात्रा में सम्मिलित होना चाहते हैं, वे 9441184130 और 9440234231 पर संपर्क कर सकते हैं। मां बनभौरी परिवार ने श्रद्धालुओं से विनम्र निवेदन किया है कि वे इस भक्ति यात्रा में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

तेलंगाना में इंटरमीडिएट परीक्षाएं शुरू

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षाओं के लिए पूरे इंतज़ाम किए गए हैं। परीक्षाएं 18 मार्च तक सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे के बीच होंगी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक राज्य भर में 1,495 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें कुल 9,82,071 छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें से 4,53,832 प्रथम वर्ष और 5,28,239 द्वितीय वर्ष के छात्र हैं।

छात्रों को परेशानी से बचाने के लिए सभी केंद्रों पर दो–दो डेस्क की व्यवस्था की गयी है। चिकित्सा सुविधाएं, पीने का पानी और ज़रूरी दवाएं दी गयी हैं, जबकि हर केंद्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षाओं पर इंटरमीडिएट बोर्ड कार्यालय में एक कमांड कंट्रोल सेंटर के ज़रिए नज़र रखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के आस–पास धारा 144 लगा दी गई है। हॉल टिकट पर परीक्षा केन्द्र की पहचान के लिए क्यूआर कोड मौजूद हैं। इन्हें व्हाट्सऐप और मोबाइल नंबर पर भेजे गए लिंक के ज़रिए डाउनलोड किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि परीक्षा कक्ष के अंदर मोबाइल फ़ोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट प्रतिबंधित हैं। सभी केन्द्रों पर पहली बार अमानती सामान घर शुरू किए गए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह की चूक पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, साथ ही कहा कि यूनिक क्यूआर कोड और सीरियल नंबर वाले प्रश्न पत्र परीक्षा से सिर्फ़ 15 मिनट पहले खोले जाएंगे। तेलंगाना सरकार ने इंटरमीडिएट और एसएससी परीक्षा देने वाले छात्रों को भी तय समय से पांच मिनट बाद तक केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी है।

बेगम बाजार पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लेकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना जाता है। भोजन वितरण के माध्यम से न केवल भूखे लोगों का पेट भरता है, बल्कि सेवा करने वाले को भी आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। राधे–राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को निरंतर बढ़ाना है।

इस अवसर पर गोविन्द राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

गौ चिकित्सालय निमाज राजस्थान से राष्ट्रीय हिन्दू युवा फॉर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण कुमावत के हैदराबाद आगमन पर स्वागत सम्मान करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सी.आर.कुमावत, दिनेश बाकरेचा, चंपालाल खेड़ावत, रमेश घोड़ावड, चेनाराम , जितेंद्र, दूदाराम एवं अन्य उपस्थित रहे।

सेवा का प्रथम अनुभव अविस्मरणीय: संगीता गुप्ता

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क (कवर पार्क) क्षेत्र में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में आज पहली बार पहुंचीं संगीता गुप्ता ने अपने भावुक अनुभव साझा किए।

संगीता गुप्ता ने कहा कि यह उनका पहला अवसर है जब वे इस सेवा कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। उन्होंने भावुक स्वर में कहा, आज यहां आकर मुझे ऐसा अनुभव हुआ जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

राधे–राधे ग्रुप जो निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय और उदाहरण प्रस्तुत करने योग्य है।

उन्होंने बताया कि उनके पति संजय गुप्ता जी नियमित रूप से इस अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते रहे हैं, लेकिन उन्हें स्वयं आज पहली बार सहभागी बनने का अवसर मिला।

अब समझ में आ रहा है कि सेवा का वास्तविक आनंद क्या होता है।

मैं अब तक क्यों नहीं आ पाई, यह सोचकर मन में भावुकता भी है, उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा को सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाने के साथ–साथ समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। नियमित रूप से चल रहे इस अन्नदान कार्यक्रम में अनेक सदस्य बढ़–चढ़कर भाग ले रहे हैं और मानवता की मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल,जयप्रकाश सारडा, संजय गुप्ता, संगीता गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT HYDERABAD.

S.O.P. NO. 16 OF 2026

Between:
1. Mrs. Aruna Patil
2. Dhananjay Patil
3. Ms. Gayatri Patil

...Petitioners

AND

1. Canara Robeco Mutual Fund
2. ICICI Prudential Mutual Fund
3. All Concerned

...Respondents

NOTICE

To,
All Concerned (Respondent No.3)

It is to inform all the Concerned that the Petitioners herein have filed the above mentioned S.O.P.No. 16 of 2026 on the file of Hon'ble I Senior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad to declare them as Successors of Late Sri. Mohan Patil who expired on 01-06-2025 to claim the Mutual Funds held in the name of deceased Late Mohan Patil (the then Proprietor of Santosh Daba) with Respondent No.1 and 2. Therefore if anyone has any objections, they are hereby directed to appear before the above mentioned Hon'ble Court either in person or through the Counsel on 17-03-2026 at 10.30 AM without fail, otherwise the matter will be decided as per law.

//BY ORDERS OF THE COURT//

M.Sai Kiran
K. Bhagath
Advocates
Phone No. 6304488256

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, MANJU LOVEVANSHI spouse of No.7784529W Hav SAVITANANDAN LOVEVANSHI, Residing at Vill: Bavdikheda, PO:Talen, Teh:Pachor, Dist:Rajgarh, Madhya Pradesh - 465680 have changed my name and DOB from MANJU LOVEVANSHI, DOB:04-05-1994 to MANJU LOVEWANSHI, DOB:04-05-1993 vide affidavit dt:24-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, BASAPPA K, is legally dependent Father of Service No. 15416583X, Rank:HAV, Name:RAJANNA K, Unit: 454 FIELD HOSPITAL, C/o 56 APO, R/o.H.No. 1-24, B C COLONY, VILL: IBRAHIM BAD, PO:IBRAHIM BAD, Teh HANWADA, Dist:MAHABUB NAGAR, State:TG, Pin 509334, do hereby That, I have changed my name from BASAPPA K to KAVALI BASAPPA due to addition of surname in my Son's Service Records. (My Date of Birth is 25-10-1950)

CHANGE OF NAME
I, K SATYAMMA, is legally dependent Mother of Service No. 15416583X, Rank:HAV, Name:RAJANNA K, Unit: 454 FIELD HOSPITAL, C/o 56 APO, R/o H.No. 1-24, B C COLONY, VILL: IBRAHIM BAD. PO:IBRAHIM BAD, Teh:HANWADA, Dist: MAHABUB NAGAR, State: TG, Pin: 509334, do hereby That, I have changed my name from K SATYAMMA to KAVALI SATYAMMA due to addition of surname in my Son's Service Records. (My Date of Birth is 16-07-1955)

CHANGE OF NAME
I, M GUNAVATHI Spouse of Service No. JC 136427K Sub (Retd) M SIVANNARAYANA, Resident of D-7, Sector C, AWHO Colony, Near Old Bowenpally Market, Manovikas Nagar, Secunderabad-500009, Telangana have changed my name from M GUNAVATHI to MADINENI GUNAVATHI vide affidavit dt 25-2-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B. Nagar.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.JC 734824F Nb/Sub JITENDRA SINGH BHADOURIYA, R/o. Gram and Post:Bhadakur, Teh:Bhind Bhadkur Bhind Madhya Pradesh-477555 have changed my daughter name and DOB from TANU BHADOURIYA, DOB:20-01-2014 to TANU, DOB:17-10-2012.

CHANGE OF NAME & DOB
I, RANI JADHAV Spouse of Service No. 6943062P Hav SHIVAJI JADHAV of Unit:1 Trg Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name and DOB from RANI JADHAV, DOB:18-12-1985 to RANI SHIVAJI JADHAV, DOB:07-09-1985 vide affidavit dt:25-2-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SANKARI PRADHAN is legally Spouse of No- JC-782850A, Rank – NB SUB, Name- SIBSANKAR BHUNIA, residing at Vill–Kendua, Po- Jamualachhimpur, Teh-Contai, Dist- Purba Medinipur, W.B. I have to change my Name from SANKARI PRADHAN to SANKARI RANI BHUNIA for all purpose vide affidavit dated: 24/02/2026.

CHANGE OF NAME
I, SAMEER DEEPAK WAKANKAR, S/O DEEPAK GOPAL WAKANKAR, Presently residing at Flat No. B 504, 5th Floor, Patel Golf Links, Generals Road, Yapral, Medchal Malkajgiri, Dist. Telangana. I have to change my Name from SAMEER WAKANKAR to SAMEER DEEPAK WAKANKAR for all purpose vide affidavit dated: 25/02/2026.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15816231N L/Nk BABU of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad that my mother name and DOB is changed from HEERABAI RATHOD, DOB:15-11-1968 to HEERA BAI, DOB:01-01-1964 and father name and DOB is changed from BHOJARAJ RATHOD, DOB:05-11-1963 to BHOJARAJ, DOB:01-01-1963.

|| गणेशाय नमः || || श्री श्याम देवाय नमः || || श्री हनुमते नमः ||

श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति, अत्तापुर, भाग्यनगर के तत्वावधान में

श्री श्याम निशान शोभा यात्रा (आठवीं)

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 प्रातः 4.31 बजे

: प्रमुख भजन गायक : किशोर तोष्णीवाल, अंशुल कोठारी, पवन डोकानिया, विश्वा ठाकुर

सम्माननीय अतिथि: श्री अनिरुद्ध गुप्ता (अध्यक्ष : अग्रवाल समाज, तेलंगाना), श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल ((Adcocate) Contestant MLA, Charminar (BJP)), श्री प्रवीण नावंदर (MIM Leader Attapur, Rajender Nagar)

संरक्षक/अध्यक्ष	परामर्शदाता	परामर्शदाता	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष
हनुमान अग्रवाल (भालवाले) 9700001043	श्रवण केड़िया 9849500773	विनोद टिबड़ेवाल 7989096371	राकेश केड़िया 9391302223	मुकेश चौधरी 9000141572	मुकेश अग्रवाल 7989826621	विमल गुप्ता 9390044419	देवेश अग्रवाल 9700128214

सदस्यगण: दीपेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अर्जुन टिबरेवाल, पंकज बंसल, वरुण कौशिक, गौरव बंसल, सचिन अग्रवाल (गजवेल), सुमीत शर्मा, अशोक अग्रवाल, आलोक शर्मा, वेंकट अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, बीरा रमेश, रंजित चौहान, विष्णु पाडे, रुद्र अग्रवाल, सांवरमल जी

शोभा यात्रा

श्री श्याम निशान, चाँदी का छतर, बाबा की अर्जी एवं मोर छड़ी से सुसज्जित होकर, अखण्ड ज्योत, फूलों की होली एवं भजन गंगा के साथ शिव मंदिर, तेजस्वी नगर, अत्तापुर से प्रातः 4.31 बजे प्रारंभ होकर किशनबाग - बहादुरपुरा - पुरानापुल - पेटला बुर्ज - पुल की माता अफ़जलगंज - चादरघाट से होती हुई खाटुधाम (काचीगुड़ा) श्याम मंदिर पहुँचेगी।

फागुन एकादशी के उपलक्ष्य में श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति द्वारा बाबा की ज्योत एवं भजन संध्या का आयोजन

समय : रात्रि 7.31 बजे से प्रभु ईच्छा तक

कार्यक्रम स्थल : RHV CONCEPT SCHOOL CHOWK TAGARI KA NAKA, HYD.

आयोजक : हम पाँच मित्र मंडल
सम्पर्क सूत्र : 9908630299

SHRAVAN KEDIA 9849500773 **JAI BALAJI POLYMERS** Kattedan, Hyderabad	HANUMAN AGARWAL 9700001043 **SRI SALASAR POLYMERS** Kattedan, Hyderabad	DEEPESH AGARWAL 9292556996 **SRI BALAJI POLYMERS** Kattedan, Hyderbad
MUKESH AGARWAL 7989826621 **DURGA CATTLE FEEDS** Kattedan, R.R. Dist. T.S. 77	LAXMAN MANE 8519887677 **KK POLYMERS** Kattedan, Hyderabad	Shree Radhee NAVEEN JAJU 6301499163 PURE VEG FAMILY DHABA
9390044419, 7893134419 **UDAY PLASTIC | BANSAL PLASTIC** Kattedan, Hyderbad	DILIP TOSHNIWAL 8919985611 **SAMARTH PLASTIC** Kattedan, Hyderabad	**KISHANPURI DIGITAL SERVICES** All Kinds Of Message, Whatsapp Message, Voice Invitation Bulk Sms Services Pavan Dokaniya 9030680525
OMPRAKASH GOEL 9246341751 **JSR PRODUCTS** Kattedan, Hyderbad	SUMIT MODI 9982194101 **SRM PRODUCTS PVT. LTD.** Kattedan, Hyderabad	SANDEEP BAID 9290126701 **SONA SALES** Kattedan, Hyderabad
RAVI JAIN 9398468556 **APEX ALUMINIUM & HARDWARE** Attapur, Hyderbad	MUKESH CHOUDHARY 7780281015 **MORVINANDAN TRADING CO.** Old Bowenpally, Secunderabad	SSPSS
MANOJ AGARWAL 9246215942 **VIKASH TRADERS** Mangalhat, Hyderabad	**हम पांच मित्र मंडल** Chowk, Kasarhatta, Hyderabad	**दीपक केड़िया**

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री श्यामदेवाय नमः || || श्री हनुमते नमः ||

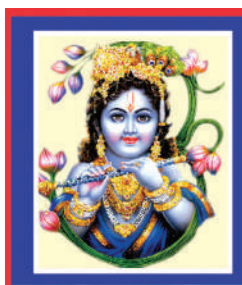

श्री श्याम मित्र मण्डल (सुरजगढ़ निशान)

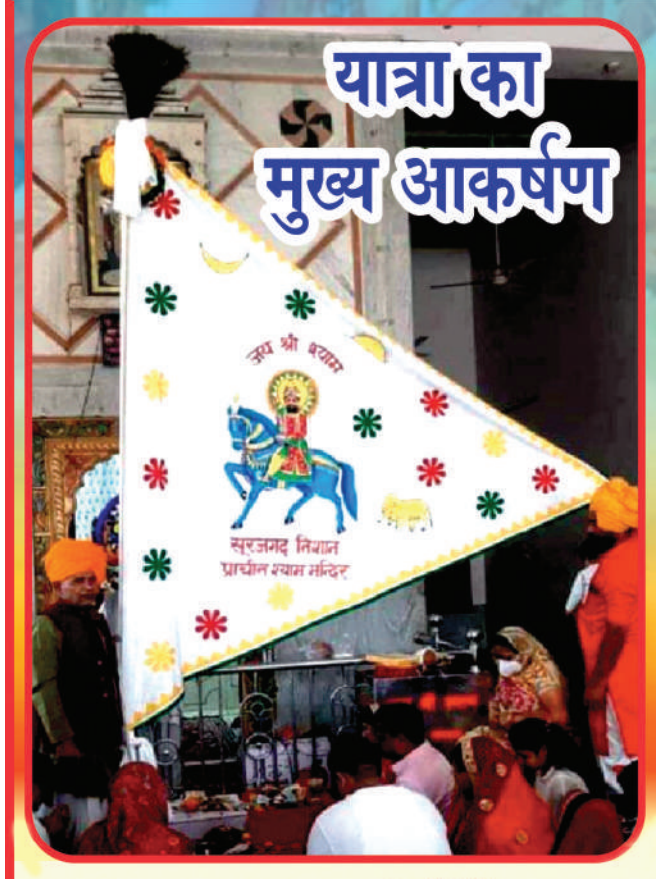

अत्तापुर, हैदराबाद

14वीं श्री श्याम निशान यात्रा के साथ सुरजगढ़ निशान की छठवीं भव्य यात्रा

श्री राम मंदिर, रामबाग, अत्तापुर से श्री श्याम मंदिर (खाटू धाम), काचीगुड़ा तक

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 को प्रातः 6 बजे
श्रीराम मन्दिर, रामबाग, अत्तापुर से प्रारंभ होकर (निशान पूजा के उपरान्त) निशान यात्रा श्री श्याम मन्दिर (खाटूधाम), काचीगुड़ा पहुँचेगी।

सुरजगढ के चमत्कारी श्री श्याम निशान (ध्वजा) की स्थापना, अत्तापुर राम मंदिर में गुरुवार, 26-2-2026 को सायं 5 बजे होगी।
निशान को मनोकामना मोली बांधने से बनेंगे बिगड़े काम।

सम्माननीय अतिथि: श्री रामचरणजी महाराज (श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा, हैदराबाद), श्री पवन गुरु (9 टेम्पल्स), श्री इन्द्रकरण अग्रवाल (श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा, हैदराबाद), श्री रामदेव अग्रवाल (श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा, हैदराबाद), श्री तोकला श्रीनिवास (बीजेपी नेता, राजेंद्र नगर), श्री वनम श्रीराम रेड्डी (बीआरएस नेता, अत्तापुर), श्री गिरधारीलाल मिठारवाल (समाजसेवी)

संरक्षक एवं यात्रा संयोजक	संरक्षक	अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष	यात्रा संयोजक एवं परामर्शदाता	परामर्शदाता	परामर्शदाता	परामर्शदाता
पवन कुमार नालपुरिया	राजेंद्र अग्रवाल दादरीवाले	सुरेश कुमार मोदी	नरेंद्र कुमार जांगीड	मालीराम अग्रवाल	संतोष अग्रवाल	सोहनलाल नेहरा	श्याम अग्रवाल	अशोक शर्मा

श्याम सेवक: तेजपाल नेहरा, योगेश जैन, मान प्रकाश जी शर्मा, सुभाष सांखला, मनीष शर्मा, रामावतार गुप्ता, मनोज गोयल, श्रीकांत मित्तल, राजेश स्वामी, सतीश स्वामी, विजय जांगिड़, संतोष चौधरी, छोटेलाल सैनी, बजरंग भाटी, अमित मोदी, छाजुराम मीणा, हरिकिशन अग्रवाल, धनराज चौधरी

निशान यात्रा सहयोगीगण : अभिषेक अग्रवाल, अमरचंद दादरीवाले, अमित मोदी, अंकुश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अशोक जांगिड़, अशोक कुमार हुडा कॉलोनी, अशोक शर्मा भरतनगर, अशोक शर्मा पांडुरंगानगर, अशोक नापित, बाबूलाल जोशी, बद्रीप्रसाद सरायवाला, बजरंगलाल भाटी, बेगराज कुमावत, भगवानराम, भंवरलाल चाहर, भंवरलाल ठोलिया, बीरबल चौधरी, छाजूराम मीना, छोटेलाल, डालूराम, धनराज चौधरी, दिनेश अग्रवाल, दिनेश शर्मा, दिनेश सोनी, घेवरचंद सांखला, गिरधारीलाल मिठारवाल, गोपाल बल्दवा, गोपाल मीना, गोपाल शर्मा, गोपीचंद शर्मा, गोविंदराज अग्रवाल, हरिसिंह शेखावत, हरफूल चौधरी, हीरालाल, जयप्रकाश, जुगलकिशोर पारीक, कमल शर्मा, करण सिंह जोधा, किरण शर्मा, कीर्ति सिंह एडवोकेट, लालचंद गुटकेवाले, लालनाथ सिद्ध, लालचंद अग्रवाल, लक्ष्मीकांत सारस्वत, लक्ष्मीनिवास सारडा, लोकेश पित्ती, महावीर पटेल, महेश शर्मा, मालीराम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मनीष शर्मा, मनोहरलाल पोद्दार, मनोज गोयल, मानप्रकाश शर्मा, वीवीएसआर अंजनैयुलू, मुकेश दादरीवाले, मुकेशकुमार, मूलचंद शर्मा, मुरारीलाल शर्मा, नारायणदास हेडा, नरेंद्र जांगिड़, नवीन अग्रवाल, नवीन जांगिड़, नवीन सोंथलिया, पंकज गौड, पन्नालाल शर्मा, पवन नालपुरिया, प्रकाश भाटी, पुरुषोत्तम कड़ेल, राहुल शर्मा, राजेंद्र दादरीवाले, राजेश कुमार सरावगी, राजेश साबू, राजेश कुमार शर्मा, राजेश स्वामी, राजकुमार अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, राम अग्रवाल, रामनिवास जाट, रामप्रसाद रिणवा, रामअवतार गुप्ता, रामेश्वरलाल शर्मा, रामेश्वरलाल मीना, रविप्रकाश शर्मा, रितेश अग्रवाल, सचिन मोर, संदीप कुमार शर्मा, संगीता रितेश भालवाले, संजय कुमार गुप्ता, संतोष चौधरी, संतोष अग्रवाल, शशिकांत शर्मा, सत्येंद्र सिंह ठाकुर, सतीश स्वामी, सत्यनारायण फोगला, सत्यनारायण रोहिवाल, सत्यनारायण अग्रवाल सूरजगढ़वाले, शिवप्रकाश शर्मा, शिवरतन प्रजापत, सोहनलाल नेहरा, श्याम अग्रवाल, श्रीचंद स्वामी, श्रीकांत मित्तल, सुनील चौधरी, सुनील कुमार भूत, सुरेंद्र शर्मा, सुरेश गांधी, सुरेश मोदी, तेजपाल नेहरा, उमेश नालपुरिया, विजय शर्मा, विशाल जांगिड़, विजय कुमार नालपुरिया, योगेश जैन, विकास अग्रवाल, श्यामसुन्दर जांगीड, सीताराम अग्रवाल, बाबूलाल शर्मा - जियागुडा, सतीश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, छोटेलाल चौधरी, अनिल सिंह, सुनील पित्ती, हर्ष गुप्ता, संदीप गोयल, राहूल शर्मा, हर्षित चौधरी, पंकज गोयल, विजय कुमार, मुरारीलाल, दुलाराम, विक्रम अग्रवाल।

Since 2009
R Balajee shopping mall
A COMPLETE FAMILY STORE

Dhanraj Lambror   Cell: 970 3703 472,897 7124 144
SILK/TEXTILES / READYMADE / SCHOOL UNIFORMS
#3-5-101, Pillar No. 143, Anandi Devi Complex, Hyderguda 'x' Road, Attapur, Hyderabad - 500 048. (T.S.)
GST NO. 36ABAFR1025M1ZA   rbalajeeshoppingmall@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.